Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 30 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-150

### पश्चिम बंगाल के मथुरापुर में हुई प्रधानमंत्री की विशाल रैली

# बंगाल की पहचान खत्म कर देगी तृणमूल कांग्रेस

**कोलकाता, 29 मई (एजेंसियां)।** सातवें चरण के मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में हुंकार भरी। पश्चिम बंगाल के मथुरापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और इंडी गठबंधन की जमकर आलोचना की। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर केंद्र की योजनाओं को आम लोगों तक नहीं पहुंचाने, बंगाल की संस्कृति की रक्षा न करने और राज्य की पहचान खत्म करने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि चार जून को देश में एक बड़ा मोड़ आएगा, जिसमें वे और उनकी सरकार अगले पांच साल स्वर्णिम भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं।

पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के नतीजे के दिन (चार जून) को देश का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट बताया। उन्होंने कहा, आने वाले पांच साल स्वर्णिम भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। ये एक बहुत बड़ा टर्निंग प्वाइंट है। और इसकी शुरुआत चार जून को होने जा रही है। विकसित भारत के लिए विकसित बंगाल का निर्माण जरूरी है। ये तभी होगा जब आप ऐसे सांसद चुने, जो इस विजन को लेकर चलें। इसलिए मुझे बंगाल से ज्यादा से ज्यादा आप कमल जिताकर भेजेंगे, इसका आशीर्वाद चाहिए।

- बंगाल को विपरीत दिशा में ले जा रहे टीएमसी और इंडी
- भारत का सबसे बड़ा टर्निंग-प्वाइंट होगा चार जून 2024

पीएम मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैं आज आपके साथ ही कोलकाता के भी लोगों का आभार व्यक्त करूंगा। कल शाम कोलकाता के लोगों ने रोड शो में, उसके पहले भी और बाद भी जो प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद दिए, वो मैं कभी भूल नहीं सकता। आपका ये स्नेह साफ-साफ संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा, 2024 का ये लोकसभा चुनाव कई मायनों में अलग है, अद्भुत है। ये चुनाव खुद आगे बढ़कर देश की जनता लड़ रही है। क्योंकि, उसी जनता ने 10 साल की विकास यात्रा भी देखी है और 60 वर्षों की दुर्गति भी देखी है।

वोट का महत्व समझाते हुए पीएम मोदी ने कहा, आप याद करिए, देश के करोड़ों गरीब जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे। भारत जैसे देश में भुखमरी की खबरें आम होती थी। करोड़ों लोगों के सिर पर छत नहीं थी। महिलाएं खुले में शौच जाने के लिए मजबूर थी। पीने के लिए पानी नहीं था। 18 हजार से ज्यादा गांवों में बिजली नहीं थी। उद्योगों के लिए संभावनाएं भी नहीं थी। सबसे बड़ा दुर्भाग्य ये भी था कि सुधार के लिए चर्चा भी नहीं होती थी। उन्होंने आगे कहा, वही भारत आज जब नई रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, तो पूरी दुनिया देख रही है। आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। ये सब आपके एक वोट की ताकत से संभव हुआ है। आपके वोट ने मोदी को मजबूत बनाया। और मोदी की मजबूत सरकार ने दुनिया में भारत का झंडा लहरा दिया।

पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और इंडी गठबंधन पर बंगाल को विपरीत दिशा में ले जाने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा, टीएमसी और इंडी जमात वाले बंगाल को विपरीत दिशा में लेकर जा रहे हैं। भाजपा से बंगाल के लोगों का प्यार टीएमसी को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इसलिए टीएमसी बुरी तरह से बौखलाई हुई है। टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचने नहीं दे रही है। टीएमसी की इस जिद का बहुत बड़ा नुकसान इस क्षेत्र के लाखों मछुआरों को हो रहा है। केंद्र सरकार मछुआरे भाई-बहनों के लिए इतनी सारी योजनाएं चला रही है। हमने मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी, पीएम मत्स्य संपदा योजना शुरू की, जिसके लिए 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का फंड दिया गया। लेकिन यहां भी टीएमसी सरकार का वही रवैया रहा कि हम ये होने नहीं देंगे।प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी बंगाल की पहचान खत्म करने में लगी है। ये बंगाल के मठों को, साधु संतों तक को नहीं छोड़ रही। टीएमसी इस्कॉन, रामकृष्ण मठ और भारत सेवाश्रम जैसी संस्थाओं को गालियां दे रही है। इनके गुंडे मठों पर हमला कर रहे हैं। टीएमसी के लोग राम मंदिर को अपवित्र बताते हैं। ऐसी टीएमसी कभी भी बंगाल की संस्कृति की रक्षा नहीं कर सकती।

### यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर की सभा में कहा

# देश पर्सनल लॉ से नहीं, अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा

**गोरखपुर, 29 मई (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर की चुनावी जनसभा में यह साफ-साफ ऐलान किया कि देश पर्सनल लॉ या शरीयत से नहीं, बल्कि बाबा साहेब अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा। योगी का स्पष्ट संकेत समान नागरिक कानून को लेकर था। सीएम योगी ने बुधवार को कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर संविधान का मखौल उड़ाने और एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाकर अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों को बांटने का कुत्सित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अपनी हार सुनिश्चित मानकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उनकी मंशा कभी पूरी नहीं होगी। भारत की जनता बहुत जागरूक है और वह मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार बनाएगी। अब तो जनता की ओर से ही आवाज आ रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। स्वाभाविक रूप से मोदी जी ही परम राम भक्त और परम राष्ट्र भक्त हैं तो मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए और भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी और इस दिशा में हम आगे बढ़ चुके हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि संविधान का सबसे ज्यादा मखौल कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन से जुड़े लोगों ने उड़ाया है और आज भी वह यही कर रहे हैं। देश के अंदर स्वतंत्र भारत में संविधान बना ही था कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विपरीत जाकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने धारा 370 को देश के संविधान में जबरन डालने का काम किया था। कांग्रेस ने संविधान में कितने संशोधन किए यह किसी से छुपे नहीं हैं। कांग्रेस ने अपनी पहली ही सरकार में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कैद

**कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने उड़ाया है संविधान का मखौल**

**जनता ही कह रही है : जो राम को लाए हम उनको लाएंगे**

करने का कार्य किया था तो 1975 में इमरजेंसी के माध्यम से संविधान का गला घोंटने का काम भी कांग्रेस ने ही किया था। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बार-बार यह कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। उन्होंने संविधान सभा में भी और बाद में भी इसका विरोध किया, लेकिन कांग्रेस ने लगातार यह प्रयास किया कि एससी, एसटी, ओबीसी के मिलने वाले आरक्षण में सेंध लगाकर इसमें से कुछ हिस्सा काटकर अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों को दे दिया जाए।

उन्होंने कहा कि यूपीए गवर्नमेंट के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का एक बयान जगजाहिर है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों में पहला अधिकार मुसलमानों का है। यूपीए सरकार के समय जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी और जस्टिस राजेंद्र सच्चर कमेटी एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाने की कुत्सित मंशा के साथ ही बनाई गई थी।

▶9पर

### सुप्रीम कोर्ट से झटके जाने के बाद केजरीवाल को फिर लगा झटका

## सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने अर्जी लेने से ही मना कर दिया

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।** दिल्ली ते सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगने के अगले ही दिन फिर सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार के यहां से करारा झटका लगा। रजिस्ट्री ने जमानत अवधि बढ़ाने की तुरंत सुनवाई की अर्जी लेने से ही मना कर दिया। अब केजरीवाल को दो जून को सरेंडर करना ही होगा।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर चल रहे दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़वाने की याचिका पर एक दिन पहले जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इन्कार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा था कि जब जस्टिस दत्ता की पीठ पिछले हफ्ते बैठी हुई थी, तब याचिका क्यों दायर नहीं की गई थी? दिल्ली सीएम ने स्वास्थ्य आधार पर अपनी जमानत अवधि को सात दिन बढ़वाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिससे कोर्ट ने इन्कार कर दिया। केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के कारण

▶9पर

### पाकी नेता ने राहुल, केजरीवाल, ममता की जीत की दुआ की

# मोदी का हारना पाकिस्तान के लिए जरूरी: फवाद चौधरी

**इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)।** पाकिस्तान से वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान चाहता है कि भारत के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी चुनाव हार जाएं। नरेंद्र मोदी का चुनाव हारना पाकिस्तान के लिए जरूरी है। चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी जीत जाएं तो पाकिस्तानियों को काफी खुशी होगी। पाकिस्तान इनकी जीत के लिए दुआएं कर रहा है। भारत में हो रहे लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की पाकिस्तान पूरी कोशिश कर रहा है। पाकिस्तानी राजनीतिकों की तरफ से लगातार ऐसी बयानबाजियां हो रही हैं जो भारत के चुनाव में बाधा डालने के इरादे से जारी की जा रही हैं। पाकिस्तान सरकार में मंत्री रहे फवाद चौधरी लगातार भारत के चुनाव पर बयानबाजी कर रहे हैं। उनकी बयानबाजी पर भारत की राजनीति में चर्चा भी रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान के

फवाद चौधरी ने एक बार फिर ऐसा बयान दे दिया है जो अंतिम चरण से ठीक पहले विवाद खड़ा कर सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही एक पुराने बयान को ही आधार बनाते हुए कहा कि इस समय मैं मानता हूं कि भारत के वोटर का असल फायदा इस बात में छिपा है कि पाकिस्तान से उसके रिश्ते बेहतर हों, भारत विकासशील देश की ओर बढ़े।

फवाद ने कहा कि अब ये सब तभी हो सकता है जब नरेंद्र मोदी और उनकी विचारधारा को हराया जाए। अब जो भी उन्हें हराएगा, फिर चाहे वो राहुल हों, केजरीवाल हों या फिर ममता बनर्जी, हमारी शुभकामनाएं तो उन लोगों के साथ हैं,

▶9पर

### भारत के स्वदेशी घातक हथियार की कायल हुई फ्रांस की सेना

**उमरोई (मेघालय), 29 मई (एजेंसियां)।** मेघालय के उमरोई में भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच हुए संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति-2024 भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट और फ्रांसिसी सेना की तरफ से 13वीं विदेशी सेना हाफ ब्रिगेड (13 डीबीएलई) के 90-90 सैनिकों ने हिस्सा लिया। इस सैन्य अभ्यास सबसे ज्यादा चर्चा रही पहली भारतीय सब मशीन गन (एसएमजी) की। एसएमजी को मेक इन इंडिया के तहत भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है। फ्रांसिसी सेना भी इस घातक हथियार को देख कर और इसे ऑपरेट कर बहुत प्रभावित हुई। फ्रांस सेना के अधिकारियों ने भारत के इस घातक हथियार की सटीकता और क्षमता का जायजा लिया। खास बात यह है कि एसएमजी को भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है। इसे सेना में शामिल कर लिया गया है। इससे रक्षा हथियारों में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ी है। इस हथियार का नाम ही आत्मसम्मान सब मशीन गन (एएसएमआई एसएमजी) दिया गया।

▶9पर

### कार्टून कॉर्नर

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 74,700/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,980/- (प्रति किलोग्राम)

### सत्ता की शीर्ष नौकरशाही में अभी से जोड़तोड़ तेज

# कौन बनेगा नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार!

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।** लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण अभी बाकी है। उसके बाद चार जून को चुनाव का परिणाम आएगा। लेकिन केंद्रीय सत्ता के शीर्ष प्रशासनिक गलियारे में अभी से देश के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होते हैं तो क्या वे अजित डोभाल को ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में नियमित करेंगे या अजित डोभाल का कोई उत्तराधिकारी चुना जाएगा।

देश के मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल का कार्यकाल इस महीने के आखिर में 31 मई, 2024 को समाप्त हो रहा है। इस साल जनवरी में 79 वर्ष के हो चुके अजित डोभाल पिछले दस साल से देश के एनएसए हैं। चार जून को चुनाव परिणाम घोषित के बाद नई सरकार एनएसए के पद के लिए अपने पसंद के अधिकारी को प्राथमिकता देगी। शीर्ष नौकरशाही में चर्चा है कि भाजपा सरकार की वापसी होने पर अजित डोभाल से कुछ दिन और सेवा में रहने के लिए कहा जा सकता है।

अजित डोभाल

1968 बैच के केरल कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी अजित डोभाल को साल 2019 में कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 31-05-2019 को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी थी। उनका दूसरा कार्यकाल पांच साल के लिए बढ़ाया गया था।

**अजित डोभाल रहेंगे, या कोई आएगा उत्तराधिकारी**

**कैबिनेट कमेटी को भेजे गए कई अफसरों के नाम**

साथ ही उन्हें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मामलों के मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समान कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया गया था। उस समय उनकी नियुक्ति के आदेश को लेकर कहा गया था कि उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ-साथ या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, समाप्त होगी। वहीं उनका कार्यकाल इस साल 31 मई को समाप्त हो रहा है। हालांकि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वे केवल राज्य मंत्री के रैंक के साथ केवल एनएसए ही नियुक्त किए गए थे। तब उन्होंने पांचवे एनएसए के तौर पर 30 मई, 2014 को पदभार संभाला था।

चर्चा है कि अजित डोभाल ने अब रिटायर होने की इच्छा जताई है। चार जून के बाद नई सरकार के गठन के बाद उन्होंने पद छोड़ने के संकेत दिए हैं। अगर भाजपा सरकार लौट कर भी आती है तब भी वे अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर अनिच्छुक हैं। लिहाजा, डोभाल के उत्तराधिकारी के तौर पर कुछ नाम कैबिनेट की नियुक्ति समिति को भेजे गए हैं। नया एनएसए बनने की रेस में कई नाम हैं। उनमें रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व चीफ सामंत गोयल का नाम भी है। अजित डोभाल के करीबी सामंत गोयल को पहले 2021 में बतौर रॉ चीफ एक वर्ष का एक्सटेंशन दिया गया था। उसके बाद 2022 में भी कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनका कार्यकाल एक साल यानी 30 जून 2023 तक बढ़ा दिया था। गोयल को खुफिया मामलों का खास जानकार बताया जाता है।

▶9पर

TIBCON CAPACITORS
It`s all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

### मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $38^{0}$

न्यूनतम : $28^{0}$

# अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, ताइवान की सीमा के पास फिर भेजे 13 सैन्य विमान और नौ जहाज

**ताइपे, 29 मई (एजेंसियां) ।**

चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 13 विमान, पांच नौसेनिक जहाज और चार तटरक्षक जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। तीन विमानों ने मध्य रेखा की पार ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान के आसपास चीनी सैन्य विमान और नौसैनिक जहाजों को देखा गया। इतना ही नहीं 13 चीनी विमानों में से तीन ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया। इसके अलावा, एक ने दक्षिण-पश्चिम में देश के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) के अंदर घुसने की कोशिश की। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। वहीं यहां एक चीनी ड्रोन भी देखा गया। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। क्या है ग्रे जोन रणनीति अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोन रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है। 403 चीनी सैन्य विमानों को भेज चुका है चीन इस महीने अब तक करीब 403 चीनी सैन्य विमानों और करीब 243 नौसैनिक/तटरक्षक जहाजों ने ताइवान में घुसने की कोशिश की है। ताइवान पर कभी शासन नहीं करने के बावजूद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी इसे अपने क्षेत्र का हिस्सा मानती है।

## न्यूज ब्रीफ

### इजराइली सेना के समर्थन में उतरीं निक्की हेली, रॉकेट पर लिखा- उन्हें खत्म कर दो

**वॉशिंगटन/यरुशलम ।** साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने इजराइल की यात्रा के दौरान रॉकेट पर कुछ ऐसे शब्द लिखकर इजराइली रक्षा बलों का प्रोत्साहन किया, जो अब चर्चाओं में आ गए हैं। दरअसल, वह मेमोरियल डे पर इजराइल पहुंची थीं। यहां उन्होंने रॉकेट पर फिनिश देम यानी उन्हें खत्म कर दो लिखकर हस्ताक्षर किए। डैनी डैनन भी मौजूद बता दें, दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर ने समर्थन का यह स्पष्ट प्रदर्शन लेबनान के साथ लगती इजराइल की उत्तरी सीमा की यात्रा के दौरान किया। यहां उनके साथ संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के पूर्व राजदूत और नेसेट में बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के जाने-माने उग्रवादी सदस्य डैनी डैनन भी मौजूद थे। 155 मिमी ऊंचे रॉकेट पर लिखा संदेश संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत ने 155 मिमी ऊंचे रॉकेट पर लिखा, उन्हें खत्म कर दो! अमेरिका हमेशा इजराइल से प्यार करता रहेगा। हेली का यह समर्थन ऐसे समय में सामने आया है, जब इजराइली सेना गाजा में विनाशकारी हमले कर रहा है। गाजा में अब तक 36,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें से करीब 15,000 बच्चे हैं। बाइडन प्रशासन की आलोचना पूर्व गवर्नर ने हथियारों को अस्थायी रूप से रोके जाने पर जो बाइडन के प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने दक्षिणी गाजा शहर राफा पर इजराइली हमले को हतोत्साहित करने का बाइडन पर आरोप लगाया। साथ ही नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग कर रहे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और नरसंहार के आरोपों पर विचार कर रहे अंतरराष्ट्रीय न्यायालय पर निशाना साधा। इजराइल हमारे दुश्मनों से लड़ रहा निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका को यह समझने की जरूरत है कि अगर इजराइल हमारे दुश्मनों से लड़ रहा है तो हम उनकी कैसे मदद नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि इजराइल की मदद नहीं करने का निश्चित तरीका हथियारों को रोकना और आईसीसी, आईसीजे या उन लोगों में से किसी की भी प्रशंसा करना है, जो इजराइल की निंदा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका को फिलहाल इजराइल का साथ देने की जरूरत है। इजराइल को यह बताना बंद करें कि इस युद्ध से कैसे लड़ना है। आप या तो दोस्त हैं या दोस्त नहीं हैं।

### पापुआ न्यू गिनी को भारत देगा 10 लाख डॉलर की मदद, पीएम मोदी बोले- हर मदद को तैयार

**मेलबर्न।** भूस्खलन की वजह से पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) में दो हजार से ज्यादा लोगों की मौत और दस हजार लोगों के विस्थापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताते हुए कहा, प्रभावित परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, भारत हर संभव सहायता और सहयोग देने के लिए तैयार है। साथ ही भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से पीएनजी को तुरंत राहत पहुंचाने के लिए 10 लाख डॉलर की मदद देने का एलान किया है। अब तक 670 शव निकाले, भूस्खलन का खतरा बरकरार पापुआ न्यू गिनी के एंगा राज्य के गांव यामबलि में हुए भूस्खलन में दो हजार लोग चट्टान के नीचे दब गए। इन सभी को अब मृत मान लिया गया है। 670 के करीब शव निकाले जा चुके हैं। फिलहाल, यामबलि के आसपास के इलाकों में फिर से भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। लगातार बारिश और जलभराव की वजह से हो रहे भूस्खलन को ध्यान में रखकर करीब 10 हजार लोगों उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

### ताइवान की संसद ने घटाईं चीन विरोधी राष्ट्रपति की शक्तियां विधेयक को दी मंजूरी

**ताइपे।** ताइवान में इन दिनों सियासी घमासान मचा हुआ है। एक तरफ जहां राष्ट्रपति लाइ चिंग ते देश को स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश बनाए रखना चाहते हैं, वहीं संसद में बहुमत रखने वाली नेशनलिस्ट पार्टी आधिकारिक तौर पर ताइवान का चीन में विलय चाहती है। संसद ने उस विधेयक को मंजूरी दी जो वित्तीय, सैन्य और प्रशासनिक मामलों में राष्ट्रपति की शक्तियों को घटाता है।

राष्ट्रपति चिंग ते डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी से आते हैं। इस पार्टी की अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति साइ इंग वेन हैं, जिनके कार्यकाल में अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने ताइवान की यात्रा की थी। ताइवान की संसद के फैसले के खिलाफ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के हजारों समर्थकों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया। ताइवान में राष्ट्रपति राष्ट्र और प्रशासन दोनों का प्रमुख होता है। ऐसे में संसद का फैसला टकराव पैदा कर सकता है।

# दक्षिण गाजा के रफाह से 10 लाख से अधिक विस्थापित, किर्बी बोले- आईडीएफ का हमला खौफनाक, यूएस की बात बेअसर

**तेल अवीव, 29 मई (एजेंसियां) ।**

इजराइल ने अमेरिकी चेतावनी और वैश्विक आलोचना को दरकिनार करते हुए रफाह के सिटी सेंटर पर कब्जा कर लिया। लंबे समय से अमेरिका सहित तमाम देश इजराइल को राफा से दूर रहने की चेतावनी दे रहे थे, लेकिन एक कैंप पर हवाई हमले के बाद राफा के सिटी सेंटर पर इजराइल टैंक पहुंच गए। इसके साथ ही राफा के अलग-अलग हिस्सों में जमीनी और हवाई दोहरी कार्रवाई में 20 फलस्तीनियों की मौत हुई है।

इजराइली कार्रवाई को डरावना बताते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने कहा, गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं है। यह आतंक रुकना चाहिए। उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को डरावनी कार्रवाई रोकने को कहा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पहले ही चेताया था कि अगर इजराइल ने रफाह पर धावा बोलने की रेड लाइन पार की तो अमेरिका हथियार नहीं देगा। बहरहाल, अमेरिकी राष्ट्रपति की इस चेतावनी को दरकिनार कर इजराइल ने रफाह पर न केवल बड़ा हमला किया, बल्कि सिटी सेंटर पर कब्जा कर हवाई और जमीनी हमले जारी रखे हैं।

### नागरिकों की मौत पर नेतन्याहू ने जताया दुख

रफाह में एक कैंप पर हुए इजराइली हमले में 45 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले को दुखद हादसा बताते हुए मामले की जांच कराने का आदेश दिया है। वहीं, बाइडन प्रशासन ने कहा है कि इजराइल को हमले सटीक करने चाहिए, जिनमें नागरिकों को न्यूनतम नुकसान पहुंचे। पिछले वर्ष सात अक्तूबर को हमास के बर्बर हमले के बाद शुरू हुई इजराइली कार्रवाई में अब तक 36 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजराइली डिफेंस फोर्स के मुताबिक, इनमें से करीब 12 हजार हमास आतंकी हैं।

### तीन यूरोपीय देशों ने दी फलस्तीन को मान्यता

तीन यूरोपीय देशों स्पेन, नॉर्वे और आयरलैंड ने अपनी-अपनी संसदों के जरिये फलस्तीन को संप्रभु राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने का एलान किया है। इन देशों की मान्यता के साथ संयुक्त राष्ट्र के सदस्य 193 देशों में से अब 140 देश स्वतंत्र-संप्रभु फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता दे चुके हैं। हालांकि, डेनमार्क की संसद ने फलस्तीन को मान्यता देने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

### 10 लाख से ज्यादा विस्थापित

संयुक्त राष्ट्र फलस्तीन शरणार्थी एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के मुताबिक, बीते तीन सप्ताह के भीतर रफाह से 10 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। जंग की शुरुआत में रफाह पहुंचे लोग भी पलायन कर रहे हैं।

### रफाह में जमीनी अभियान की जरूरत नहीं: किर्बी

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा, अमेरिका अभी भी नहीं मानता कि रफाह में कोई बड़ा जमीनी अभियान चलाया जाना चाहिए। हम नहीं चाहते कि इजराइली सेना की बड़ी टुकड़ियां रफाह के बड़े इलाकों में घुसें। अमेरिका मध्य पूर्व के पूरे घटनाक्रम पर बहुत करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने साफ किया कि किसी भी परिस्थिति में निर्दोष लोगों की मौत बेहद दुखद है। नुकसान जितना संभव हो सके कम किया जाना चाहिए।

### पश्चिम एशिया से सामने आई विनाशकारी तस्वीरें

रफाह में इजराइली सेना के हमले पर किर्बी ने कहा, वहां से विनाशकारी तस्वीरें और रिपोर्टें सामने आई हैं। आईडीएफ के हमले में दर्जनों निर्दोष फलस्तीनी मारे गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। सभी ने दिल दहला देने वाली तस्वीरें देखी हैं। युद्धग्रस्त इलाकों का मंजर भयावह है। इस हिंसक संघर्ष में किसी निर्दोष की जान नहीं जानी चाहिए। इजराइल को हमास पर हमला करने का पूरा अधिकार है, और हमले में हमास के दो शीर्ष आतंकी भी मारे गए हैं, लेकिन निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए इजराइली सेना को हर संभव सावधानी बरतनी चाहिए। अधिक जानकारी जुटाने के लिए अमेरिका ने कई स्तरों पर इजराइली रक्षा बलों से संपर्क किया है। हम आईडीएफ और जमीन पर मौजूद दूसरे भागीदारों के साथ सक्रियता से जुड़े हैं।

# जेल में बंद हमास आतंकवादियों के साथ दुर्व्यवहार की खबरों पर इजराइल सख्त, नियुक्त की सलाहकार समिति

**यरुशलम, 29 मई (एजेंसियां) ।**

हमास और इजराइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, इजराइल के शीर्ष सेना के अधिकारी ने सात अक्तूबर को पकड़े गए हमास आतंकवादियों की स्थिती जांचने के लिए एक सलाहकार समिति नियुक्त की है। इसकी जानकारी इजराइली सेना ने दी।

### इस रिपोर्ट पर लिया संज्ञान

बता दें, समिति की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है, जब मई माह के बीच में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें इजराइल पर आरोप लगाए गए थे कि गाजा में हिरासत में लिए गए हमास आतंकवादियों को यातनाएं दी गईं और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। इस रिपोर्ट के बाद ही इजराइली सेना (आईडीएफ) के चीफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने समिति की नियुक्ति की है।

### यह है प्रक्रिया

गाजा में हिरासत में लिए गए आतंकी संदिग्धों को इजराइल की जेल में भेजने से पहले आईडीएफ के एसडी तेमन, अनातोत और ओफर ठिकानों पर भेजा जाता है। इजराइली सेना ने कहा कि हालांकि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या अधिक होने के कारण कईयों को आईडीएफ की हिरासत सुविधाओं में कुछ अधिक समय के लिए रखा गया था। इस बीच, इन सुविधाओं के बारे में सवाल खड़े किए गए।

### अबतक इतने लोग मारे गए

युद्ध शुरू होने के बाद से फलस्तीन के 35,984 लोग मारे गए हैं और 80,643 अन्य घायल हुए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया कि आईडीएफ ने गाजा पट्टी में आठ नरसंहार किए। इसमें आगे कहा गया है कि कई पीड़ित अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं या सड़कों पर हैं। इसलिए एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल उन तक नहीं पहुंच सकते। वहीं, गाजा में करीब 2300 आतंकवादी संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा, हमास के हमलों में इजराइल के कम से कम 12 सौ लोग मारे गए और 252 इस्राइलियों को बंधक बना लिया था।

# बांग्लादेशी सांसद की हत्या का केसः पुलिस को घटनास्थल पर सेप्टिक टैंक से मिले मांस के टुकड़े, फॉरेंसिक लैब भेजे

**ढाका, 29 मई (एजेंसियां) ।**

बांग्लादेश के सांसद के कोलकाता में मृत मिलने के बाद से दोनों ही देश की पुलिस टीम गुत्थी सुलझाने में लगी है। बांग्लादेश के पुलिस जासूसी विभाग के प्रमुख ने कहा कि कोलकाता हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के सैप्टिक टैंक में मांस पाया गया है, उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। बांग्लादेश के सांसद जो कि कोलकाता पहुंचने के एक दिन बाद 13 मई से लापता थे। उनकी हत्या को लेकर कई सारे तथ्य सामने आए हैं। उनकी हत्या कोलकाता के एक अपार्टमेंट में की गई, जहां उनके शरीर के टुकड़े कर दिए गए थे। इसके बाद टुकड़ों को प्लास्टिक बैग में पैक करके उनका निपटान किया। पश्चिम बंगाल सीआईडी ने कहा कि इस मामले के संदिग्ध में से एक मुंबई के कसाई से पूछताछ की गई। उसने कबूल किया कि उसने बांग्लादेशी सांसद के शरीर से सारी खाल उतार ली थी, उसे काट दिया था। पहचान मिटाने के लिए कटे हुए हिस्सों को बारीक र दिया था। वहीं बांग्लादेशी सांसद की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए विशेष जांच दल एसआईटी का गठन किया गया था। बांग्लादेश पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। बता दें कि बांग्लादेश के जासूसी विभाग प्रमुख हारुन-ओ-रशीद भारत पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस मामले की पुष्टि तभी हो सकती है जब मांस के नमूनों की रिपोर्ट मिल जाए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सीआईडी की मदद से उस डुप्लेक्स फ्लैट की सीवेज लाइन और सैप्टिक टैंक खोला गया था, उसमें मांस मिला था। जिसे फॉरेंसिक और डीएनए जांच के लिए भेजा गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि कई डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, और हम आरोपी कसाई का बयान भी दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद हमने बयान का मिलान बांग्लादेश के आरोपियों के बयान से किया। हमें परिस्थितिजन्य साक्ष्य मिले हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य संदिग्ध की पहचान अख्तरुज्जमां के रूप में हुई।

# राष्ट्रपति पुतिन ने दी पश्चिमी देशों को चेतावनी, कहा हथियारों से यूक्रेन की मदद की तो अंजाम बुरा होगा

**मॉस्को, 29 मई (एजेंसियां) ।**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों को यूक्रेन की मदद के लिए चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिमी देश रूस पर हमला करने के लिए यूक्रेन को अपने हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत देता है तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। पुतिन ने यह चेतावनी तब दी, जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि रूस जहां से यूक्रेन पर हमला कर रहा है, उन ठिकानों को नष्ट करने के लिए यूरोपीय देशों को यूक्रेन की मदद करनी चाहिए।

### पश्चिमी देशों को पुतिन की चेतावनी

पुतिन का यह बयान तब आया, जब नाटो के कुछ सदस्य और गठबंधन के प्रमुख जेंस स्टोलटेनबर्ग ने रूस की धरती पर हमला करने के लिए यूक्रेन को अपने हथियारों का इस्तेमाल करने की इजाजत दी। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच पिछले दो साल से भी ज्यादा समय से युद्ध जारी है।

उज्बेकिस्तान में अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी देते हुए कहा, इसका परिणाम गंभीर होगा। उन्होंने आगे कहा, यूरोप के छोटे-छोटे देशों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि वे किसके साथ खेल रहे हैं। दरअसल, कई यूरोपीय देशों में कम क्षेत्र में घनी आबादी रहती है। इस संदर्भ में पुतिन ने कहा, उन्हें यह कारक रूसी क्षेत्र में हमला करने से पहले ध्यान में रखना चाहिए। यह एक गंभीर बात है।

रूस पर हमले के लिए जिम्मेदार पश्चिमी देश होंगे: पुतिन पुतिन ने आगे कहा कि भले ही हमला यूक्रेन ने किया, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार हथियारों की आपूर्ति करने वाले पश्चिमी देश होंगे। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि पश्चिमी सैन्य प्रशिक्षक पहले से ही यूक्रेन में गुप्त रूप से काम कर रहे हैं। यूक्रेन के शीर्ष कमांडर ने बताया कि देश में सैन्य प्रशिक्षक भेजने पर फ्रांस के साथ बातचीत की जा रही थी। इस पर पुतिन ने कहा, हम वही करेंगे जो हमें ठीक लगेगा चाहे यूक्रेन के क्षेत्र में कोई भी हो।

यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के प्रमुख ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के रक्षा मंत्रियों के साथ बैठक के बाद कहा कि यूरोपीय देश यूक्रेन में सैन्य प्रशिक्षक भेजने के प्रस्ताव पर बंटा हुआ है। जर्मनी समेत कई देश इस कदम का विरोध कर रहे हैं। उन्हें डर है कि उनका ये कदम रूस के साथ सीधे संघर्ष में बदल सकता है। बता दें कि यूरोपीय संघ के देशों ने 2022 में स्थापित एक ब्लॉक-वाइड मिशन के तहत यूक्रेन के बाहर 50.000 यूक्रेनी सैनिकों को प्रशिक्षित किया है।

# पूर्व पीएम शिनावात्रा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, राजशाही को बदनाम करने मामले में फिर जांच शुरु

**बैंकॉक, 29 मई (एजेंसियां) ।**

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनपर एक नया आरोप लगाने की तैयारी हो रही है। दरअसल, यहां के अभियोजकों ने बताया कि शिनावात्रा पर राजशाही को बदनाम करने का आरोप लगाया जाएगा, जबकि तीन महीने पहले उन्हें अन्य आरोपों में पैरोल पर रिहा किया गया था। इससे पूर्व पीएम की परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के प्रवक्ता प्रायुथ बेजरगुना ने कहा कि थाकसिन को अभी दोषी नहीं ठहराया जाएगा क्योंकि उन्होंने अपनी नियुक्ति को टालने के लिए एक अनुरोध दायर किया था, जिसमें उन्होंने यह सबूत दिया था कि वह कोविड से संक्रमित हैं।

### 18 जून को होगी सुनवाई

प्रायुथ ने बताया कि अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने 18 जून को थाकसिन के खिलाफ आरोप तय किए जाने के लिए नई तिथि निर्धारित की है। उन्होंने यह भी बताया कि थाकसिन पर कम्प्यूटर अपराध अधिनियम के उल्लंघन का भी आरोप लगाया जाएगा।

### साल 2008 में लगा था भ्रष्टाचार का आरोप

दो बार थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके थाकसिन एक अरबपति नेता हैं, जो अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं। थाकसिन ने साल 2001 से 2006 तक थाईलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। हालांकि, साल 2006 के सैन्य तख्तापलट में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। साल 2008 में थाकसिन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह थाईलैंड छोड़कर भाग गए थे और करीब 15 साल के आत्म-निर्वासन बाद, पिछले साल अगस्त में वापस अपने देश आ गए, जिसके बाद उन्हें उनके आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। उन्होंने अपनी सजा का पूरा समय पुलिस के अस्पताल में बिताया, जिसके बाद विरोधियों ने उन पर विशेषाधिकार होने का भी आरोप लगाया है।

### मिली थी शाही माफी

थाकसिन को अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में आठ साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद ही थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने शाही माफी दे दी, जिसके बाद उनकी सजा आठ साल से घटाकर एक साल कर दी गई थी। 22 अगस्त को जेल जाने के कुछ घंटे बाद ही थाकसिन ने सीने में जकड़न और उच्च रक्तचाप की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें बैंकॉक के एक पुलिस अस्पताल में भेज दिया गया था।

थाईलैंड की गठबंधन सरकार ने 74 साल के थाकसिन शिनावात्रा की उम्र का हवाला दिया था, जिसके बाद उन्हें फरवरी में स्पेशल पैरोल पर रिहा किया गया। थाकसिन अपनी सजा पूरी होने के करीब छह महीने पहले ही हिरासत से रिहा हुए थे।

### फिर से बढ़ सकती हैं मुश्किलें

हालांकि, अब एक बार फिर उनकी परेशानी बढ़ती दिख रही है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय का कहना है कि उसने इस बात की जांच फिर से शुरू कर दी है कि क्या थाकसिन ने लगभग नौ साल पहले राजशाही को बदनाम किया था। अगर मानहानि के आरोप सिद्ध होते हैं तो उन्हें 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि थाकसिन पर मूल रूप से 2016 में कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने एक साल पहले दक्षिण कोरिया के सियोल में पत्रकारों से बात करते हुए टिप्पणी की थी। हालांकि थाकसिन ने आरोपों से इनकार किया था और खुद का बचाव करते हुए एक बयान जारी किया था।

### दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत

प्रायुथ ने कहा कि अटॉर्नी जनरल के पास थाकसिन को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। उन्होंने कहा कि अभियोजकों ने अगले महीने अदालत में पेश करने के लिए अपने बयान और दस्तावेज तैयार कर लिए हैं।

# मेजर राधिका सेन को मिला संयुक्त राष्ट्र का सेना मेडल

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।**

कांगो में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मिशन में सेवा दे चुकी भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन को सैन्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। इस पुरस्कार को लेकर राधिका सेन ने कहा कि बहुपक्षीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान की बात है। 30 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर मेजर राधिका सेन को 2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड दिया जाएगा।

राधिका सेन ने कहा, यह वास्तव में मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे न केवल अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, बल्कि मेरे सभी सहयोगियों, शांति सैनिकों और विशेष रूप से अपने देश भारत का प्रतिनिधित्व करने का भी मौका मिला। एक अंतरराष्ट्रीय फोरम में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक ऐसा एहसास है जिसे बयान नहीं किया जा सकता।

मेजर राधिका सेन ने भारतीय मिशन में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिका कंबोज से भी मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रुचिका कंबोज ने कहा, मेजर राधिका सेन को 30 मई को 2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उनका समर्पण और उनकी बहादुरी एक बेहतर दुनिया के निर्माण में महिला शांतिरक्षकों की अमूल्य भूमिका को उजागर करती है।

मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं। वह मूल रूप से हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उनका जन्म 1993 में हुआ था और वह आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुई थीं। मेजर राधिका सेन ने बायोटेक इंजीनियरिंग में स्नातक किया, इसके बाद ही उन्होंने भारतीय सेना में शामिल होने का फैसला किया था।

राधिका सेन ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों को कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने कहा, किसी भी संघर्ष वाले इलाके में महिलाएं एवं लड़कियां ही असमान रूप से प्रभावित होती हैं। मेजर सेन ने आगे कहा कि उनका और उनकी टीम का प्रयास उन महिलाओं और लड़कियों तक पहुंचना था। उनसे उनकी परेशानियों को लेकर बात करना और उन परेशानियों से उन्हें बाहर निकालना था। मेजर सेन ने कहा, आज की दुनिया में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि महिलाएं एक-दूसरे का समर्थन करें और समाज में मौजूद भेदभावपूर्ण मानदंडों से लड़ें। महिलाओं को सशक्त बनाने में रोजगार की अहम भूमिका है। इस दौरान पुरुषों को भी महिलाओं का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हम महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षा देते थे। बता दें कि वर्तमान समय में भारत यूएन में महिला सैन्य शांति सैनिकों 11वां सबसे बड़ा योगदान देने वाले देशों में से एक है।

**जम्मू कश्मीर में भी रिकॉर्ड बना रही प्रचंड गर्मी, पारा 47 पार**

# 10 घंटे बिजली कटौती, लेकिन फिक्र स्मार्ट मीटर लगाने की

**सुरेश एस डुग्गर**

**जम्मू, 29 मई।**

प्रचंड गर्मी इस बार जम्मू कश्मीर में भी नए रिकार्ड बना रही है। जम्मू संभाग के कई इलाकों में पारा 47 डिग्री को पार कर रहा है और लोगों की बदनसीबी यह है कि इतनी गर्मी में भी 8 से 10 घंटों की बिजली कटौती उन्हें सहन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। यही नहीं, भीषण गर्मी और बिजली की आंख मिचौनी के बीच बिजली विभाग अभी भी कई इलाकों में इस वायदे के साथ स्मार्ट मीटर लगाने की मुहिम छेड़े हुए है कि इनकी स्थापना के उपरांत 24 घंटे बिजली मिलेगी।

इस वायदे की सच्चाई यह है कि तीन सालों से यह वादाखिलाफी खुद बिजली विभाग कर रहा है जो भयानक सर्दी और फिर भयानक गर्मी में 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने के वायदों से मुकरने के लिए कई कारण गिना दे रहा है। और हर बार घोषित व अघोषित बिजली कटौती के समय कसे बढ़ा देता है।

हालत यह है कि प्रचंड गर्मी के कारण बाजार सुने पड़े हुए हैं और पहाड़ आने वालों की गर्मी से दहकने लगे हैं। लोगों की दौड़ पहाड़ीस्थलों की ओर तो है पर वहां भी उन्हें बिजली कटौती के साथ ही प्रकृति की बेरहमी सहन करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

यह इसी से स्पष्ट है कि क्षमता से अधिक भरे हुए कश्मीर के पर्यटनस्थलों पर जाने वालों को भी बिजली कटौती और तापमान में वृद्धि का स्वाद चखना पड़ रहा है। यह जानकार हैरानगी होगी की कश्मीर में भी पिछले कई दिनों से हीट वेव इसलिए चल रही है क्योंकि जिस तरह से कश्मीर आने वालों की संख्या नया रिकार्ड बना रही है ठीक उसी प्रकार गर्मी भी नए सोपान पर है।

जम्मू कश्मीर में बढ़ती गर्मी को देखते हुए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने जम्मू संभाग के ग्रीष्मकालीन क्षेत्र में सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के लिए एक जून से 46 दिनों की ग्रीष्मकालीन छुट्टी की घोषणा जरूर की है। और जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट ने क्षेत्र में हो रही भीषण गर्मी का हवाला देते हुए दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच किसी भी वाहन को खींचने या भार ढोने के लिए पशुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल ये फैसला जम्मू कश्मीर में बढ़ती भीषण गर्मी के चलते लिया गया है। पर स्मार्ट मीटर लगा कर 24 घंटों बिजली आपूर्ति करने का वायदा करने की मुहिम से प्रदेशवासियों को कोई राहत नहीं मिली है।

# पाकिस्तान की जेल में बंद दो भारतीयों से मिले उच्चायोग के अधिकारी

**इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने सोमवार को पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद दो भारतीय युवकों से मुलाकात की। इन युवकों को जासूसी के आरोप में चार साल पहले गिरफ्तार किया गया था। हाल ही में इन्हें उच्च सुरक्षा वाली रावलपिंडी की अडियाला जेल में शिफ्ट किया गया है। दोनों युवकों की पहचान 29 वर्षीय फिरोज अहमद लोन और 24 वर्षीय नूह अहमद वानी के रूप में हुई है।

पाकिस्तान में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार दोनों युवक जम्मू कश्मीर के बांदीहुराह इलाके के गोरेज इलाके के निवासी हैं। दोनों को साल 2020 में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित बाल्टिस्तान इलाके से गिरफ्तार किया गया था। दोनों को हाल ही में पीओके की गिलगित बालटिस्तान जेल से रावलपिंडी की अडियाला जेल में शिफ्ट किया गया है। भारत सरकार की अपील पर पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद भारतीय नागरिकों को काउंसलर एक्सेस दिया है। इसके बाद सोमवार को भारतीय उच्चायोग और भारतीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों की एक टीम ने जेल में बंद भारतीय नागरिकों से मुलाकात की।

पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग या पाकिस्तान विदेश कार्यालय की ओर से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। दोनों युवक साल 2018 में जम्मू कश्मीर से लापता हुए थे। माना जाता है कि दोनों युवक गलती से सीमा पार कर गए थे, लेकिन पाकिस्तान की पुलिस ने दोनों पर जासूसी के आरोप लगाते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया था।

# ऑर्गेनिक सब्जी के नाम पर ड्रग्स बेच रहे खालिस्तानी

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।**

खालिस्तानी आतंकी संगठन और उससे ताल्लुक रखने वाले समर्थकों के दुनिया भर में आर्थिक हालात बदहाल होने लगे हैं। स्थितियां कुछ इस तरह की हो गई हैं कि खालिस्तान के समर्थकों को पाकिस्तान की मदद से नशे की खेप को यूरोप से लेकर कनाडा में बेचना पड़ रहा है। नशे की आड़ में मिलने वाली रकम को खालिस्तानी आतंकी और समर्थक दुनिया की अलग-अलग जगहों पर नैरेटिव तैयार करने में इस्तेमाल कर रहे हैं। खास बात यह है कि नशे की यह डील खालिस्तानी आतंकी और समर्थक ऑर्गेनिक सब्जी के नाम पर कर रहे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगे एक अहम दस्तावेज से इस बात का खुलासा हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक कनाडा के सरे और एडमंटन समेत ऑस्ट्रेलिया के गुरुद्वारों के भीतर खालिस्तान समर्थन में मई के महीने में चार कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें भारत के भीतर खालिस्तान की मांग को बढ़ाने की साजिशें रची गई हैं।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, हाल में ही पंजाब से यूके में जाकर बसे तेजिंदर गिल (ताज गिल) नाम का युवक खालिस्तान का समर्थन कर रहा है। इस युवक ने खालिस्तान की मांग को आगे बढ़ाने के लिए यूके के एक हिस्से में नशे का कारोबार फैलाना शुरू किया है। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक ताज गिल अफीम और चरस समेत हेरोइन जैसे नशे को घर में उगाईं ऑर्गेनिक सब्जियों के नाम पर बेच रहा है। गिल का इस धंधे में साथ देने के लिए कई और खालिस्तानी समर्थक भी जुटे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, गिल के नेटवर्क को केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने तलाशना शुरू कर दिया है। जानकारी इस बात की भी मिली है कि इस पूरे नेक्सस में सिर्फ तेजिंदर गिल ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, यूके, कनाडा और अमेरिका में बसे सिख फॉर जस्टिस के अलावा कई और खालिस्तान समर्थकों का गैंग शामिल हैं।

वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि दरअसल दुनिया भर के अलग-अलग मुल्कों बसे सिखों ने खालिस्तानी आतंकियों और उनके समर्थकों का विरोध करना शुरू किया है। नतीजतन उनको अपने इस प्रोपेगेंडा को फैलाने के लिए वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए पाकिस्तान की आईएसआई और उनके कुछ संगठनों ने खालिस्तानी समर्थकों को दुनिया के अलग-अलग मुल्कों में ड्रग्स उपलब्ध करवानी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक यह ड्रग्स पाकिस्तान के माध्यम से खालिस्तान समर्थकों को पहुंचाई जा रही है। इससे मिलने वाली रकम को दुनिया के अलग-अलग देश में भारत के खिलाफ माहौल बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि हाल के दिनों में ही कनाडा के सरे और एडमंटन में आयोजित चार अहम बैठकें इसी नशे की रकम के चंदे से आयोजित की गई हैं। जबकि ऑस्ट्रेलिया के गुरुद्वारे में ऐसे ही खालिस्तान झंडों को पहुंचाया गया है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक यूके में अवैध नशे के कारोबार से भारत के खिलाफ खालिस्तान साजिश रचने की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि केंद्रीय खुफिया एजेंसी इस मामले में अभी और जांच पड़ताल कर रही हैं, जिसमें ताज गिल के पंजाब कनेक्शन से लेकर कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। इस पूरे मामले में कुछ स्थानीय लोगों ने यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन को सोशल मीडिया पर टैग करते हुए न सिर्फ शिकायत की है, बल्कि ऑर्गेनिक सब्जियों के नाम चल रहे रैकेट को भी एक्सपोज कर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है।

अमेरिका में बसे खालिस्तानी समर्थक कमल सिंह उर्फ सूरमा के पास से भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की गई थी। यह हेरोइन सूरमा को आईएसआई की ओर से उपलब्ध करवाई गई थी। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक सूरमा की तरह पाकिस्तान ऐसे ही कई और इंटरनेशनल हैंडलरों के माध्यम से नशे को आगे बढ़ा कर अपना एजेंडा सेट कर रहा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने सिख युवाओं खासतौर से खालिस्तानी समर्थकों को अपना निशाना बना कर नशे का सौदागर बना रहे हैं।

# मई के पहले पखवाड़े कश्मीर आए 10 लाख पर्यटक

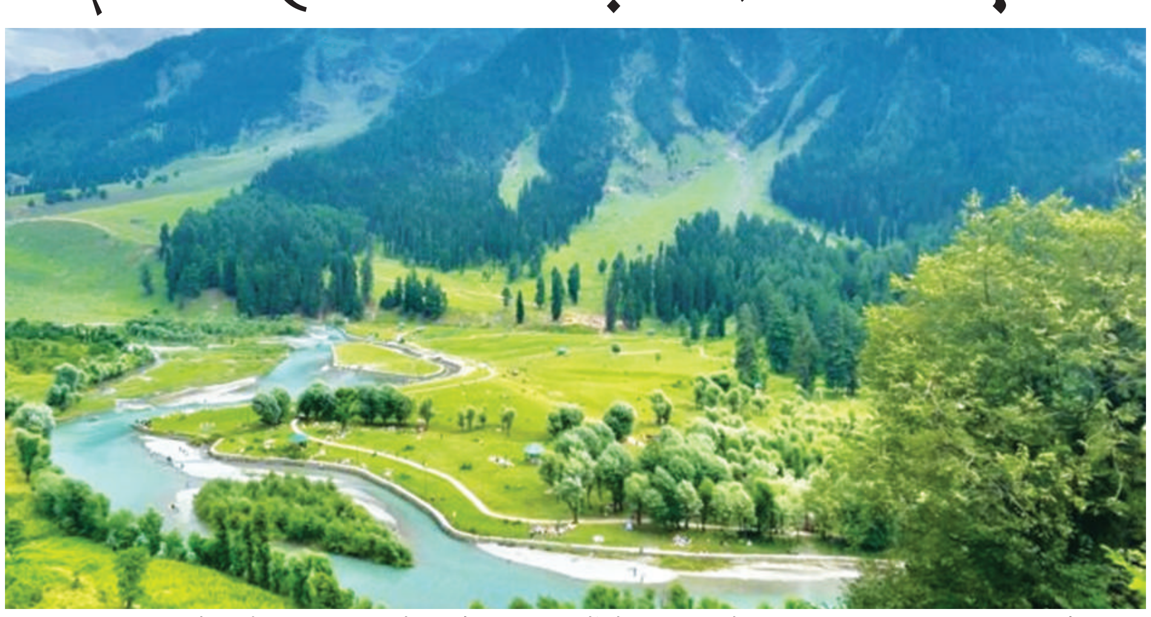

**जम्मू, 29 मई (ब्यूरो)।**

कश्मीर की इस बार बल्ले बल्ले हो रही है क्योंकि 15 मई तक इस साल अभी तक 10 लाख टूरिस्ट कश्मीर का दौरा कर नया रिकार्ड कायम कर चुके हैं और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि इस साल एक नया रिकार्ड कायम हो सकता है। इस उम्मीद को अगले कई महीनों के लिए चल रही फुल बुकिंग पंख लगा रही है।

यह पूरी तरह से सच है कि मध्य मई तक दस लाख से अधिक पर्यटक कश्मीर आ चुके हैं। ऐसे में जम्मू कश्मीर प्रशासन इस साल पर्यटकों की रिकार्ड तोड़ संख्या के लिए तैयार है। कश्मीर में इस साल पर्यटन में उछाल देखा जा रहा है और विदेशी पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद हो रही है। इस सीजन में होटल, हाउसबोट और होमस्टे पूरी तरह से भरे हुए हैं।

कश्मीर पर्यटन निदेशक राजा याकूब के शब्दों में, मई के मध्य तक हमें दस लाख से अधिक पर्यटक मिल चुके हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल विदेशी पर्यटकों की अच्छी आमद के साथ यह अच्छा सीजन है। पर्यटन निदेशक कहते थे कि सर्दियों, वसंत और गर्मियों में अब तक पर्यटकों की निरंतर आमद को देखते हुए उन्हें पिछले रिकॉर्ड को पार करने की उम्मीद है।

उनका कहना था कि इस साल पर्यटकों की भारी आमद का पिछले साल का रिकॉर्ड टूट जाएगा। हम इस साल रिकार्ड तोड़ने वाली संख्या के लिए तैयार हैं। याकूब कहते थे कि मुख्य पर्यटन स्थलों के अलावा दकसुम, दूधपथरी और अन्य आफबीट जगहों पर भी इस साल अच्छी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। याकूब के बकौल, अच्छी बात यह है कि हम देख रहे हैं कि पर्यटक कश्मीर में ऑफबीट डेस्टिनेशन की खोज कर रहे हैं। दकसुम से लेकर दूधपथरी, केरन और अन्य जगहों पर पर्यटक जाना पसंद करते हैं।

पर्यटन निदेशक के दावों का समर्थन ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ कश्मीर ने भी किया है, जिसका दावा है कि गर्मी के मौसम में कश्मीर, भारत और दुनिया भर के पर्यटकों की बुकिंग से भरा हुआ है। हम इस समय पर्यटकों की निरंतर आवाजाही देख रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह प्रवाह बाकी महीनों में भी जारी रहेगा और हम पिछले पर्यटन रिकॉर्ड को तोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

कश्मीर में इस समय गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु से बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं, जहां इस मौसम में तापमान असामान्य रूप से अधिक है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ कश्मीर के अनुसार, इस समय गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और चेन्नई से पर्यटकों की अधिक आवाजाही देखी जा रही है। कश्मीर को बंगलौर से भी अच्छी संख्या में पर्यटक मिल रहे हैं। जबकि होटल व्यवसायियों का कहना था कि वर्तमान में जून के दूसरे सप्ताह तक सभी होटल बुक हैं।

होटल व्यवसायी वहीद अहमद बजाज कहते हैं कि हमारे पास अभी 100 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी है। जून के दूसरे सप्ताह में महाराष्ट्र और गुजरात में गर्मी की छुट्टियां खत्म हो जाएंगी, इसलिए जून से हमें नई दिल्ली और पंजाब से पर्यटक मिलेंगे। हमें उम्मीद है कि पूरे साल पर्यटकों का आना जारी रहेगा।

और हाउसबोट मालिकों का कहना था कि देश भर में चल रही मौजूदा गर्मी की वजह से कश्मीर में पर्यटकों का आना बढ़ गया है। कश्मीर हाउसबोट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजूर अहमद पख्तून के बकौल, हाउसबोट में लोगों की संख्या संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि चूंकि भारत के बाकी हिस्सों में भी गर्मी की लहर चल रही है, इसलिए हमें अच्छी बुकिंग और लोगों की संख्या देखने को मिल रही है। हमें उम्मीद है कि बाकी महीनों में भी पर्यटकों का आना जारी रहेगा, खासकर अमरनाथ यात्रा के दौरान।

## सात माह बाद जेल से रिहा हुई आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा

**रामपुर, 29 मई (एजेंसियां)।**

अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद सपा नेता आजम खां की पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा की बुधवार को रिहाई हो गई। इसका परवाना दोपहर को जेल में पहुंच गया था। उनकी रिहाई के दौरान बड़ी संख्या में समर्थक जेल के बाहर मौजूद रहे।

18 अक्टूबर 2023 को सपा नेता आजम खान को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बेटे अब्दुल्ला के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में सात साल की सजा व पचास हजार रुपए जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी। इस मामले में डॉ. तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को भी सात-सात साल की सजा सुनाई गई थी।

डॉ. तंजीन फातिमा रामपुर जेल में बंद थी। इस समय आजम खान सीतापुर जेल और अब्दुल्ला आजम हरदोई जेल में बंद हैं। 24 मई को हाईकोर्ट से तीनों को राहत मिली थी। मंगलवार को उनकी रिहाई का परवाना जेल पहुंच गया था लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से वह रिहा नहीं हो पाई थीं। बुधवार को सही कागजात फिर से जेल भिजवाए गए। इसके बाद दोपहर बाद डॉ. तजीन की रिहाई हो गई। इस दौरान जेल के बाहर बड़ी संख्या में उनके समर्थन मौजूद रहे।

**दिल्ली दंगे के अभियुक्त शरजील को मिली जमानत**

# लेकिन जेल से नहीं मिलेगी मुक्ति

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।**

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कार्यकर्ता शरजील इमाम को दिल्ली के जामिया क्षेत्र और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए उनके खिलाफ दर्ज राजद्रोह और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) मामले में वैधानिक जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की खंडपीठ ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए आदेश पारित किया कि वह अपने खिलाफ लगाए गए अपराधों के लिए आधी सजा पहले ही काट चुका है। हालांकि, इमाम जेल में ही रहेगा क्योंकि वह 2020 के दिल्ली दंगों से संबंधित बड़ी साजिश के मामले में भी आरोपी है। भड़काऊ भाषण देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए शरजील इमाम को करीब चार साल बाद जमानत मिली है। फरवरी में दिल्ली की एक कोर्ट ने शरजील इमाम को वैधानिक जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद शरजील ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इमाम पर दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा दर्ज मामले में मामला दर्ज किया गया था, जिसे शुरू में देशद्रोह के अपराध के लिए दर्ज किया गया था और बाद में यूएपीए की धारा 13 लागू की गई थी। वह इस मामले में 28 जनवरी, 2020 से हिरासत में हैं।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह**

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है।

जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरूरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

## गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 30 मई 2024, गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 11:46 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 07:31 तक
योग : वैधृति रात्रि 08:52 तक
करण : बव प्रातः 11:46 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:46 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:42 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:35 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:36 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी, पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# गहलोत से बड़ा गद्दार कोई नहीं

## कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए पूर्व विधायक बैरवा का बड़ा हमला

**जयपुर,29 मई (एजेंसियां)।** कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का दामन थामने वाले नेताओं को लेकर अशोक गहलोत के बयान पर पूर्व विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने कहा- राजस्थान की राजनीति में अशोक गहलोत से बड़ा गद्दार कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर 2022 में गहलोत ने पूरी कांग्रेस को इस्तीफा दिलाकर ऐसे हालात पैदा कर दिए थे जिसको राजस्थान में कोई भूल नहीं पाएगा।

**गद्दार नहीं खुद्दार, स्वाभिमान बचाने के लिए कांग्रेस छोड़ी**

गौरतलब है कि पिछले दिनों अशोक गहलोत ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को गद्दार और नालायक बताया था। बैरवा ने कहा कि गहलोत अब जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, ये भाषा शोभा नहीं देती। ये शब्द हम भी कह सकते हैं कि गहलोत ने कब-कब क्या क्या कांड किए, कैसे पार्टी और हाईकमान को धोखा दिया। हम खुद्दार लोग हैं, हम स्वाभिमान से समझौता नहीं कर सकते थे। जब हमें लगा कि हमारा अपमान हो रहा है, स्वाभिमान खतरे में है, तब हमने पार्टी छोड़ी। जलील होने की भी एक सीमा होती है। गहलोत ने हर जनाधार वाले नेता को खत्म करने का प्रयास किया, कोई भी जनाधार वाला नेता गहलोत को अच्छा नहीं लगता, अब तक कितने नेताओं को गहलोत ने खत्म कर दिया।

**जोगाराम पटेल बोले- गहलोत के बुरे दिन आने वाले हैं**

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत ने अपने पुराने साथियों को नाकारा, निकम्मा, नोन परफॉर्मिंग एसेट बता दिया, जो कभी उनके एसेट हुआ करते थे। अपने पुराने साथियों को नाकारा, निकम्मा कहना अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि गहलोत के बुरे दिन आने वाले हैं। जोगाराम पटेल ने कहा- 4 जून के नतीजे आने के बाद अनेक लोग अशोक गहलोत को छोड़ देंगे और मुझे यह भी पता है कि अशोक गहलोत के भी कोई न कोई बुरे दिन आने वाले हैं।

## बिजली-पानी की मांग को लेकर दंडवत करते हुए सचिवालय पहुंचा कांग्रेस कार्यकर्ता

**दौसा,29 मई (एजेंसियां)।** राजस्थान के दौसा जिले में नौतपा की गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर रखा है। 47 डिग्री से अधिक के तापमान में लोग बिजली और पानी की समस्या से भी जूझ रहे हैं। आमजन की इन समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस के सदस्य हरिमोहन आजाद ने बुधवार को सोमनाथ चौराहे से जिला कलेक्ट्रेट तक कनक दंडवत किया और सरकार से पर्याप्त बिजली पानी देने की गुहार लगाई। दौसा में आग उगलती सड़कों और चिलचिलाती धूप के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता आजाद कनक दंडवत लगाकर बिजली पानी की गुहार लगाने के लिए कलेक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। लेकिन, रास्ते में कांग्रेस पुलिस ने उन्हें समझा- बुझाकर गाड़ी में बिठाया और फिर कलेक्ट्रेट ले गए। जहा हरिमोहन आजाद ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा पारीक को अपनी मांग को लेकर ज्ञापन दिया। हरिमोहन आजाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पांच दिन पहले अतिरिक्त जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर दौसा में बिजली पानी की समस्या से जूझ रहे आमजन को राहत देने की मांग की थी।

# गमछा पहनकर जयपुर की सड़कों पर उतरे सीएम भजनलाल

## पानी सप्लाई की व्यवस्था का लिया जायजा

**जयपुर,29 मई (एजेंसियां)।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज बुधवार को जयपुर में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पेयजल सप्लाई और पानी को लेकर हो रही समस्याओं का जायजा लिया। बीते कई दिने से पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव के चलते आम जनता को हो रही कठिनाइयों को देखते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने खुद सड़क पर उतरकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। रामनिवास बाग पर स्थित पंप हाउस में मुख्यमंत्री ने पानी सप्लाई की व्यवस्था देखी और वहां के अधिकारियों से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री शर्मा ने इस निरीक्षण से जनता को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया है कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और उन पर त्वरित कार्रवाई कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगाने और उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

# भेड़-बकरी चुराने वाले गिरोह का मुख्य सरगना गिरफ्तार

**बूंदी,29 मई (एजेंसियां)।** बूंदी जिले की कापरेन पुलिस ने भेड़ चोरी के मामले मे गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने आरोपी पर एक हजार रुपए का इनाम घोषित किया था, आरोपी दो साल से फरार था। इस मामले में पुलिस पहले ही 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी बड़े ही शातिर थे, लक्जरी कारों में घूमकर रैकी करते थे और मौका मिलते ही भेड़ बकरी चोरी कर फरार हो जाते थे। इस गैंग ने कापरेन थाना क्षेत्र में 30 से ज्यादा भेड़-बकरी चोरी की थी, जिसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलास कर रही थी।

कापरेन थानाधिकारी कमल सिंह ने बताया 22 अगस्त 2022 को किसान मुकेश गुर्जर निवासी डोलर गांव ने एक केस दर्ज कराया। अपनी शिकायत में उसने बताया कि उसके पास 120 भेड़ हैं, जिन्हें वह खेत के पास बने एक बाड़े में रखता है। 22 अगस्त की रात सभी भेड़ें बाड़े थी और वह मकान में सो रहा था। रात में अज्ञात चोर बाड़े से 30 भेड़ों को चुराकर ले गए। आसपास के लोगों से पूछताछ की पर कोई पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच

शुरू की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और लोगों से जानकारी करने पर पता चला कि पिछले एक-दो दिन से लगातार गांव में एक लग्जरी कार घूम रही थी। लग्जरी कार के बारे में जानकारी सामने आने के बाद पुलिस टीम ने मूखबिर तंत्र को मजबूत किया।

एसपी हनुमान प्रसाद मीणा के निर्देश में एक टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने केशोरायपाटन, तालेड़ा, बूंदी, कोटा, डाबी थाना क्षेत्रों में दबिश दी। जहां टीम को सफलता भी और टीम ने अज्ञात बदमाशों की पहचान के प्रयास कर भेड़ चोरी की गंभीर घटना का खुलासा किया। एसएचओ कमल सिंह ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी भज्जा उर्फ बजिया बंजारा और देवा पुत्र बीनिया बंजारा निवासी नाई का तालाब थाना डाबी फरार चल रहे थे। इसमें से पुलिस टीम ने भज्जा उर्फ बजिया बंजारा को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया की भेड़-बकरी चोरी की वारदात में शामिल भज्जा उर्फ बजिया बंजारा अपने साथियों अब्दुल बारी, कालू बंजारा, फारुक के साथ मिलकर सुनसान इलाके की रैकी करते हैं और सभी साथ मिलकर चोरी करने की योजना बनाते थे।

## गलत किडनी निकालने के मामले में सरकार का एक्शन

# रजिस्ट्रेशन रद्द कर सीज किया अस्पताल

**झुंझुनू,29 मई (एजेंसियां)।** झुंझुनू के हाउसिंग बोर्ड स्थित धनखड़ अस्पताल में किडनी का गलत ऑपरेशन करने के मामले में राज्य सरकार ने अस्पताल का क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट रजिस्ट्रेशन रद्द कर अस्पताल सीज कर दिया है। साथ ही विभिन्न राजकीय स्वास्थ्य योजनाओं से अस्पताल का नाम हटाने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना के बाद राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से अस्पताल का नाम हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

पूरे प्रकरण में 5 सदस्यीय जांच दल गठित कर सर्वोच्च न्यायालय की गाइड लाइन के अनुसार मामले की जांच करवाई जा रही है। इसके बाद पुलिस

अधीक्षक झुंझुनू की ओर से एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पीड़ित मरीज के भर्ती होने से लेकर डिस्चार्ज करने तक की जांच भी होगी।

**पहले भी निलंबित हो चुका है डॉ. धनखड़**

डॉ.संजय धनखड़ पहले राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल में कार्यरत था। वहां इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप में उसे निलंबित किया जा चुका है। इस तरह के मामले न्यायालय में विचाराधीन भी हैं। 2020 में उसे सीएचसी भालेरी लगाया गया लेकिन वहां उसने ज्वाइन नहीं किया और खुद का अस्पताल खोल लिया।

मामले में पांच सदस्यीय जांच कमेटी ने अस्पताल का रिकॉर्ड खंगालकर डॉ. संजय धनखड़ के बयान लिए। सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी व पांच सदस्यीय जांच दल जब अस्पताल पहुंचा, तब तक वहां एक भी मरीज नहीं था। अस्पताल परिसर के सभी पलंग खाली पड़े थे। कलेक्टर व सीएमएचओ का कहना था कि कई मरीजों को बीडीके अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया, जबकि कई मरीज स्वत: ही चले गए।

मामले को लेकर पत्रकारों ने जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल से कुछ सवाल किए, जिन पर कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल को सीज कर दिया गया है और मेडिकल नेग्लीजेंसी की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम गठित की गई है। उन्होंने कहा कि मरीज की मेडिकल कंडीशन के मामले में जांच रिपोर्ट आए बिना कोई कमेंट नहीं करूंगी, हमारी टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। घटना के किसी गिरोह से जुड़ने की आशंका के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी टीमें जांच कर रही हैं।

# पटवारी ने ली 1200 रुपये की रिश्वत

## एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने दबोचा

**दादरी,29 मई (एजेंसियां)।** दादरी में एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने दादरी जिले के समसपुर गांव के हलका पटवारी को रिश्वत लेते दबोचा है। पटवारी रोज कलसन ने समसपुर गांव स्थित 8 एकड़ जमीन का इंतकाल करने के बदले एक शख्स से 1200 रुपये की रिश्वत ली और उसे तत्काल टीम ने रंगेहाथ काबू कर लिया। आरोपी पटवारी के खिलाफ एसीबी हिसार थाने में केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को शिकायत प्राप्त हुई कि समसपुर का पटवारी रोज कलसन 8 एकड़ जमीन का इंतकाल करने के बदले 1200 रुपये की रिश्वत मांग रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए टीम ने पटवारी को पकड़ने के लिए योजना बनाई। योजना अनुसार उक्त शख्स को रुपये देकर पटवार के पास भेजा गया और 1200 रुपये लेते ही एसीबी टीम ने उसे दबोच लिया। बताया जा रहा है कि उक्त पटवारी एक बार निलंबित भी हो चुका है और वो मूलरूप से हिसार जिले का रहने वाला है।

# कैथल का सफाई घोटाला: एसीबी ने गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों को कोर्ट में किया पेश, दो दिन का मिला रिमांड

**कैथल,29 मई (एजेंसियां)।** कैथल जिला परिषद के माध्यम से गांवों में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई के लिए आई करोड़ों रुपये ग्रांट के घोटाले में गिरफ्तार आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया है। इसमें मामले में शामिल 15 आरोपियों ने आरोपी नौ ठेकेदारों की फर्मों में 10. 16 करोड़ में से नौ करोड़ 16 लाख रुपये की राशि जमा करवा आपस में ही बांट ली थी। इसमें अकेले आरोपी कैथल में एसडीओ रहे एक्सईन नवीन ने एक करोड़ रुपये राशि का गबन किया है। इस मामले में अब एसीबी इस राशि की रिकवरी भी करेगी।

वहीं, इस मामले में शामिल 15 आरोपियों में से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। परंतु अभी तक घोटाले का मास्टरमाइंड आरोपी डिप्टी सीईओ अभी तक एसीबी की गिरफ्त से बाहर है। मामले में 15 आरोपियों में से नौ ठेकेदार व छह अधिकारी शामिल हैं। इस घोटाले को अंजाम देने में आरोपी जिप का एक डिप्टी सीईओ, एक एसडीओ, तीन जेई और एक अकाउंटेंट और नौ ठेकेदार शामिल हैं। बुधवार को एसीबी ने गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने इन सातों आरोपियों को दो दिन का रिमांड एसीबी को दिया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो के प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि जिला परिषद में सफाई के नाम पर किया गए घोटाले के तहत सबसे अधिक राजौंद और कलायत में सबसे अधिक गबन किया गया है। इस क्षेत्र में कितना-कितना गबन आरोपियों की ओर से किया गया है। इसको लेकर अब जांच की जा रही है। हालांकि शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि यह आरोपी जब गांव में सफाई का कार्य करवाते थे तो एक ही मस्ट्रोल यानि लेबर से एक गांव में काम करवाते थे।

लेकिन उसी समय में इस मास्ट्रोल यानि लेबर को दूसरे गांवों में किए गए काम को दिखा देते थे। इसके बाद वे फर्जी बिल बनाते और राशि फर्म के खातों में डलवा लेते थे। अब इन आरोपियों की प्रॉपर्टी को लेकर भी जांच की जाएगी और अन्य खातों की भी जांच की जाएगी। आरोपियों ने जितनी भी राशि का गबन किया है। उस राशि की रिकवरी भी करने का प्रयास किया जाएगा।

इस मामले में अभी तक कैथल में पंचायती राज के एसडीओ रहे रोहतक के एक्सईएन नवीन, कैथल में पंचायती राज के जेई जसबीर सिंह, अकाउंटेंट कुलवंत के साथ पंचायती राज के ठेकेदार गांव फरियाबाद निवासी दिलबाग सिंह, गांव फतेहपुर निवासी अभय संधू, ठेकेदार राजेश व पूंडरी निवासी अनिल को गिरफ्तार किया जा चुका है।

# दो शुभ योग में मनाया जाएगा वट सावित्री व्रत प्राप्त होगा अखंड सौभाग्य का वरदान

हर वर्ष ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि पर वट सावित्री व्रत रखा जाता है। इस वर्ष 06 जून को वट सावित्री व्रत है। इस दिन विवाहित महिलाएं सुख और सौभाग्य में वृद्धि के लिए वट वृक्ष की पूजा-अर्चना करती हैं। साथ ही व्रत-उपवास भी रखती हैं। इस व्रत के पुण्य प्रताप से पति की आयु लंबी होती है। साथ ही नवविवाहित महिलाओं को पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। वट सावित्री व्रत की तिथि को लेकर विभिन्न मत हैं। उत्तर भारत में ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पर वट सावित्री व्रत रखा जाता है। वहीं, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कई प्रदेशों में ज्येष्ठ पूर्णिमा पर वट सावित्री व्रत रखा जाता है। अविवाहित लड़कियां भी ज्येष्ठ अमावस्या के दिन वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर सकती हैं। इस दिन वट वृक्ष की पूजा करने से शीघ्र विवाह के योग बनते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो वट सावित्री व्रत यानी ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पर दो मंगलकारी शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव एवं मां पार्वती की पूजा करने से विवाहित महिलाओं के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। आइए, शुभ योग के बारे में जानते हैं।

**शुभ मुहूर्त**

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 05 जून को संध्याकाल 07 बजकर 54 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 06 जून को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर समाप्त होगी। व्रती अपनी सुविधा अनुसार स्नान-ध्यान के बाद वट वृक्ष की पूजा कर सकती हैं।

**धृति योग**

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि पर धृति योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण देर रात 10 बजकर 09 मिनट तक है। ज्योतिष धृति योग को शुभ मानते हैं। शुभ कार्यों के लिए धृति योग बेहद श्रेष्ठ माना जाता है। इस योग में पूजा-उपासना करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

**शिववास योग**

वट सावित्री व्रत पर दुर्लभ शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन शिववास योग संध्याकाल 06 बजकर 07 मिनट तक है। इस समय तक भगवान शिव कैलाश पर जगत जननी मां पार्वती के साथ विराजमान रहेंगे। शिव पुराण में निहित है कि भगवान शिव के मां गौरी के साथ रहने के समय में महादेव का अभिषेक करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

**पंचांग**

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 17 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 39 मिनट से 03 बजकर 35 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 16 मिनट से 07 बजकर 36 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 से 12 बजकर 40 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त- 11 बजकर 52 मिनट से लेकर 12 बजकर 48 मिनट तक

## गुरु की दशा कमजोर हो तो गुरुवार को जरूर करें ये उपाय बनेंगे बिगड़े काम

हिंदू धर्म में गुरुवार का विशेष महत्व है। इस दिन को भगवान विष्णु का दिन माना जाता है। इस दिन श्री हरि की पूजा करने से धन और वैभव की प्राप्ति होती है। कुंडली में गुरु की दशा कमजोर होने पर करियर में बाधाएं आती है, साथ ही जातकों को दरिद्रता का सामना करना पड़ सकता है, ऐसे में गुरुवार को कुछ खास उपाय करके गुरु की स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।

✻ गुरुवार को सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद सूर्य को जल अर्पित करें और घर पर भगवान विष्णु का पूजन कर घी का दीपक जलाएं।

✻ भगवान विष्णु को पीले मिष्ठान अर्पित करें, साथ ही इस दिन पीले वस्त्रों का दान करने से भी कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत होती है।

✻ गुरुवार को जरूरतमंदों को पीले फलों का दान करना भी शुभ फलदायक माना गया है। इससे गुरु की कृपा प्राप्त होती है।

✻ गुरुवार को कुश के आसन पर बैठकर विष्णु चालीसा या विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और सफलता के मार्ग खुलते हैं।

✻ इस दिन केसर का प्रयोग करने से परिवार की स्थिति बेहतर होती है। केसर को खीर में मिलाकर इसे भगवान विष्णु को चढ़ाएं और बाद में इसे परिवारजनों के साथ बैठकर खाने से परिवार में सुख-शांति आती है।

✻ गुरुवार को अपने आध्यात्मिक गुरु अथवा मेंटर का आशीर्वाद जरूर लेना चाहिए।

## भगवान श्रीराम ने क्यों फोड़ी थी कौए की आंख? बाद में दिया था ये वरदान

तुलसीदास द्वारा रचित श्री रामचरितमानस और वाल्मीकि की रामायण में भगवान राम का पूर्ण वर्णन मिलता है। पितृ पक्ष में कौए को भोजन कराने की परम्परा का संबंध भी श्रीरामचरितमानस में वर्णित एक कथा से माना गया है। तो चलिए जानते हैं वह कथा।

श्रीरामचरितमानस में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार जब राम जी, माता सीता के बालों में फूल सजा रहे थे, तब यह दृश्य इंद्रदेव का बेटा जयंत देख रहा था। इसपर उसे शक हुआ कि क्या सच में यह भगवान विष्णु के ही अवतार हैं। तब उन्होंने परीक्षा लेने की मंशा से एक कौए का रूप धारण किया और माता सीता के पैर में चोंच मार दी।

जिस कारण माता सीता के पैर में घाव हो गया और यह देखकर भगवान राम अति क्रोधित हो उठे। तब उन्होंने एक तीर कौए के पीछे छोड़ दिया। यह देखकर जयंत अपने प्राण बचाने के लिए ब्रह्मलोक से लेकर शिवलोक तक भागे। लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने में असमर्थ था।

**इंद्र भी नहीं कर सके बचाव**

अंत में वह अपने पिता इन्द्र देव के पास गए, और उनसे सहायता की मांग की। इसपर इन्द्र देव ने कहा कि इस बाण से तुम्हारी रक्षा केवल भगवान राम ही कर सकते हैं। इसके बाद वह भागते हुए भगवान श्री राम के चरणों में जाकर गिर पड़े और क्षमा मांगने लगे।

तब प्रभु बोले कि इस बाण को वापस तो नहीं ले सकते हैं, लेकिन उससे कम आघात पहुंचा सकते हैं। उस बाण ने कौए यानी जयंत की एक आंख फोड़ दी। उसी दिन से यह माना जाता है कि कौआ केवल एक ही आंख से देख सकता है।

**मिला था ये वरदान**

इस घटना के बाद भगवान श्रीराम ने कौए को यह वरदान दिया कि तुम्हें भोजन कराने से पितृ प्रसन्न होंगे। माना जाता है कि इसी के बाद से पितृपक्ष में पितरों के साथ-साथ कौए के लिए भी भोजन निकाले जाने की परम्परा शुरू हुई।

## इस एक जगह पर आकर रुक जाता है भगवान जगन्नाथ का रथ, जानिए क्या है रहस्य ?

हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को ओडिशा के पुरी शहर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और छोटी बहन सुभद्रा के साथ अलग-अलग रथों में सवार होकर शहर भर में भ्रमण करते हैं। सबसे आगे बलराम का रथ, बीच में बहन सुभद्रा और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ का रथ चलता है।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में कहा जाता है कि रथ एक मजार के सामने आते ही रोक दिया जाता है, लेकिन ऐसा क्यों किया जाता है, आज हम आपको इस बारे में बताने जा रहे हैं। आइए, जानते हैं कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को मजार के सामने रोकने की पीछे का क्या रहस्य है।

**यह है इससे जुड़ी पौराणिक कथा**

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हर साल निकाली जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ का सालबेग नाम का एक मुस्लिम भक्त था। मुस्लिम होने के कारण उन्हें भगवान जगन्नाथ के मंदिर में प्रवेश करने और रथ यात्रा में भाग लेने की अनुमति नहीं थी। इच्छा के बावजूद भी वह मंदिर में प्रवेश और रथयात्रा में शामिल नहीं हो सके। ऐसे में उनकी मृत्यु हो गई।

उनकी मृत्यु के बाद जब जगन्नाथ रथ निकाला गया, तो रथ उनकी मजार के सामने रुक गया। लोगों ने बहुत कोशिश की, लेकिन रथ मजार के सामने से नहीं बढ़ा।

इसके बाद लोगों ने सालबेग की आत्मा की शांति के लिए भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना की। फिर रथ अपने आप चलने लगा। तभी से जब भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है, तो मजार स्थल के सामने रथ को कुछ देर के लिए रोका जाता है। यह परंपरा आज भी निभाई जाती है।

## नारियल सहित घर में रखें ये 5 वस्तुएं

### मां लक्ष्मी की मिलेगी विशेष कृपा, नहीं होगी पैसों की तंगी

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास कभी धन की समस्या ना हो और माता लक्ष्मी हमेशा उसके घर में वास करें। साथ ही उनकी कृपा सदैव भक्त पर बनी रहे क्योंकि माता लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है और जिस व्यक्ति पर उनकी कृपा होती है, वह व्यक्ति मानव जीवन के हर सुख भोगता है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपके परिवार पर कभी धन संकट ना आए और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद आप पर बना रहे तो इसके लिए आपको अपने घर में कुछ जरूरी चीजें रखनी होंगी। क्या हैं वे चीजें?

**श्रीफल (नारियल)**

अगर आप अपने घर पर सदैव मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं तो अपने घर में श्रीफल (नारियल) लाकर जरूर रखें। घर में नारियल का होना बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इसके घर में होने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बरसती है क्योंकि श्रीफल में त्रिदेव का वास माना जाता है।

**घर के मंदिर में रखें चांदी का सिक्का**

चांदी का सिक्का घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अपने घर के मंदिर में चांदी का सिक्का रखकर उसकी रोजाना पूजा करता है और इसके बाद ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नम: का जाप करता है तो उसके घर की तरफ लक्ष्मी आकर्षित होती है। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है।

**गोमती चक्र**

गोमती चक्र को घर में लाकर रखना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, यदि घर में 11 गोमती चक्र लाकर उन्हें पीले रंग के कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी को समर्पित करने के बाद उन्हें तिजोरी में रखते हैं तो इससे घर की बरकत बढ़ती है और घर में मां लक्ष्मी सदैव वास करती हैं।

**घर में बेहद जरूरी है एक यंत्र**

यदि आप घर में गोमती चक्र रख रहे हैं तो इसके साथ आपको श्रीयंत्र भी लाकर रखना चाहिए। माना जाता है कि श्री यंत्र में मां लक्ष्मी के अलावा अन्य 33 देवी-देवताओं के भी चित्र बने होते हैं। जिससे देवी लक्ष्मी के साथ सभी देवी-देवताओं की कृपा हमें प्राप्त होती है, इसलिए अपने घर पर श्रीयंत्र जरूर रखें।

**कछुआ**

सनातन धर्म में कछुए का बहुत अधिक महत्व माना गया है क्योंकि इसे आर्थिक समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। वहीं अगर आप अपने घर में धातु से बना कछुआ रखना चाहते हैं तो इससे आपको धन संबंधित लाभ प्राप्त होता है और व्यापार-नौकरी में भी बढ़ोत्तरी मिलती है।

## मीन राशि के जातक साढ़े साती से बचाव के लिए करें ये आसान उपाय

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, वर्तमान समय में न्याय के देवता शनिदेव कुंभ राशि में विराजमान हैं। इसके चलते मकर राशि, कुंभ राशि और मीन राशि पर साढ़े साती चल रही है। मकर राशि के जातकों पर साढ़े साती का अंतिम चरण चल रहा है। वहीं, कुंभ राशि के जातकों पर साढ़े साती का दूसरा चरण चल रहा है। जबकि, मीन राशि के जातकों पर साढ़े साती का पहला चरण चल रहा है। शनि देव 29 मार्च, 2025 को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन शनिदेव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे।

29 मार्च से मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू होगा। अत: मीन राशि के जातकों को आने वाले समय में विषम परिस्थिति से गुजरना पड़ सकता है। अगर आप भी मीन राशि के जातक हैं, तो साढ़े साती से बचाव के लिए ये उपाय जरूर करें। इन उपायों को करने से शनि की बाधा समाप्त हो जाएगी।

**उपाय**

✻ ज्योतिषियों की मानें तो हनुमान जी की पूजा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर अवश्य बरसती है। इसके लिए मीन राशि के जातक रोजाना स्नान-ध्यान के बाद हनुमान जी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय हनुमान चालीसा का पाठ करें। अगर पर्याप्त समय है, तो बजरंग बाण का भी पाठ करें। इसके अलावा, संध्याकाल में भी हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। इस उपाय को करने से शनि की बाधा समाप्त हो जाती है।

✻ मीन राशि के जातक साढ़े साती से बचाव हेतु मंगलवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से हनुमान जी की पूजा करें। पूजा समापन के बाद मंदिर जाकर हनुमान जी को मोतीचूर के लड्डू अर्पित करें। इस समय कम से कम 07 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। साथ ही हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें। इस उपाय को हर मंगलवार पर करें। ऐसा करने से हनुमान जी की कृपा साधक पर अवश्य बरसती है।

✻ मीन राशि के स्वामी बृहस्पति देव हैं और आराध्य जगत के पालनहार भगवान विष्णु हैं। अत: मीन राशि के जातक अपने आराध्य भगवान विष्णु की पूजा करें। पूजा के समय विष्णु चालीसा का पाठ अवश्य करें। इस चालीसा के पाठ से साधक को शनि की बाधा से अवश्य ही मुक्ति मिलती है।

✻ अगर आप साढ़े साती से निजात पाना चाहते हैं, हर गुरुवार और शनिवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद पीपल की जड़ में जल का अर्घ्य दें। साथ ही कम से कम 3 बार पीपल पेड़ की परिक्रमा करें। इस समय भगवान विष्णु से सुख, समृद्धि और धन वृद्धि की कामना करें।

✻ शनिवार के दिन दान करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसके लिए हर शनिवार के दिन आर्थिक स्थिति के अनुसार दान करें। इस दिन चमड़े के जूते-चप्पल, उड़द की दाल, खिचड़ी, काले तिल और छाते का दान करें।

## चाणक्य नीति में विद्यार्थियों के लिए बताए गए हैं ये टिप्स

### कोई नहीं रोक पाएगा आपकी सफलता

आचार्य चाणक्य सलाहकार, शिक्षक और दार्शनिक होने के साथ-साथ एक महान अर्थशास्त्री भी थे। ऐसे में उनके बताए गए रास्ते पर अगर कोई विद्यार्थी चलता है, तो वह अपने जीवन के लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकता है।

**जरूर रखें इन बातों का ध्यान**

आचार्य चाणक्य के अनुसार, विद्यार्थी जीवन बेहद ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यही वह समय है जो भविष्य की रूपरेखा तय करता है। ऐसे में चाणक्य का मानना था कि विद्यार्थियों को ऐसा परिश्रम करना चाहिए, जिस प्रकार से एक संत अपनी साधना में लीन रहता है।

इसके साथ ही एक विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन शैली का पालन करना चाहिए। इन सभी बातों का ध्यान रखकर ही एक विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। साथ ही एक विद्यार्थी को किसी भी कार्य को पूरा करने का एक समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए और उसी समय में प्रत्येक कार्य को कर लेना चाहिए।

**इस समय करें पढ़ाई**

हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त का एक विशेष महत्व माना गया है। ब्रह्म मुहूर्त मुख्य रूप से सुबह 04 बजे से सुबह 5:30 के बीच माना जाता है। ऐसे में विद्यार्थियों को भी रोजाना इसी मुहूर्त में जागना चाहिए और स्नान से निवृत होने के बाद अध्ययन में लग जाना चाहिए। क्योंकि ऐसा माना गया है कि प्रात:काल में याद की गई चीजें जल्दी याद होती हैं और ज्यादा समय तक याद रहती हैं।

**ये चीजें भी हैं जरूरी**

खाना व्यक्ति को ऊर्जा देने का कार्य करता है। ऐसे में चाणक्य जी का कहना है कि विद्यार्थी को अपने खानपान पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। विद्यार्थियों को रोजाना पौष्टिक और संतुलित आहार लेना चाहिए। चाणक्य नीति कहती है कि आलस किसी भी विद्यार्थियों का सबसे बड़ा शत्रु होता है। ऐसे में इससे बचकर रहने में ही भलाई है।

# पुकार-दिल से दिल तक में पहली बार निभा रही राजस्थानी किरदार : सायली सालुंखे

नए शो पुकार-दिल से दिल तक में एक्ट्रेस सायली सालुंखे वेदिका का किरदार निभा रही हैं। यह शो राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस शो को लेकर एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कभी भी राजस्थानी किरदार नहीं निभाया है। ऐसे में वह इस रोल के लिए और यहां की संस्कृति के बारे में जानने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।सायली शो में वेदिका नाम की लड़की की भूमिका निभा रही है, जो पेशे से वकील है और नौकरी की तलाश में है।सायली बातें कुछ अनकही सी में अपने काम के लिए जानी जाती हैं।एक्ट्रेस ने कहा, मैंने पहले कभी भी राजस्थानी किरदार नहीं निभाया है। मैंने पहाड़ी, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी और साउथ इंडियन रोल निभाए हैं। मेरे लिए यह एक अलग भूमिका है।उन्होंने साझा किया, मैं अपने करियर को लेकर भाग्यशाली रही हूं कि मुझे हमेशा हर एक शो में अलग-अलग किरदार मिले, मैंने कभी भी एक ही तरह के किरदार नहीं दोहराए। कुछ लोग लैंग्वेज को लेकर चिंता में रहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आज बच्चे कई तरह की लैंग्वेज बोलते हुए बड़े हो रहे हैं।सायली ने कहा, इस किरदार के लिए मुझ पर भाषा को लेकर कोई दबाव नहीं था।उन्होंने आगे कहा, शो में लीड एक्टर उसे अपनी कंपनी में नौकरी देता है, लेकिन इसके पीछे उसका एक खास एजेंडा होता है। मेरा किरदार, वेदिका उसके जॉब के ऑफर को स्वीकार कर लेती है, और जैसा कि अक्सर डेली सोप में होता है और असल जिंदगी में भी होता है, जहां नफरत होती है, वहां प्यार भी होता है।उन्होंने कहा, शुरुआत में, वेदिका और लीड एक्टर कुछ गलतफहमियों के चलते एक-दूसरे को नापसंद करते थे। मैं इस बारे में अब ज्यादा नहीं बताउंगी। यह एक मजेदार कहानी है जो सामने आने पर रोमांचक होगी। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कौन सी चीज उन्हें एक साथ लाती है और क्या चीज उन्हें एक साथ काम करने के लिए मजबूर करती है।शो में करण वी मेहरा भी गौतम की भूमिका में हैं।सायली सालुंखे और करण वी मेहरा के अलावा, शो में अभिषेक निगम, अनुष्का मर्चेंट, सुमुखी पेंडसे और सुखदा खांडेकर जैसे कलाकार भी होंगे।शो का निर्माण प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह ने अपने बैनर एलएसडी स्टूडियोज के तहत किया है। पुकार-दिल से दिल तक का प्रीमियर 27 मई से सोनी पर हो रहा है।

## एक्शन-थ्रिलर फिल्म महारागनी का जबरदस्त टीजर रिलीज

### पहली बार एक्शन करती नजर आएंगी काजोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल करियर में नये-नये चैंलेजेस को स्वीकार रही हैं। द ट्रायल, लस्ट स्टोरीज 2 के बाद जैसी शानदार सीरीज के बाद काजोल की अपकमिंग फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक्ट्रेस पहली बार पर्दे पर एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म का नाम महारागनी है जिसमें काजोल के अलावा प्रभु देवा भी अहम रोल में हैं। टीजर में ही काजोल अपने जबरदस्त एक्शन और मारपीट से आपके होश उड़ा देंगी। बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स महाराग्नि-क्वीन ऑफ क्वींस का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है। 27 साल बाद साथ आए काजोल-प्रभु देवा यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें काजोल और प्रभु देवा करीब 27 साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों राजीव मेनन की मिनसारा कनवु (1997) में साथ नजर आए थे। फिल्म के बाकी कलाकारों में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील भी शामिल हैं।चरण तेज उप्पलपति के डायरेक्शन में बनी महारागनी में का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना की लिखित इस कहानी में काजोल शानदार अवतार में हैं। वो रेड सूट पहने ताबड़तोड़ फाइट करती दिख रही हैं।

काजोल न सिर्फ गुंडों से लड़ रही हैं बल्कि वह देवी शक्ति के जरिए नारीशक्ति का संदेश भी देती हैं। टीजर के आखिरी में एक्ट्रेस का डायलॉग फुल टू देसी आपको बेहद पसंद आएगा। फिल्म का निर्माण बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स लेबल के तहत किया जा रहा है। महाराग्नि - क्वीन ऑफ क्वींस एक पैन इंडिया फिल्म है जिसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं की है।

## पुष्पा 2 के दूसरे गाने का टीजर पोस्टर हुआ आउट

### श्रीवल्ली के रूप में लौटे अल्लू-रश्मिका

अल्लू अर्जुन पिछले लंबे वक्त से अपनी फिल्म पुष्पा: द रूल को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म 2021 में आई पुष्पा: द राइज की दूसरी किस्त है। इस फिल्म में अल्लू की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है।सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म इस साल की मोस्ट अवेटेड अखिल भारतीय फिल्मों में से एक, पुष्पा 2: द रूल हाल ही में सोशल मीडिया पर काफी चर्चा पैदा कर रही है। फिल्म के निर्माताओं ने अपने दूसरे गाने सूसेकी (युगल गीत) का टीज़र पोस्टर जारी किया है।एक मनोरम टीज़र और सफल पहले सिंगल पुष्पा पुष्पा के बाद, फिल्म मेकर्स ने अब दूसरे सिंगल की रिलीज़ के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसका नाम सूसेकी (द कपल सॉन्ग) है। आज 29 मई सुबह 11:07 बजे गाना रिलीज होने से पहले, फिल्म के मेकर्स इसकी रिलीज के आसपास प्रत्याशा बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, जिससे हर कोई भारत की पसंदीदा जोड़ी, पुष्पा राज और श्रीवल्ली को देखने के लिए उत्सुक है।इस साल की मोस्ट अवेटेड रिलीज, पुष्पा 2: द रूल वहीं से शुरू होगी जहां फिल्म का पहला भाग, पुष्पा: द राइज खत्म हुआ था। रिपोर्टों के अनुसार एक्शन सीक्वल में पुष्पा और आईपीएस भंवर सिंह शेखावत के बीच दरार दिखाई जाएगी, जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, प्रकाश राज, जगपति बाबू, जगदीश प्रताप और कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## एक्ट्रेस कंगना शर्मा ने कराया बोल्ड फोटोशूट

### एक्ट्रेस के किलर पोज देख फैंस हुए मतवाले

फिल्म ग्रेट ग्रांड मस्ती और उल्लू ऐप की वेबसीरीज मोनिका में लीड रोल निभा चुकीं एक्ट्रेस कंगना शर्मा अपने बोल्ड व सेक्सी अवतार के लिए जानी जाती हैं। कंगना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में कंगना शर्मा ने बोल्ड फोटोशूट कराया है, जिसके वीडियो उन्होंन अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। कंगना ने ब्लैक नेटेड मोनोकिनी पहनी है लाइट मेकअप के साथ बाल खुले रखे हैं और एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं। बॉलीवुड डिवा कंगना शर्मा का अपने फिटनेस के पीछे छिपे राज को लेकर कहती हैं कि वह अच्छी और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं।बता दें कि कंगना शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में एक मॉडल के रूप में की थी। कंगना शर्मा हार्डी संधू का यार नी मइला, पूजा सिंह के परदें मैं फिर से, नछत्तर गिल का जान लेन तक, जॉनी सेठ का ब्यूटी ओवरलोड और इक्का के निंद्रा जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं।यूजर्स का एक्ट्रेस की बोल्डनेस देख पसीना छूटना लाजमी है और वे मतवाले हो गए हैं।

संपादकीय

# दो त्रासद हत्याकांड

**गुजरात** के राजकोट और राजधानी दिल्ली की दो खौफनाक त्रासदियों के पीछे लापरवाही, कानूनहीनता और पैसे के लालच की कई अनकही कहानियां हैं। राजकोट के गेम जोन, मनोरंजन केंद्र की आगजनी में 9 मासूम बच्चों और 28 वयस्कों की मौत हो गई। मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढक़र हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू कराने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था। लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे। न निकास की समुचित व्यवस्था, न आग बुझाने के उपकरण और कर्मचारी, बल्कि डीजल के भरे ड्रम और टायरों के ढेर वहां पड़े थे। पूरा ज्वलनशील माहौल...! राजकोट के उस परिसर में करीब 2000 लीटर पेट्रोल का भंडारण था। वह मनोरंजन स्थल था अथवा पेट्रोलियम की कोई दुकान...! कमाल तो यह है कि गुजरात के शहरी विकास संबंधी कायदे-कानून ऐसी टिन संरचनाओं में ही 'गेम जोन' चलाने की अनुमति देते हैं। देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के राज्य गुजरात में ऐसी घटिया और खतरनाक व्यवस्थाएं हैं, जो उनके विकास-दावों का मुंह चिढ़ाती हैं। गुजरात के 2017 के शहरी विकास कानून में मनोरंजन सुविधाओं के लिए निर्माण और सुरक्षा की 'शून्य' गाइडलाइन हैं। निजी कारोबारियों ने इन स्थितियों को भुनाया है और अस्थायी संरचनाएं खड़ी कर मनोरंजन के धंधे चला रहे हैं। ऐसे न जाने कितने 'लाक्षागृह' गुजरात में होंगे? दिल्ली का खौफनाक, दर्दनाक, मासूम चीख-पुकार वाला हत्याकांड भी सामने आया है। आंकड़े गवाह हैं कि राजधानी में आग से मरने वालों की संख्या 2021-22 में 591 थी, जो बढक़र 2022-23 में 1029 हो गई है। यानी बढ़ोतरी दोगुनी हुई है। हर रोज आगजनी से संबंधित औसतन 78 कॉल आती हैं। एक दिन के बाद आग की घटनाओं में औसतन 2 मौत होती हैं। कुछ सर्वेक्षणों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि देश भर के 10 में से 8 लोगों के घरों और दफ्तरों में आग से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। करीब 18 फीसदी लोग ही सुरक्षित घरों में रह रहे हैं। करीब 19 फीसदी को पता ही नहीं है कि आग बुझाने का सिस्टम काम करता है अथवा नहीं। करीब 27 फीसदी लोगों ने कबूल किया है कि उन्होंने सुरक्षा मानदंडों का कभी पालन ही नहीं किया। सिर्फ आगजनी ही नहीं, किसी और वजह से भी ऐसे कांड हुए हैं कि जिनमें लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई। गुजरात में ही मोरबी पुल टूटा और 135 मासूम लोग मारे गए। कोल्लम मंदिर में आगजनी से ही 109 मौतें हो गईं। 2018 में वाराणसी फ्लाईओवर ध्वस्त हुआ, जिसमें 18 लोग मरे और राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके की वह आगजनी आज भी आंखों के सामने कौंध जाती है, जिसमें जलकर 27 लोग मारे गए थे। सभी मामलों में प्रशासनिक लापरवाही ही सामने आई।

> मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढक़र हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू कराने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था। लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे।

### वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है

# राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

ललित गर्ग

> वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

**अठारहवीं** लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा-आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते-बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है- समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन-केन-प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़-चढ़ कर देखी है। नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है। यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं। लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा- ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ-साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ-साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो। लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए। लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों-विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊर्जावान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी।

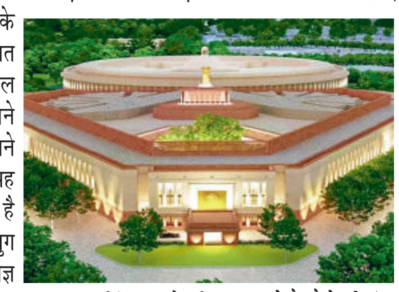

दृष्टि कोण

# चुनाव की पवित्रता और जहरीली वाणी

**लोकतंत्र** तथा चुनाव में बहुत गहरा सम्बन्ध है। लोकतांत्रिक प्रणाली में चुनाव पंचवर्षीय पर्व है। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को निष्पक्ष एवं निर्भय होकर अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार देता है। इसी चुनाव से लोकतन्त्र मजबूत होता है। यही संविधान अपने नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान करता है। यदि किसी नागरिक के अधिकारों का हनन हो रहा हो तो उसे सीमाओं में रहते हुए मर्यादित भाषा, वाणी एवं आचरण से अपने विचार रखने की स्वतन्त्रता है। ऐसा माना जाता है कि राजनीति में साम, दाम, दण्ड, भेद सब कुछ चलता है, लेकिन नागरिकता तथा न्याय की परिधि में ही सब कुछ शोभित होता है। जनता का प्रतिनिधित्व तथा देश को नेतृत्व प्रदान करने वाले नेताओं से आशा की जा सकती है कि उनका आचरण तथा व्यवहार अच्छा हो। उनका चरित्र अनुकरणीय एवं उदाहरणीय हो। वे कर्मठ, ईमानदार, चरित्रवान एवं सत्यनिष्ठ हों। उनकी भाषा सभ्य तथा वाणी मधुर हो। किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना किसी भी व्यक्ति के लिए कोई अन्तिम उद्देश्य नहीं हो सकता। राजनीति साध्य है, साधन नहीं है। किसी भी राजनेता के लिए राजनीति अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने का साधन नहीं है, बल्कि यह गरीबों, दीन-दुखियों, पीड़ितों, वंचितों, शोषितों, उपेक्षितों तथा हाशिए पर रह रहे लोगों की सेवा का माध्यम है। विचार किया जाए तो भारतीय लोकतंत्र में मतदाता का स्थान सर्वोच्च है।

क्योंकि वह मत देने वाला 'दाता' है, जबकि नेता तो उसके वोट की उम्मीद कर जीतने की आशा रखता है। यहां पर मतदाता तथा उम्मीदवार को भी अपना स्थान पता होना चाहिए। नम्र और विनम्र होकर वोट मांगा जाता है, न कि दम्भ और घमंड में रौब दिखाने से समर्थन मिल सकता है। नेता को अनुकरणीय एवं उदाहरणीय होना चाहिए। जहां मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार से नम्र, विनम्र, सभ्य, सुशील, शिक्षित तथा व्यवहार कुशल होने की आशा रखता है, वहीं पर चुनावी मौसम में नेता कुछ भी बोलने तथा करने से परहेज नहीं करते। प्रतिद्वंद्वी लोग विपक्षी नेता की मानहानि, चरित्रहनन तथा उसके परिवार एवं पूर्वजों तक के चरित्र की भी चीरफाड़ कर देते हैं जो कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मशहूर शायर बशीर बद्र का एक शे'र ऐसे मौके पर बहुत सटीक और शिक्षाप्रद है- 'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी दोस्त बन जाएं तो शर्मिन्दा न हों।' यह भी सही है कि विभिन्न दलों के प्रत्याशी भी प्रतिष्ठित परिवारों से सम्बन्ध रखते हैं। पार्टियों द्वारा उम्मीदवारी के लिए चयन उनकी छवि एवं योग्यता के आधार पर ही होता है। सभी उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने भाषणों में मुद्दों तथा देश के विकास की बात करें, न कि अपनी वाणी से एक दूसरे पर व्यक्तिगत छींटाकशी करके आग के गोले दागें। यह देश के भविष्य, सभ्य समाज तथा आपसी सौहार्द, भाईचारे तथा सामाजिक सम्बन्धों की दृष्टि से अच्छा नहीं है। चुनावी मौसम में नेताओं की वाणी परस्पर आग के गोले बरसाती रहती है और जनता राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों का आनन्द लेती रहती है। चुनावों के दौरान नेता किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने के लिए किसी भी घटिया तथा निम्न स्तर पर चले जाते हैं तथा भाषा, वाणी, मर्यादा, व्यवहार तथा आचरण सब कुछ भूल जाते हैं। यह भी विडम्बना है कि चुनाव जीतने के बाद यही लोग जीत के परिणाम से शुद्ध होकर जनता के लिए फिर से माननीय तथा सम्माननीय हो जाते हैं तथा आवश्यकता पडने पर राजनीतिक दूरियां मिटाकर एक दूसरे से हाथ मिला लेते हैं। जनता फिर से बिना किसी शर्त इन्हें पूर्व रूप में स्वीकार कर लेती है। धन्य है भारतीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था। प्रतिष्ठित नेताओं के लिए अपनी सुविधानुसार पार्टी बदलना एक आम बात हो गई है। कोई भी पार्टी एक विचारधारा होती है, उसके कुछ सिद्धांत होते हैं। पार्टी के कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी निश्चित सिद्धान्तों का पालन करते हैं। अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की आड़ में जनता के हित तथा अपने चुनाव क्षेत्र एवं लोगों की उपेक्षा का बहाना लेकर अपनी मां रूपी पार्टी बदल लेते हैं। समझ नहीं आता कि वर्षों तक पार्टी विशेष में आस्था रखने, सेवा करने, पदाधिकारी रहने तथा सत्ता सुख भोगने के बाद एकदम से निष्ठुर होकर नेता ऐसा फैसला लेते हैं और नेताओं के समर्थक अवाक होकर मुंह ताकते रह जाते हैं। यह कैसा नैतिक आचरण है? यह कैसा चरित्र है? यह सही है कि सभी अपने आचार, व्यवहार, संस्कार तथा आचरण के लिए स्वतन्त्र हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में एक आम मतदाता तथा निष्ठावान कार्यकर्ता तो ठगे का ठगा ही रह जाता है। चुनाव एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हम संवैधानिक मूल्यों, नियमों, सिद्धान्तों तथा प्रक्रियाओं में आस्था रखते हुए पांच वर्षों के उपरान्त चुनावी यज्ञ में प्राप्त अमृत से देश की सेवा करने के लिए राजा नहीं, बल्कि सेवक चुनते हैं। चुनाव कोई धींगामुश्ती का खेल नहीं है। यह समाज में कोई नफरत फैलाने का माध्यम नहीं है। जनता नेताओं की भाषा, वाणी, चरित्र तथा आचरण को बहुत बारीकी से जांचती है। सामान्यतः सामाजिक तथा लोकाचार की व्यावहारिक दृष्टि से वाणी और भाषा ऐसी हो जिससे शीतलता मिले, व्यवहार ऐसा हो जिससे विनम्रता परिलक्षित हो तथा आचरण ऐसा हो जो सबके लिए उदाहरणीय हो।

कुछ अलग

# गॉड कॉम्पलेक्स...

**जैसे-जैसे** व्यक्ति संसार की अधम गहराइयों में नीचे उतरता जाता है, उसके हृदय में बैठा हिरण्यकश्यप किसी बंदर की भांति उछल-कूद मचाता हुआ और गहरे रसातल में उतरने के लिए लालायित हो उठता है। अंग्रेजी में इसे गॉड कॉम्पलेक्स कहते हैं। पर मुझे लगता है कि हिंदी में इसका सही अनुवाद हिरण्यकश्यप मनोविकार हो सकता है। इस विकार से पीड़ित व्यक्ति को महसूस होने लगता है कि उसे संसार में विशेष प्रयोजन से भेजा गया है। चाहे वह स्वयं लॉजिकल हो या न हो, पर उसे लगता है कि वह अपनी मां के गर्भ से या बायोलॉजिकली पैदा नहीं हुआ है, बल्कि अवतरित हुआ है। उसमें अपार व्यक्तिगत क्षमता से सम्पन्न अवतारी पुरुष होने की भावना उत्तरोत्तर बलवती होती जाती है। उसे लगता है कि उसे तमाम तरह के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। वह हर कार्य करने में निष्णात है। इसे सिद्ध करने के लिए वह न केवल अगड़म-बगड़म बोलने लगता है, बल्कि हाथ में सत्ता या ताकत होने पर उसका जम कर दुरुपयोग भी करता है। ऐसा व्यक्ति अपने विचारों में बेहद हठधर्मी हो जाता है। वह अपनी निजी राय या विचारों को इस तरह प्रकट करता है मानो वे निर्विवाद रूप से सही हों। कभी वह अपने आपको ईश्वर बताने लगता है तो कभी अपनी नस्ल को दुनिया की सर्वोत्तम नस्ल बताते हुए लाखों लोगों को मौत के घाट उतार देता है। कभी अपनी संस्कृति को दुनिया की सर्वोत्कृष्ट संस्कृति बताते हुए लोगों में राष्ट्रोन्माद पैदा करता है। कभी वह नाले की गैस से चाय बनाता है, तो कभी कहने लगता है कि उसने हिमालय पर जो तपस्या की थी, उसी के परिणामस्वरूप आज दुनिया में उसका डंका बज रहा है। इतना ही नहीं, वह किसी वैश्विक सम्मेलन में कांधे पर गांडीव बांधे, हाथ में धनुष लेकर घोषणा कर सकता है कि त्रेता युग में अयोध्या के जिस राजकुमार राम ने वनवास झेला था, वह घोर कलियुग में उसी राम के अवतार में संसार का उद्धार करने के लिए धरा पर उतरा है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की अपार सफलताओं के बावजूद फिलवक्त यह मनोविकार लाइलाज है। इसका एक कारण, इस रोग से पीड़ित व्यक्तियों पर शोध की कोई संभावना न होना भी सकता है। अब पुतिन या किम जोंग से कौन कहेगा कि प्रभु आपके खोपड़े में जो भयंकर केमिकल लोचा है, उसका न केवल इलाज करना आवश्यक है, बल्कि इलाज ढूंढने से पहले उस पर शोध करना भी जरूरी है। इसलिए इसे अब तक मानसिक विकारों के निदान मैनुअल में शामिल नहीं किया जा सका है। इस विकार का वैज्ञानिक नाम नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर (एनपीडी) है। यह उन्माद या श्रेष्ठता की भावना से जुड़ा भी हो सकता है। राजनीति के अलावा धर्म के क्षेत्र में यह मनोविकार सिर चढ़ कर बोलता है। भगवान रजनीश, कृपालु महराज, बाबा रामदेव, राम रहीम, आसाराम, बागेश्वर महाराज जैसे कई नाम चिंतन के लिए उपलब्ध हैं। कला, साहित्य, खेल-कूद जैसे अन्य क्षेत्र भी इस मनोविकार से अछूते नहीं। व्यक्ति के ऊंचा उठने की अधिकतम सीमा निर्धारित है, लेकिन हिरण्यकश्यप मनोविकार से पीड़ित व्यक्ति के गिरने की कोई सीमा नहीं। ऊंचा उठने पर व्यक्ति को अधिकतम बुद्ध की संज्ञा दी जा सकती है। उसे महा या परम बुद्ध की उपाधियों से विभूषित नहीं किया जा सकता। यहां तक कि भौतिक दुनिया में भी सफलताएं अर्जित करने की अधिकतम सीमा निर्धारित है। शिखर पर बने रहने के लिए उसे और कठिन परिश्रम करना पड़ता है। इसके बावजूद समय के साथ उसे तल पर आना ही पड़ता है। पर जो मजा नीचे गिरने में है, वह छज्जू के चौबारे पर भी नहीं मिलता।

देश दुनिया से

# भारत में हिंदू-मुस्लिम आबादी का सच

> भाजपा के मुख्य प्रचारक स्वयं प्रधानमंत्री मोदी हैं जिनका पूरा नैरेटिव इस झूठ के आसपास बुना गया है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह सारी सुविधाएं और लाभ केवल मुसलमानों को देगा। हर चीज पर मुसलमानों का पहला हक होगा और संविधान में इस तरह के बदलाव किए जाएंगे जिससे हिंदू इस देश के दूसरे दर्जे के नागरिक बन जाएंगे। हिंदुओं में यह डर पैदा किया जा रहा है कि देश में मुसलमान सारे विशेषाधिकार हासिल कर लेंगे। हाल में प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद ने इसी प्रचार अभियान के अंतर्गत एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में करीब 8 प्रतिशत की कमी आई, वहीं मुसलमानों की आबादी में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

**चुनावी** मौसम जैसे-जैसे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे समाज को बांटने वाला प्रचार भी अपने चरम पर पहुंच रहा है। भाजपा के मुख्य प्रचारक स्वयं प्रधानमंत्री मोदी हैं जिनका पूरा नैरेटिव इस झूठ के आसपास बुना गया है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह सारी सुविधाएं और लाभ केवल मुसलमानों को देगा। हर चीज पर मुसलमानों का पहला हक होगा और संविधान में इस तरह के बदलाव किए जाएंगे जिससे हिंदू इस देश के दूसरे दर्जे के नागरिक बन जाएंगे। हिंदुओं में यह डर पैदा किया जा रहा है कि देश में मुसलमान सारे विशेषाधिकार हासिल कर लेंगे। हाल में प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद ने इसी प्रचार अभियान के अंतर्गत एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में करीब 8 प्रतिशत की कमी आई, वहीं मुसलमानों की आबादी में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 1950 में हिंदू कुल आबादी का 84 प्रतिशत थे, जो 2015 में घटकर 78 प्रतिशत रह गए। इसी अवधि में, मुसलमानों, ईसाइयों, बौद्धों और सिक्खों की आबादी में बढ़ोत्तरी हुई, जबकि जैनियों और पारसियों का प्रतिशत घटा। प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद क्या है? इसका गठन 2017 में हुआ था और इसका काम है आर्थिक मसलों पर शोध कर प्रधानमंत्री को सलाह देना। इसके शोध का एक नमूना कुछ साल पहले सामने आया था जब उसके मुखिया बिबेक डेबरॉय ने परिषद के एक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया था कि लिखित संविधानों की औसत उम्र केवल 17 साल होती है। उन्होंने भारत के वर्तमान संविधान को औपनिवेशिक विरासत बताते हुए कहा था कि भारत का वर्तमान संविधान मुख्यतः गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है और इस अर्थ में वह भी एक औपनिवेशिक विरासत है। आम चुनाव के दौरान मुसलमानों के खिलाफ दुष्प्रचार को बढ़ावा देने वाला यह विचित्र अध्ययन जारी किया गया है। जिन तीन शोधकर्ताओं ने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, उन्होंने आंकड़ों के विश्लेषण के सभी मानकों का उल्लंघन किया है। पहली बात तो यह कि जनसांख्यिकीय अध्ययन जनगणना पर आधारित होते हैं, मगर यह अध्ययन एक संस्था एसोसिएशन ऑफ रिलीजियस डाटा आर्काइव (एआरडीए) द्वारा 23 लाख लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है। तेईस लाख हमारी कुल आबादी का बहुत छोटा सा हिस्सा है। जनगणना के आंकड़े अधिक विश्वसनीय और समग्र होते हैं और आबादी में वृद्धि के विभिन्न पहलुओं को सामने लाते हैं। यह तो सत्ताधारी दल को ही पता है कि वर्ष 2021 की दस साला जनगणना क्यों नहीं की गई। इन शोधकर्ताओं ने एक अनजान संस्था के सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग किया है, कहीं अधिक विश्वसनीय जनगणना के आंकड़ों का नहीं। यह अध्ययन 1950 के आंकड़ों की तुलना 2015 के आंकड़ों से करता है, जो अपने आप में मनमाना है। मीडिया और सांप्रदायिक संगठन इस अध्ययन का इस्तेमाल समाज को बांटने वाले प्रचार को और मजबूती देने के लिए कर रहे हैं। यह अध्ययन इस अफवाह को बढ़ावा देता है कि मुसलमान ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। इस दुष्प्रचार को हवा देने में हमारे प्रधानमन्त्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने दंगा पीड़ित मुसलमानों के शरणार्थी शिविरों को बच्चे पैदा करने वाले कारखाने बताया था। उन्होंने इन शिविरों को बंद कर दिया था। अब वे कह रहे हैं कि कांग्रेस हिन्दुओं से मंगलसूत्र और भैंसें छीनकर उन लोगों को दे देगी जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। सच क्या है? कौनसा समुदाय कितने बच्चे पैदा करता है, इसे मापने का सबसे अच्छा तरीका है 'टोटल फर्टिलिटी रेट' (टीएफआर), जिसे हिंदी में कुल प्रजनन दर कहते हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग सभी समुदायों में टीएफआर घट रही है। वर्ष 1992-93 में यह हिन्दुओं के मामले में 3.3 और मुसलमानों के मामले में 4.41 थी। 2019-2021 में यह हिन्दुओं के मामले में 1.94 और मुसलमानों के मामले में 2.36 हुई। इस प्रकार इस अवधि में हिन्दुओं की टीएफआर में 41.22 प्रतिशत की कमी आई और मुसलमानों की टीएफआर में 46.49 प्रतिशत की। साफ तौर पर हिन्दुओं की तुलना में मुसलमानों की टीएफआर में अधिक गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि अगर मुसलमानों की टीएफआर में गिरावट जारी रही तो वह जल्दी ही हिन्दुओं की टीएफआर के करीब हो जाएगी। एक मुद्दा यह भी है कि क्या प्रजनन दर का संबंध धर्म से है या अन्य कारक उसे प्रभावित करते हैं? सांप्रदायिक राष्ट्रवादी दिन-रात यह कहते रहते हैं कि मुसलमान जानबूझकर अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं, ताकि वे भारत में बहुसंख्यक बन जाएं और देश को गजवा-ए-हिंद घोषित कर सकें। यह एक बहुत बड़ा झूठ है कि हिन्दू देश में अल्पसंख्यक बन जाएंगे। पहली बात तो यह है कि किसी परिवार में कितने बच्चे होंगे, यह मुख्यतः दो कारकों से निर्धारित होता है। पहला, परिवार की गरीबी का स्तर और दूसरा, संबंधित समुदाय, विशेषकर उसकी महिलाओं की शिक्षा का स्तर। अगर हम केरल, कश्मीर और कर्नाटक में मुस्लिम महिलाओं के टीएफआर की तुलना बिहार, राजस्थान और मध्यप्रदेश की हिन्दू महिलाओं के टीएफआर से करें तो साफ हो जाएगा कि हिन्दुओं का टीएफआर मुसलमानों से अधिक है। शाश्वता घोष द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार जनगणना 2011 एवं जनगणना 2001 में हिंदुओं और मुसलमानों के राज्य स्तर पर टीएफआर में अंतर से यह स्पष्ट हो जाता है कि हिन्दुओं और मुसलमानों की प्रजनन दरें एक-दूसरे के नजदीक आ रही हैं। हां, इसमें क्षेत्रीय विभिन्नताएं हैं, क्योंकि विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के धार्मिक समुदाय सोच में बदलाव के अलग-अलग स्तरों पर हैं। पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की पुस्तक 'द पापुलेशन मिथ : इस्लाम, फैमिली प्लानिंग एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' भी इस मसले पर प्रकाश डालती है। इसके अनुसार भारत के 29 में से 24 राज्यों में टीएफआर 2.179 के नजदीक आ रही है। अगर यह 2.1 पर आ जाए तो आबादी स्थिर हो जाएगी। इन विश्वसनीय अध्ययनों के बाद भी, सांप्रदायिक तत्व वही राग अलाप रहे हैं। मुसलमानों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से मिला था। इसमें एसवाई कुरैशी भी शामिल थे। मुलाकात के दौरान कुरैशी ने अपनी उस किताब की एक प्रति भागवत को भेंट की, जो संघ परिवार द्वारा किए जा रहे प्रचार की पोल खोलती है, मगर इसके बावजूद कुछ सप्ताह बाद, भागवत ने एक बयान जारी कर विभिन्न समुदायों की आबादी में संतुलन कायम करने की जरूरत पर जोर दिया।

आप का नजरिया

# टी-20 क्रिकेट में बदलाव की दरकार, भारत से हो शुरुआत

**एक** बेहद नीरस और उबाऊ फाइनल मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 16वां संस्करण समाप्त हो गया। बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या आईपीएल के मौजूदा फॉर्मेट को जारी रखा जाना चाहिए? क्योंकि क्रिकेट प्रेमियों की रुचि 20-20 ओवर के फॉर्मेट से कम होती जा रही है। मौजूदा आईपीएल टूर्नामेंट दो महीने से अधिक समय तक चला तो यह अपनी ओर बहुत अधिक लोगों को आकर्षित नहीं कर पाया। विगत चार से अधिक शताब्दियों से क्रिकेट ने कई बड़े बदलाव देखे हैं। टी-20 फॉर्मेट में बदलाव की शुरुआत अब भारत की भूमि से की जा सकती है। टी-20 क्रिकेट को करीब 21 साल हो चुके हैं। इसकी शुरुआत भी क्रिकेट की जन्मभूमि इंग्लैंड से हुई है। वहां 13 जून 2003 को पहला टी-20 मैच खेला गया था, जिसे भरपूर दर्शक मिले थे। धीरे-धीरे यह पूरे क्रिकेट जगत में फैल गया और वर्ष 2007 में टी-20 का वर्ल्ड कप खेल लिया गया, जो भारत ने जीता। अगले ही साल 2008 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल की शुरुआत कर दी। हालांकि, अब टी-10 क्रिकेट भी कई क्लब खेल रहे हैं। आईपीएल को भी अपने 18वें संस्करण को और रोमांचकारी बनाने की जरूरत है। बीसीसीआई टी-20 को टी-12 में बदलकर नई राह दिखा सकता है। इस फॉर्मेट में 11-11 खिलाड़ी ही हों। एक बॉलर अधिकतम 3 ओवर फेंके। एक ओवर में तीन बाउंसर फेंकने की परमिशन हो। बाउंड्री को थोड़ा छोटा किया जाए। बाकी नियम यथावत रखे जाएं। इससे एक तो समय की बचत होगी, दूसरा एक दिन में दो से अधिक मैच कराए जा सकेंगे। क्रिकेट का रोमांच बढ़ेगा। वनडे क्रिकेट के फॉर्मेट में बदलाव का समय भी आ गया है। मौजूदा 50 ओवर के वनडे मैच को 30 ओवर तक सीमित किया जाना चाहिए। एक गेंदबाज अधिकतम 6 ओवर फेंके। रनआउट के एक नियम में बदलाव हो, जिसमें बल्लेबाज के शॉट मारने पर बॉल इत्तेफाक से गेंदबाज की उंगलियों या पैर को छूकर विकेट में लगती है और दूसरे छोर का बल्लेबाज आउट हो जाता है। यह नियम क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से बाहर किया जाए। उस समय बल्ले के आकार और रूप को लेकर कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन 30 साल बाद साल 1774 में बल्ले को सीधा कर दिया गया। बल्ले की चौड़ाई 4 इंच कर दी गई। एलबीडब्ल्यू का नियम लागू कर दिया गया। तभी तीन स्टांप की शुरुआत हुई और हवा में गेंद को लहराकर फेंकने का चलन शुरू हुआ। टेस्ट मैच क्रिकेट की शुरुआत साल 1877 में हुई। उस समय चार दिनों में मैच समाप्त हो जाता था और हर ओवर में चार गेंद होती थीं, साल 1889 में एक ओवर में 5 गेंदें कर दी गईं, लेकिन साल 1990 में 6 गेंदों का ओवर होने लगा, जो अब तक चल रहा है। टेस्ट मैच को भी पांच दिन का कर दिया गया। 19वीं सदी में व्हाइड बॉल का नियम आया। गेंद का सटीक व्यास आया। हाथ के दस्ताने, हेलमेट का प्रयोग शुरू हुआ। बाउंड्री की शुरुआत हुई। ओवर आर्म बॉलिंग को जायज ठहराया गया।

# पेटीएम में अडाणी को हिस्सेदारी बेचने की बात महज कयासबाजी, फिनटेक कंपनी ने दावों को किया खारिज

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।

पेटीएम ने एक मीडिया रिपोर्ट में किए गए उन दावों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि दावा किया गया है कि अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी पेटीएम में हिस्सेदारी खरीदने के लिए पेटीएम के संस्थापक विजय शंकर शर्मा के साथ बातचीत कर रहे थे।

देश की जानीमानी फिनटेक कंपनी ने इस खबर को काल्पनिक करार दिया है। कंपनी ने कहा है कि ऐसी खबरें महज कयासबाजी हैं। पेटीएम ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि कंपनी इस संबंध में किसी तरह की बातचीत नहीं कर रही है।

फाइलिंग में कंपनी ने कहा, ... हम स्पष्ट करते हैं कि उपरोक्त समाचार अटकलबाजी है और कंपनी इस संबंध में किसी भी चर्चा में शामिल नहीं है। हमने हमेशा सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और खुलासे की आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के तहत अपने दायित्वों के अनुपालन में खुलासे किए हैं और करते रहेंगे। तड़के एक अखबार ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी पेटीएम की पैतृक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में हिस्सेदारी खरीदना चाह रहे हैं।

### कंपनी के शेयरों में लगा 5 प्रतिशत का अपर सर्किट

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने अहमदाबाद में अदाणी के कार्यालय में गौतम अदाणी से मुलाकात की और सौदे की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, वन97 कम्युनिकेशंस में शर्मा की हिस्सेदारी करीब 19 फीसदी है, जिसकी कीमत 4,218 करोड़ रुपये है। कंपनी के शेयर 342 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए।

बीएसई पर पेटीएम के शेयर 5 प्रतिशत उछलकर अपर सर्किट के साथ 359.55 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह उछाल अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी की ओर से कंपनी में हिस्सेदारी लेने से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद आया। हालांकि अब कंपनी ने ऐसी की डील से इनकार कर दिया है।

## न्यूज ब्रीफ

### एलन मस्क की एआई स्टार्टअप ने निवेशकों से जुटाए 6 अरब डॉलर, ओपन एआई को चुनौती देने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। एलन मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप एक्सएआई ने 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 6 अरब डॉलर (करीब 50,000 करोड़ रुपये) की पूंजी जुटाईहै।यह ए, बी या सी फंडिंग राउंड में निवेशकों से जुटाईगईअब तक की सर्वाधिक रकम है। इसका इस्तेमाल ओपन एआई के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए किया जाएगा। मस्क ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सीरीज बी में जुटाई गई इस फंडिंग से पहले एक्सएआई का मूल्यांकन 18 अरब डॉलर था। एआई की तेज दौड़ में ओपन एआई जैसी कंपनियों को चुनौती देने के लिए आंद्रेसेन होरोविट्ज, सिकोइया कैपिटल व फिडेलिटी मैनेजमेंट समेत अन्य ने इसमें निवेश किया है। सिर्फ 15 महीने पहले हुईथी कंपनी की शुरुआत खास बात है कि मस्क के इस एआई स्टार्टअप की शुरुआत सिर्फ 15 महीने पहले हुईथी।पोस्ट के मुताबिक, इस पैसे का इस्तेमाल एक्सएआई के पहले उत्पादों को बाजार में लाने, उन्नत बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान में तेजी लाने के लिए किया जाएगा। इससे पहले ओपन एआई ने 14 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई थी, जिससे उसका वर्तमान मूल्यांकन 80 अरब डॉलर पहुंच गया है।

### एफसीएम की रिपोर्ट: हवाई किराया जनवरी-मार्च में 9 फीसदी महंगा प्रीमियम क्लास बुकिंग में 20 फीसदी की आई तेजी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि और यात्रा में तेजी से इस साल जनवरी-मार्च के दौरान देश में औसत हवाई किराया 9 फीसदी बढ़ गया। एफसीएम ट्रैवल के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में प्रीमियम क्लास बुकिंग में 20 फीसदी की तेजी आई है। एफसीएम की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कारोबारी यात्रा के लिहाज से मुंबई-दिल्ली और बंगलूरू-मुंबई सबसे व्यस्त रूट रहा है। इन शहरों में सबसे ज्यादा कारोबारियों ने यात्राएं की हैं। भारत जल्द ही पूरी दुनिया में सातवां सबसे बड़ा कारोबारी यात्रा का बाजार बनने वाला है। इससे एविएशन क्षेत्र में अच्छी खासी तेजी आने की उम्मीद है। कारोबारी यात्रा करने वाले अब प्रीमियम यात्रा के लिए थोड़ा ज्यादा खर्च करने को भी तैयार हैं। इससे प्रीमियम बुकिंग में भी तेजी देखी जा रही है। भारत के विमानन क्षेत्र के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षमता भी इसी दौरान 14 फीसदी तक बढ़ गई है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर औसत किराया 15 फीसदी सस्ता हो गया है। बता दें कि इस साल अप्रैल में घरेलू बाजार में कुल 1.32 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। 2023-24 में 15 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यात्रा की थी। ऐसे में यह अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में यह संख्या और तेजी से बढ़ सकती है।

### चालू वित्त वर्ष में घटकर 14 फीसदी रह जाएगी बैंकों की कर्ज वृद्धि दर, खुदरा और एमएसएमई ऋण में आएगी गिरावट

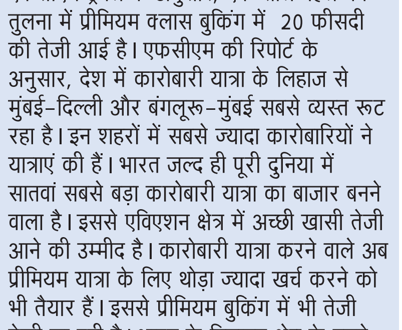


नई दिल्ली। आर्थिक वृद्धि दर कम रहने से बैंकों की कर्ज वृद्धि चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 में 2 फीसदी घटकर 14 फीसदी रह जाएगी। 2023-24 में बैंकिंग प्रणाली की कर्ज वृद्धि दर 16 फीसदी रही थी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा, बीते वित्त वर्ष के 7.6 फीसदी की तुलना में जीडीपी की वृद्धि दर 2024-25 में घटकर 6.8 फीसदी रह सकती है। इसका असर बैंकों की कर्ज वृद्धि दर पर पड़ने की आशंका है। असुरक्षित कर्जों पर अधिक जोखिम भार और उच्च आधार जैसे आरबीआई के उपायों से भी ऋण वृद्धि प्रभावित हो सकती है। कॉरपोरेट ऋण की वृद्धि दर 13 फीसदी रह सकती है क्रिसिल ने कहा, कॉरपोरेट ऋण की वृद्धि दर 2024-25 में 13 फीसदी रह सकती है। हालांकि, खुदरा कर्ज की वृद्धि 2023-24 के 17 फीसदी से घटकर 16 फीसदी पर आ सकती है। इसके बावजूद यह बैंकों के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बना रहेगा। एमएसएमई क्षेत्र को दिए जाने वाले कर्ज की वृद्धि दर भी 19 फीसदी से घटकर 15 फीसदी पर आ सकती है।

# सोने-चांदी के आभूषण निर्यात से जुड़ी नई अधिसूचना स्थगित, एक दिन पहले जारी की गई थी गाइडलाइन

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने आभूषण निर्यात में सोने, चांदी और प्लैटिनम समाग्री के लिए स्वीकार्य बर्बादी मात्रा के नए मानदंडों को 31 जुलाई 2024 तक रोक दिया है। सरकार ने यह फैसला किया है। बता दें, सरकार ने एक दिन पहले ही सोने-चांदी के आभूषणों के निर्यात के संबंध में बर्बादी की स्वीकार्य मात्रा और मानक संबंधित संशोधित मानदंडों को अधिसूचित किया था। अधिसूचना जारी करने के एक दिन बाद ही रत्न और आभूषण उद्योग ने नए मानकों पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। उद्योग ने दावा किया कि मानदंडों को बिना किसी परामर्श के अधिसूचित किया गया था। उद्योग क्षेत्र की परेशानी को सुनने के लिए एक और मौका विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि संशोधित मानदंडों से उद्योग क्षेत्र की कठिनाइयों को बताने के लिए उद्योग को एक और अवसर दिया जाएगा। उद्योग और परिषद एक महीने के भीतर संबंधित मानदंड समिति को जानकारी दे सकते हैं। निदेशालय ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया। नोटिस में निदेशालय ने कहा कि डीजीएफटी 27 मई, 2024 की सार्वजनिक सूचना को तत्काल प्रभाव से 31 जुलाई, 2024 तक के लिए स्थगित करता है। इस दौरान, पहले से मौजूद बर्बादी मानदंड बहाल रहेंगे। डीजीएफटी ने कहा कि इस विषय को लेकर पांच और 21 मार्च को उद्योग से परामर्श आयोजित किया गया था। उद्योग को अब विनिर्माण और आभूषण निर्माण के विभिन्न चरणों में बर्बादी और वसूली की जानकारी देनी होगी। उद्योग के एक अधिकारी ने बताया कि संशोधित आदेश में बर्बादी मानदंडों को काफी कम कर दिया गया। इससे सादे और जड़ित आभूषणों के निर्यात पर असर पड़ सकता है। उद्योग ने हस्तक्षेप के लिए निदेशालय से संपर्क करते हुए कहा था कि नए आदेश के कारण देश का आभूषण निर्यात प्रभावित होगा। जानें क्या हैं बर्बादी के नियम नए आदेश में सरकार ने सोने और प्लेटिनम के सादे आभूषणों के लिए वजन के हिसाब से बर्बादी को 2.5 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया था। वहीं, जड़ित आभूषणों के लिए बर्बादी को पांच प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया था। वहीं, पदकों और सिक्कों की बर्बादी के मानदंडों को 0.2 प्रतिशत से घटाकर 0.1 प्रतिशत कर दिया गया।

### रिलायंस ने रूस की कंपनी के साथ करार किया: रोसनेफ्ट से खरीदेगी कच्चा तेल, रूस की करेंसी रूबल में करेगी पेमेंट

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ एक साल के लिए करार किया है। इस करार के तहत रिलायंस हर महीने कम से कम 3 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) का आयात करेगी। पेमेंट रूस की करेंसी रूबल में किया जाएगा। तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक 2 जून को मीटिंग करने वाले हैं। इसमें ये तेल सप्लाई में कटौती जारी रखने कर निर्णय ले सकते हैं। ऐसे में रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस डील की वजह से रियायती कीमत पर तेल मिलते रहने में मदद मिलेगी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदने पर बैन लगा दिया था। इसके बाद से भारत रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। भारत ने रूसी कच्चे तेल के लिए रुपए, दिरहम और चीन की करेंसी युआन में भी भुगतान किया है। 3 साल में 2 से 40 प्रतिशत हुआ रूस से इंपोर्ट भारत ने 2020 में रूस से अपनी जरूरत का सिर्फ 2 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा था। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से ठीक पहले 2021 में टोटल सप्लाई 16 प्रतिशत हो गई और 2022 में सप्लाई बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुंच गई। फिलहाल भारत रूस से अपनी जरूरत का 40 प्रतिशत क्रूड ऑयल खरीद रहा है। भारत की टोटल व्यापार वैल्यू में क्रूड ऑयल का हिस्सा एक तिहाई है। यानी भारत जो कुछ भी बाहर से इंपोर्ट करता है उसका करीब एक तिहाई हिस्सा क्रूड ऑयल होता है। इसलिए इस मुनाफे से व्यापार घाटे में कमी आएगी। रूस पर पश्चिमी देशों ने लगाया था प्रतिबंध यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसका फायदा दुनिया में क्रूड ऑयल के तीसरे सबसे बड़े इंपोर्टर भारत ने उठाया और यूरोप की जगह रूस से तेल का इंपोर्ट बढ़ा दिया था। भारत की सबसे बड़ी कंपनी है रिलायंस रिलायंस इंडस्ट्रीज मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी का 19.69 लाख करोड़ रुपए है। वहीं रोसनेफ्ट भी रूस की तीसरी बड़ी कंपनी है। इसका मार्केट कैप करीब 7 लाख करोड़ रुपए (85 बिलियन डॉलर) है।

# चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं आया बदलाव

नई दिल्ली, 29 मई।

**घरेलू बाजार में चारों महानगरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव नहीं आया। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सभी राज्यों में इसलिए अंतर होता है क्योंकि राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर से वैट और अन्य टैक्स लगाती हैं। आज दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।**

राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमतें 94.72 रुपये जबकि डीजल की 87.62 रुपये प्रति लीटर पर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। -कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। -चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.65 रुपये जबकि डीजल 87.75 रुपये पर है। आगरा में पेट्रोल 94.70 रुपये। वहीं डीजल 87.79 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये है। गाजियाबाद में पेट्रोल का भाव 94.65 रुपये है, तो वहीं डीजल 87.75 रुपये पर बिक रहा है। मुजफ्फरनगर में पेट्रोल 94.63 रुपये है, और डीजल के दाम 87.72 रुपये हैं। राजस्थान के जोधपुर में पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये है, तो वहीं डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है. जोधपुर में पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये बिक रहा है. जयपुर में पेट्रोल के दाम 104.88 हैं तो वहीं डीजल 90.36 रुपये है. पटना में पेट्रोल का रेट 105.18 रुपये है, तो वहीं डीजल के दाम 92.04 रुपये हैं.।

# करदाताओं के लिए बेहद जरूरी खबर: 31 मई तक पैन को आधार से जोड़ने से होगी बचत, वरना दोगुना दर से भरना होगा टीडीएस

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।

**आयकर विभाग ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे ऊंची दर पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) से बचने के लिए 31 मई, 2024 तक अपने पैन को आधार से जोड़ लें। आयकर नियमों के मुताबिक, स्थायी खाता संख्या (पैन) अगर बायोमीट्रिक आधार से जुड़ा नहीं है तो लागू रेट से दोगुना दर पर टीडीएस कटेगा।**

विभाग ने सोशल मीडिया पर लिखा, अधिक टीडीएस कटौती से बचने के लिए 31 मई से पहले अपने पैन को आधार से जोड़ लें। एक अलग पोस्ट में बैंकों, विदेशी मुद्रा डीलर सहित रिपोर्टिंग संस्थाओं को दंड से बचने के लिए अंतिम तिथि 31 मई तक एसएफटी (निर्दिष्ट वित्तीय लेनदेन का विवरण) दाखिल करने को भी कहा गया है। तो प्रत्येक डिफॉल्ट दिन के लिए भरना होगा 1,000 रुपये जुर्माना रिपोर्टिंग संस्थाओं विदेशी मुद्रा डीलर, बैंक, उप-रजिस्ट्रार, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), डाकघर, बॉन्ड/ऋणपत्र जारीकर्ता, म्यूचुअल फंड ट्रस्टी और लाभांश का भुगतान करने वाली या शेयर वापस खरीदने वाली कंपनियों को कर अधिकारियों के समक्ष एसएफटी रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। इसमें देरी पर हर डिफॉल्ट दिन के लिए 1,000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

# ताज होटल परिसर में आराम से सोता मिला कुत्ता, पूछने पर प्रबंधन ने बताया कारण, रतन टाटा से है कनेक्शन

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।

रूबी खान नामक एक एचआर पेशेवर ने हाल ही में मुंबई के ताजमहल होटल से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी साझा की है। ताज महल होटल में रुकने के दौरान होटल के प्रवेश द्वार पर एक कुत्ते को शांति से सोते हुए देख वह हैरान रह गई गईं थीं। कुत्ते की मौजूदगी से रूबी खान की जिज्ञासा जगी। इस बारे में उन्होंने कर्मचारियों के साथ पूछताछ की तो उन्हें बताया गया कि कुत्ता जन्म से ही होटल के परिसर में रह रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि रतन टाटा ने होटल परिसर में प्रवेश करने वाले जानवरों के साथ अच्छा व्यवहार करने के सख्त निर्देश दे रखे हैं। एक लिंक्डइन पोस्ट में, खान ने ने लिखा, ... यह जगह (ताजमहल होटल) राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हस्तियों तक के कई मेहमानों की मेजबानी करता है, इसकी दीवारों के भीतर हर किसी को महत्व दिया जाता है। इस तरह के एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का प्रवेश महत्वपूर्ण महत्व रखता है, और वहां वह (एक कुत्ता) शांति से सो रहा था, शायद किसी मेहमान का इस ओर ध्यान नहीं गया। खान ने आगे कहा कि उन्होंने होटल में समावेश, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और कार्रवाई में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अनुभव किया।

खान ने रतन टाटा की ओर इशारा करते हुए कहा, आप सबसे सफल उद्यमी हो सकते हैं, लेकिन आपको हर किसी का सम्मान करने और गले लगाने से कभी नहीं रोकना चाहिए।

पोस्ट को शेयर किए जाने के बाद उस पर प्रतिक्रियाओं और कई टिप्पणियों की झड़ी लग गई। होटल की ओर से भी इस मसले पर टिप्पणी की गई। ताज होटल्स ने खान के पोस्ट पर एक टिप्पणी करते हुए लिखा, हाय रूबी, इस कहानी को साझा करने के लिए धन्यवाद। ताज में, हम करुणा और समावेश को महत्व देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर कोई मेहमान घर जैसा महसूस करे। आपके अनुभव वास्तव में हमारे मूल मूल्यों से मेल खाते हैं।

# स्वरोजगार में तेजी...उद्यमियों की संख्या सात साल में दोगुना बढ़कर 7 करोड़ पार

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।

देश में पिछले कुछ वर्षों से कारोबारियों की संख्या में जबरदस्त तेजी दिखी है। खास बात यह है कि स्वरोजगार करने वालों की संख्या सात साल में बढ़कर दोगुनी हो गई है। 2016-17 में स्वरोजगार करने वालों की संख्या 3.61 करोड़ थी, जो 2023-24 में 7.06 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, 2016-17 में हर 100 कार्यरत व्यक्ति में से 13 लोग कारोबारी थे। 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 20 पहुंच गई है। 2023-24 में कुल 42.36 करोड़ लोगों के पास काम था। इसमें से 8.66 करोड़ कारोबारी थे।

आंकड़ों के मुताबिक, व्यावसायिक संरचना सात साल पहले की तुलना में अब बिल्कुल अलग है। 2016-17 में छोटे व्यापारियों और दिहाड़ी मजदूरों की कुल कार्यबल में 42.4 फीसदी हिस्सेदारी थी। किसानों और वेतनभोगी कर्मचारियों का हिस्सा क्रमशः 21 फीसदी और 23 फीसदी था। व्यावसायिक व्यक्तियों की संख्या कुल रोजगार में सिर्फ 13 फीसदी थी। 100 कार्यरत लोगों में 20 कारोबारी थे बीते वित्त वर्ष में, 2016-17 में आंकड़ा 13 था रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में कुल कार्यबल में कारोबारी व्यक्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 फीसदी पर पहुंच गई है। छोटे कारोबारियों व दिहाड़ी मजदूरों का हिस्सा घटकर 30 प्रतिशत के नीचे आ गया है। वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या में भी गिरावट आई। इनकी हिस्सेदारी 2023-24 में 21.8 फीसदी थी जो कोरोना महामारी के पहले के स्तर को पार कर गई है। किसानों की हिस्सेदारी में इजाफा 2023-24 में कुल रोजगार में किसानों का अनुपात बढ़कर करीब 28 फीसदी हो गया। यह 2016-17 में 23 फीसदी था। सीएमआईई ने इस आंकड़े को तीन वर्गों में विभाजित किया है। इसमें कारोबारी, स्व-रोजगार और स्व-रोजगार उद्यमी शामिल हैं। कारोबारियों का घटा अनुपात सात वर्षों में व्यवसायियों का अनुपात काफी हद तक गिरकर 2023-24 में 16.7 फीसदी रह गया। दूसरी ओर, स्व-रोजगार उद्यमियों की हिस्सेदारी बढ़कर 81.5 प्रतिशत पहुंच गई। व्यावसायिक व्यक्तियों के रूप में नौकरियों की बड़े पैमाने पर वृद्धि स्व-रोजगार उद्यमियों के बीच केंद्रित है।

### एलआईसी का सालाना प्रीमियम में दो अंक बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस वित्त वर्ष में सालाना प्रीमियम (एपीई) में दो अंकों की बढ़ोतरी का लक्ष्य कर रही है। इस बढ़ोतरी से नए उत्पादों और एजेंसी चैनलों को मजबूती मिलेगी। निगम के प्रबंधन ने नतीजों के बाद एनालिस्ट कॉल में बताया कि वे किसी एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प को भी तलाशेंगे। जीवन बीमा उद्योग में नए कारोबार की बिक्री को मापने का सामान्य तरीका एपीई होता है। इसकी गणना सालाना नियमित प्रीमियमों में एकल प्रीमियमों का 10 फीसदी हिस्सा जोड़कर की जाती है। एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि वित्त वर्ष 2025 में अतिरिक्त बढ़ोतरी उत्पाद और चैनल दोनों से होगी। उन्होंने बताया कि हमने बीते वर्ष दिशा-निर्देश में बदलाव के चलते नॉन-पार सेगमेंट में कुछ उत्पाद लॉन्च किए थे और हमें वांछित परिणाम भी मिले थे। वित्त वर्ष 2024 में सालाना एपीई में गैर भागीदारी उत्पाद बढ़कर 18.32 फीसदी हो गए जबकि यह वित्त वर्ष 2023 में 8.89 फीसदी थे।

# विश्व चैंपियन डिंग से हारे प्रगनानंदा वैशाली ने कोनेरू हंपी को दी शिकस्त

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।**
प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज के राउंड दो में स्पेयरबैंक 1 एसआर-बैंक में एक बार फिर सभी तीन क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, मैग्नस कार्लसन, अलीरेजा फिरोजा और डिंग लिरेन ने बाद के आर्मागेडन मैचों में सफेद रंग से जीत हासिल की और तीनों ने 1.5-1.5 अंक हासिल किए। विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के खिलाफ 2-0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ने वाले भारत के आर प्रगनानंदा आर ने नॉर्वे शतरंज 2024 मुख्य कार्यक्रम के दौर में अपना पहला क्लासिकल ड्रॉ खेला। इसके बाद चीनी ग्रैंडमास्टर लिरेन आर्मागेडन टाई-ब्रेकर में विजयी हुए। वहीं, मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा ने करीबी प्रतिस्पर्धा वाली क्लासिकल गेम खेली जो ड्रॉ पर समाप्त हुई। हालांकि, इसके बाद कार्लसन ने दबाव में अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए आर्मगेडन मुकाबले में एक महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में कामयाबी हासिल की। अब कार्लसन ने टूर्नामेंट स्टैंडिंग में तीन अंकों की बढ़त ले ली। फिरोजा और फेबियानो कारुआना को भी कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलना पड़ा। हालांकि, इसके बाद स्पीड शतरंज में फिरोजा ने कारुआना को हरा दिया और महत्वपूर्ण 1.5 अंक हासिल किए। वहीं, दूसरी तरफ प्रगनानंदा की बहन वैशाली ने हमवतन कोनेरू हंपी को हराकर महिला टूर्नामेंट में बढ़त बना ली है। वैशाली ने नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज की। शुरुआत में हंपी के मामूली लाभ के बावजूद समय के दबाव ने गलती करने पर विवश कर दिया। यहीं वैशाली ने बाजी मार ली और भारत की नंबर एक महिला खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल की। इसके साथ ही वैशाली लाइव रेटिंग सूची में भारत की नंबर दो महिला खिलाड़ी बन गई। लेई तिंगजी और पिया क्रैम्लिंग के साथ-साथ जू वेनजुन और अन्ना मुज्यचुक के बीच अन्य दो क्लासिक मैच कड़े मुकाबले में ड्रा पर समाप्त हुए। वेनजुन और टिंगजी की चीनी जोड़ी अपने संबंधित आर्मागेडन खेलों में विजयी हुई।

## न्यूज ब्रीफ

### अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल टीम में उठा विवाद

**ब्यूनस आयर्स ।** अर्जेंटीना की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम में विवाद के कारण तीन खिलाड़ियों ने नहीं खेलने की घोषणा कर दी है। इसमें गोलकीपर लॉरिना ओलिविरोस, डिफेंडर जूलिएटा क्रूज और मिडफील्डर लोरेना बेनिटेज जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं अर्जेंटीना को तीन जून को कोस्टा रिका के खिलाफ एक मैत्री मैच खेलना है। ऐसे में उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम छोड़ने वाली खिलाड़ियों ने बेतन बढ़ाने के साथ ही बेहतर सुविधाएं मांगी हैं। क्रूज ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''हम एक ऐसी जगह पर पहुंच गए हैं जहां हम मांगते-मांगते थक गए हैं, हमें महत्व नहीं दिया जा रहा, हमारी बात नहीं सुनी जा रही और इससे भी खराब बात ये है कि हमारा अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल राष्ट्रीय टीम में सुधार की जरूरत है और हम केवल पैसे के बारे में ही बात नहीं कर रहीं बल्कि इस दौरान मिलने वाले खाने पर भी बात कर रही हैं।'' क्रूज और बेनिटेज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग सत्र के दौरान पर्याप्त पौष्टिक भोपन नहीं मिल रहा है। इसके अलावा फुटबॉल संघ ने उन्हें बताया कि दो मैत्री मैचों के लिए भुगतान भी नहीं किया जाएगा क्योंकि ये मुकाबले घरेलू मैदान पर होंगे।

### भारत ने श्रीलंका को 3-0 से फाइनल में हराया, दोनों वर्गों में दक्षिण एशियाई टीम खिताब सुरक्षित

**नई दिल्ली ।** भारत की लड़कियों की अंडर-19 टीम ने कैंडी में मेजबान श्रीलंका को फाइनल में 3-0 से हराकर दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना खिताब बरकरार रखा। भारत ने इससे पहले नेपाल को सेमीफाइनल में 3-0 से हराया। फाइनल में भारत की सयाली वानी ने बिमांदी बंडारा को 11-6, 12-10, 11-8, प्रिथा वर्तिकर ने तमादी कविंदया को 7-11, 11-3, 11-7, 6-11, 11-8 जबकि तनीषा कोटेचा ने दिव्या धरानी को 11-8, 11-7, 11-7 से हराकर खिताब जीता। अंडर-15 पुरुषों के फाइनल में भारत की जीत अंडर-15 के फाइनल में भी भारत ने श्रीलंका को 3-0 से शिकस्त दी जबकि अंडर-15 लड़कों के फाइनल में भी सार्थक आर्या ने श्रीलंका के खिलाफ अपने दोनों मैच जीतकर भारत की 3-1 से जीत सुनिश्चित की। सोहम मुखर्जी ने भी अपना मैच जीता। हालांकि साहिल रावत को अगस्तया आनंदिथा से हार का सामना करना पड़ा था।

### भारतीय पर्वतारोही सत्यदीप ने रचा इतिहास, एवरेस्ट और ल्होत्से की चढ़ाई पूरी कर बनाया रिकॉर्ड

**नई दिल्ली ।** भारतीय पर्वतारोही सत्यदीप गुप्ता ने एक सीजन में दो बार माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होत्से पर चढ़ाई करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। इसके अलावा उन्होंने 11 घंटे और 15 मिनट में दो चोटियों को पार कर भी इतिहास रच दिया है। अभियान का आयोजन करने वाले पायनियर एडवेंचर एक्सपीडिशन के मुताबिक, सत्यदीप ने दोपहर में 8,516 मीटर ऊंचे माउंट ल्होत्से और आधी रात को 12 : 45 बजे 8,849 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पूरी की। एडवेंचर कंपनी के मुताबिक, यह एक सीजन में दुनिया की सबसे ऊंची और चौथी सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की पहली घटना है। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। उन्होंने माउंट एवरेस्ट से माउंट ल्होत्से तक 11 घंटे और 15 मिनट में यात्रा करने वाले पहले भारतीय बनकर एक और रिकॉर्ड भी बनाया। उनके साथ पर्वतारोही गाइड पेस्टेम्बा शेरपा और नीमा उंगडी शेरपा भी थे। गुप्ता ने 21 मई को माउंट एवरेस्ट और 22 मई को माउंट ल्होत्से पर चढ़ाई की थी। पायनियर के मुताबिक, वह इस दोहरी चढ़ाई को पूरा करने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति हैं।

## टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया ने प्रैक्टिस शुरू की

# खिलाड़ियों ने फोटोज शेयर कीं, 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है वॉर्म-अप मैच

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।**
टी-20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले टीम इंडिया ने न्यूयॉर्क में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2 जून से शुरू होने वाले वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलेगी। टीम के उपकप्तान हार्दिक पंड्या, स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव ने प्रैक्टिस के फोटोज शेयर किए हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी प्रैक्टिस का वीडियो शेयर किया। खिलाड़ियों ने जो फोटोज शेयर की हैं, उनमें वो जॉगिंग और फुटबॉल खेलते दिखाई दे रहे हैं।

### भारत का पहला मैच आयरलैंड से

इस बार का टी-20 वर्ल्ड कप 2 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। ओपनिंग मैच अमेरिका और कनाडा के बीच खेला जाएगा। भारतीय टीम का पहला मैच 5 जून को आयरलैंड से न्यूयॉर्क में होगा।

### वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

**रिजर्व :** शुभमन गिल, खलील अहमद, रिंकू सिंह, आवेश खान।

### अमेरिका में पहली बार होगा आईसीसी टूर्नामेंट

अमेरिका को पहली बार ही किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। 2028 के ओलिंपिक गेम्स भी अमेरिका में ही होंगे, जिसमें क्रिकेट भी शामिल किया गया है। इस इवेंट को देखते हुए आईसीसी ने अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप कराने को प्राथमिकता दी। अमेरिका के साथ वेस्टइंडीज में भी टी-20 वर्ल्ड कप होगा, यहां 2010 का टूर्नामेंट भी खेला गया था। 2022 में पिछला वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में हुआ था।

### टी20 विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन करेंगे पंड्या : हरभजन

**नई दिल्ली ।** दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में हार्दिक पंड्या लय हासिल करते हुए बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल में इस बार पंड्या का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है जिसके बाद से ही वह दबाव में हैं। पंड्या आईपीएल में गेंद और बल्ले के साथ ही कप्तानी में भी विफल रहे हैं। वह जहां गेंदबाजी में प्रभावित नहीं कर पाये। वहीं उनका बल्ला भी खामोश रहा। जहां तक कप्तानी की बात है उनकी टीम मुम्बई इंडियंस अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। इसके कारण वह दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों के गुस्से का शिकार हुए हैं। इसके बाद भी उन्हें विश्वकप के लिए उपकप्तान बनाया गया है। अब उनके पास अपने को साबित करने का अवसर है। हरभजन ने हार्दिक पंड्या के साथ सहानुभूति जताई है। उन्होंने कहा कि, पंड्या करियर में एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, हरभजन को उम्मीद है कि वह विश्वकप के दौरान शानदार प्रदर्शन करेंगे। पंड्या को आईपीएल 2024 के दौरान जब भी मैदान पर उतरते थे तो उन्हें हूटिंग का शिकार होना पड़ता था। हरभजन को हालांकि उम्मीद है कि अमेरिका में टी20 विश्व कप के दौरान चीजें बदलेंगी। उन्होंने कहा, 'जब वह भारतीय टीम की जर्सी पहनेगा तो वह एक अलग हार्दिक पांड्या होगा क्योंकि हम जानते हैं कि वह रन बना सकता है और विकेट ले सकता है। मैं चाहता हूं कि हार्दिक अच्छा प्रदर्शन करें क्योंकि वह बहुत कुछ झेल चुका है और मैं उन्हें भारत के लिए बहुत अच्छे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, 'हार्दिक के लिए अगर यह टूर्नामेंट अच्छा रहा तो जाहिर तौर पर भारत के पास आगे बढ़ने का शानदार मौका होगा। साथ ही कहा, 'हां, उनकी फॉर्म थोड़ी चिंता का विषय है। उनके आसपास बहुत सारी चीजें चल रही थीं, उसका गुजरात टाइटंस से मुंबई इंडियंस स्थानांतरित होना एक बड़ा बदलाव था और मुम्बई में जाते ही वह असफल हो गये। इसके साथ ही उसके दर्शकों की हूटिंग भी झेलनी पड़ी जिससे वह हताश हो गया।

# 40 के दशक में क्रिकेटरों को मिलता था एक रुपया

**मुम्बई, 29 मई (एजेंसियां)।**
आजकल क्रिकेट में खिलाड़ियों को करोड़ों की रकम और ईनाम मिलते हैं।

आईपीएल में ही विजेता टीम को 20 करोड़ की राशि मिली है। इसके साथ ही क्रिकेटरों को सालाना करोड़ों के अनुबंध और विज्ञापन भी मिलते हैं।

वहीं पहले ऐसा नहीं था और एक समय ऐसा भी था जब क्रिकेटरों को एक मैच के लिए एक रुपया मिलता था जो बाद में बढ़ाकर पांच रुपया हुआ। तब क्रिकेटरों को आज जैसी सुविधाएं भी नहीं मिलती थीं और उन्हें देश में होने वाले मैचों में ट्रेन से भेजा जाता था। इसके अलावा उन्हें सामान्य होटलों में ठहराया जाता था। वहीं आज खिलाड़ियों की नीलामी में उन्हें टीमें लाखों-करोड़ों में खरीदती हैं। 40 के दशक में भारतीय क्रिकेटरों को एक टेस्ट मैच खेलने के लिए एक रुपया मिलता था।

भारतीय टीम की ओर से 40 के दशक में खेलने वाले माधव आप्टे ने बीसीसीआई के 75 साल पूरे होने के अवसर पर एक समारोह में कहा था कि भारतीय टीम जब 40 के दशक में खेलती थी तो भारतीय क्रिकेटरों को एक टेस्ट मैच खेलने पर एक रुपया मिलता था। ये रकम भी लांड्री भत्ते के रूप में दी जाती थी। जिससे वे अपनी सफेद पोशाक को साफ रख सकें। इसके बाद ये रकम बढ़ाकर पांच रुपये प्रति टेस्ट मैच कर दी गई। उस समय वे जहाज से नहीं बल्कि ट्रेन से यात्रा करते थे। फिर मैच फीस बढ़कर पांच रुपये हुई। वहीं 1955 के आसपास भारतीय क्रिकेटरों को 250 रुपये मिलने लगे। तब बीसीसीआई आज की तरह धनी नहीं थी और कई बार उसके पास क्रिकेटरों को मैच फीस देने के भी पैसे नहीं होते थे।

क्रिकेटर तब ट्रेन से सफर करते थे। 70 के दशक तक भी भारतीय क्रिकेटरों को हर मैच के लिए दो हजार रुपये के आसपास मिलते थे। वहीं 80 के दशक में प्रति टेस्ट मैच फीस पांच हजार से दस हजार रुपये तक पहुंची। वहीं जब बीसीसीआई ने पहली बार एक अक्टूबर 2004 को क्रिकेटर अनुबंध प्रणाली शुरु की तो खिलाड़ियों को भारी रकम मिलने लगी। उसके बाद से ही क्रिकेटरों के मालामाल होने का सिलसिला शुरु हो गया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### देश पर्सनल..

कांग्रेस की आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सरकार ने ओबीसी के आरक्षण को मुसलमानों में बांटने का बंदरबांट भी किया है।

सीएम योगी ने कांग्रेस समेत उसके गठबंधन के अन्य दलों पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान का सर्वाधिक मजाक कांग्रेस और उसके गठबंधन चाहे वो सपा हो, टीएमसी हो, आरजेडी हो या फिर आम आदमी पार्टी हो, इन सभी ने उड़ाया है और ये लोग आज भी यही प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2012 और 2014 के इलेक्शन में अपने मेनिफेस्टो में इस बात का उल्लेख किया था कि वह मुसलमानों को भी आरक्षण देगी। उत्तर प्रदेश की पीएसी में 15 फीसदी आरक्षण की घोषणा भी इसी समाजवादी पार्टी ने की थी। सपा का चरित्र जगजाहिर है, इसी तरह आरजेडी में लालू यादव भी बोल चुके हैं कि बिहार के अंदर सभी मुसलमानों को वे आरक्षण का लाभ देंगे। टीएमसी के एक फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभी पूरी तरह पलटकर वहां की सरकार के मुंह पर तमाचा मारा है और कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। कांग्रेस का मेनिफेस्टो कहता है कि यह भारत के अंदर पर्सनल लॉ लागू करेंगे, पर्सनल लॉ लागू करने का मतलब तालिबानी शासन। बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, माताएं, बहनें बाजार और ऑफिस नहीं जा पाएंगी। बुर्का पहनकर घर में दबा रहना पड़ेगा। मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बेटियों के सम्मान और उनकी सुरक्षा के प्रति संकल्पित है। भाजपा ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा दिया है तो मातृ वंदना योजना भी लाए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पारित करवा कर महिलाओं को विधानसभा और संसद में 33 फीसदी आरक्षण की सुविधा प्रदान करने का काम भी किया है। भाजपा की यह घोषणा है कि देश बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा। ये देश पर्सनल कानून और शरिया कानून से नहीं चलेगा।

सीएम योगी ने 4 जून को भाजपा की प्रचंड जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने लोकसभा चुनाव प्रारंभ होते ही मोदी जी के नेतृत्व में 400 के लक्ष्य को पार करने का स्लोगन दिया था। यह देश की आम जनता के लिए मंत्र बन गया। पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण जहां भी आप जाएंगे आपको एक ही नारा, एक ही स्वर सुनाई देगा, आम जनमानस के मन में एक ही संकल्प दिखाई देगा और वो यह है कि फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। यह अचानक नहीं हुआ है, बल्कि दस वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में जो परिवर्तन हुआ है यह उसी का प्रतिफल है। चाहे वो दुनिया के अंदर भारत के सम्मान की बात हो, भारत की सुरक्षा की बात हो, भारत के अंदर विकास के नए-नए प्रतिमान स्थापित करने की बात हो। देश में हाईवे में टू लेन, फोरलेन, सिक्स लेन, 12 लेन हाईवे बने हैं। रेलवे में बंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत की मॉडर्न फैसिलिटी के साथ में वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी, एनआईटी, वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी, हर घर नल जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास के नए मॉडल के साथ ही गरीब कल्याणकारी योजनाओं को भी धरातल पर उतारने का कार्य हुआ है। गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा का लाभ, करोड़ों गरीबों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए की स्वास्थ्य सुविधा, किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ, हर घर में शौचालय के निर्माण का कार्य, स्वस्थ ईंधन के लिए एलपीजी के कनेक्शन 10 करोड़ लोगों से अधिक घरों में पहुंचाने का कार्य, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के लिए डीबीटी और टेक्नोलॉजी का उपयोग करके आमजन तक शासन की योजना का लाभ पहुंचाने का काम हुआ है। विरासत भी और विकास भी, सुरक्षा भी और सम्मान भी, और सरकार की संवेदना गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देखी जा सकती है। स्वाभाविक रूप से ये आवाज जनता की ओर से निकली है और जनता ही इसको एक मंत्र बनाकर आज आत्मसात कर रही है, इसलिए हम कह सकते हैं कि 4 जून को जब परिणाम सामने आएगा भारतीय जनता पार्टी और एनडीए 400 के लक्ष्य को पार करेगा।

### सुप्रीम कोर्ट ...

कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने केजरीवाल की अंतरिम याचिका को स्वयं सूचीबद्ध करने से इन्कार कर दिया था और मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा था कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए पिछले सप्ताह तब क्यों इसका उल्लेख नहीं किया गया, जब मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता अवकाश पीठ में बैठे थे। मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने की थी।

पीठ ने कहा था, जब न्यायमूर्ति दत्ता पिछले सप्ताह अवकाश पीठ में बैठे थे, आपने तब इसका उल्लेख क्यों नहीं किया? माननीय सीजेआई को निर्णय लेने दें क्योंकि यह औचित्य का मुद्दा उठाता है। हम इसे सीजेआई को भेजेंगे। इस पर सिंघवी ने कहा था कि चिकित्सकीय परामर्श परसों मिला था और इसलिए पिछले सप्ताह उस अवकाश पीठ के समक्ष इसका उल्लेख नहीं किया जा सका जिसमें न्यायमूर्ति दत्ता शामिल थे। उन्होंने कहा था, अगर इसे डिजिटल माध्यम से भी उस पीठ (न्यायमूर्ति खन्ना और न्यायमूर्ति दत्ता की) के समक्ष सूचीबद्ध किया जाता है तो भी मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी ने 21 मार्च को सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने केजरीवाल को राहत देने से इनकार कर दिया थी। इसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत देने का आदेश दिया। कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए केजरीवाल को जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी लगाईं और कहा कि केजरीवाल को 2 जून को जेल वापस आना होगा। हालांकि अब केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उनकी जमानत की अवधि सात दिन और बढ़ाने की मांग की है। केजरीवाल ने याचिका में कहा है कि उन्हें अपनी कुछ स्वास्थ्य जांच करानी हैं, जिनमें पीईटी और सीटी स्कैन आदि शामिल हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि निर्वाचित मुख्यमंत्री समाज के लिए खतरा नहीं हैं। कोर्ट ने ये भी कहा कि ईडी बीते डेढ़ साल से दिल्ली शराब नीति घोटाले की जांच कर रही है, लेकिन आम चुनाव के ऐलान के बाद ही केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। ऐसे में कोर्ट ने चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली सीएम को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

### भारत के ...

इसे खासतौर पर भारतीय सेना की स्पेशल फोर्सेज के लिए तैयार किया गया है। आतंकवाद रोधी अभियानों में यह बेहद कारगर साबित होगी। 75 साल से भारत के पास अभी तक स्वदेशी 9 एमएम सब-मशीन गन नहीं थी। इसे दूसरे देशों से ही आयात किया जाता था। भारतीय सेना ब्रिटिश स्टेन कार्बाइन और स्टर्लिंग कार्बाइन से लेकर जर्मन हेकलर एंड कोच एमपी-5 और इज़राइली यूजेडआई जी एसएमजी पर निर्भर थी। 2005 से 2021 तक जर्मनी की सरकार ने छोटे हथियारों की बिक्री पर रोक लगा दी थी। जर्मन सरकार ने हाल ही वह रोक हटा ली है।

भारतीय सेना ने हाल ही में अपनी स्पेशल फोर्सेज के देश में बने 550 एसएमजी का ऑर्डर दिया। इस हथियार का चयन बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद किया गया, जिसमें एएसएमआई एसएमजी ने ब्राजील और इस्राइल के हथियारों को हरा कर अपनी जगह बनाई। 1990 के दशक के आखिर में इन्सास राइफल के ऑर्डर के बाद से भारतीय सेना द्वारा ऑर्डर किया गया यह पहला स्वदेशी छोटा हथियार है। वहीं एएसएमआई की कीमत विदेश से खरीदी गई एसएमजी की कीमत से एक तिहाई से भी कम है। सेना के पास पहले से मौजूद 100,000 से अधिक पुरानी ब्रिटिश-डिजाइन वाली स्टर्लिंग कार्बाइनों को बदलने की जरूरत है और एएसएमआई उन जरूरतों को पूरा करेगी।रक्षा मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि एएसएमआई को हैदराबाद की निजी कंपनी लोकेश मशीन लिमिटेड ने बनाया है। वहीं इसे सेना के महू स्थित इनफैंट्री स्कूल और डीआरडीओ के पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और तैयार किया है। इसे बनाने में सबसे खास योगदान सिख रेजिमेंट के अफसर कर्नल प्रसाद बंसोड़ का है, जिन्हें कर्नल कलाश्निकोव के नाम से जाना जाता है, जो पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान में प्रतिनियुक्ति पर थे। खास बात यह है कि इस हथियार को महज चार महीने के रिकॉर्ड टाइम में तैयार किया गया है। एएसएमआई मशीन पिस्तौल की उत्पादन लागत 50 हजार रुपए के आसपास है, वहीं सरकार इसके निर्यात की संभावनाएं भी खोज रही है।

### कौन बनेगा नया...

लंबे समय बाद रॉ में किसी चीफ को चार साल तक सेवा करने का अवसर मिला है।

सामंत गोयल के बाद जो नाम चर्चा में है वह राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में डिप्टी एनएसए आईपीएस पंकज कुमार सिंह का है। पंकज कुमार सिंह पहले बीएसएफ के प्रमुख की भूमिका निभा चुके हैं। वे अजित डोभाल के करीबी भी हैं और उनके पास इंटरनल सिक्योरिटी का खासा अनुभव भी है। हालांकि उनके पास विदेश मामलों को लेकर ज्यादा अनुभव नहीं है, जो संभवतया उनके लिए कमजोर पक्ष माना जा सकता है। इसके अलावा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) विक्रम मिसरी का नाम भी चर्चा में है। विक्रम मिसरी 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं। उनकी गिनती चीन मामलों के जानकार के तौर पर होती है। मिसरी को 2019 में बीजिंग में राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। जून 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीनी सैनिकों के हिंसक संघर्ष के बाद मिसरी चीन के साथ हुईं कई वार्ताओं का हिस्सा रहे थे। उन्होंने विदेश मंत्रालय में, प्रधानमंत्री कार्यालय में, और यूरोप, अफ्रीका, एशिया और उत्तरी अमेरिका में कई भारतीय मिशनों में काम किया है। मिसरी के पास आंतरिक सुरक्षा को लेकर ज्यादा अनुभव नहीं है। एक और नाम चर्चा में है, वह है पंकज सरन का। 1982 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रह चुके पंकज सरन पूर्व डिप्टी एनएसए भी रह चुके हैं और चार साल पहले ही इस पद से रिटायर हुए हैं। सरन को नवंबर 2015 में रूस में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था। वह भारत और विदेश में कई महत्वपूर्ण पद संभाल चुके हैं। पहले 1995 से 1997 तक उपसचिव, निदेशक के रूप में और फिर 2007 से 2012 तक संयुक्त सचिव के रूप में कार्यभार संभाल चुके हैं। उन्हें भी डोभाल का करीबी माना जाता है। लेकिन आंतरिक मामलों को लेकर उनके पास भी ज्यादा अनुभव नहीं हैं।

अनिल धस्माना का नाम भी प्रमुख दावेदारों में लिया जा रहा है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख अनिल धस्माना 1981 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। धस्माना को सितंबर 2020 में ही दो साल के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) प्रमुख नियुक्त किया गया था। एनटीआरओ देश की तकनीकी संस्था है जो भू-स्थानिक खुफिया और उपग्रह इमेजरी की देखभाल करती है। धस्माना उरी और बालाकोट जैसी सर्जिकल स्ट्राइक में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्हें बलूचिस्तान, आतंकवाद और इस्लामी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। उनके पास पाकिस्तान और अफगानिस्तान में काम करने का खासा अनुभव भी है। वे दुनिया भर के तमाम देशों की राजधानियों में सेवा भी दे चुके हैं, जिसमें लंदन और फ्रैंकफर्ट भी शामिल हैं और उन्होंने सार्क और यूरोप डेस्क भी संभाला है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्रित्व के अगले सत्र में धस्माना एनएसए के बतौर मोदी की पसंद हो सकते हैं। खास बात यह है कि उन्हें अजित डोभाल भी पसंद करते हैं, साथ ही वे उत्तराखंड से भी ताल्लुक रखते हैं।

हिमाचल प्रदेश 1998 बैच काडर के आईपीएस अफसर तपन डेका को जून 2022 में इंटेलिजेंस ब्यूरो का नया डायरेक्टर नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल इस साल जून के आखिर तक है। तेजतर्रार अधिकारी तपन डेका ने अपना ज्यादातर करियर इंटेलिजेंस ब्यूरो में ही गुजारा है। वे केंद्र सरकार के सबसे भरोसेमंद अफसरों में से एक रहे हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद, खासकर टारगेटेड किलिंग के मामलों को संभाला है। वे कई एंटी टेररिस्ट अभियानों में भी शामिल रहे हैं। जम्मू कश्मीर में इंटेलिजेंस से जुटा महत्वपूर्ण डाटा जुटाने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनके कई सफल ऑपरेशनों की खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बारीकी से निगरानी की है। वे भी नए एनएसए के पद के लिए कैबिनेट की नियुक्ति समिति की पसंद बन सकते हैं।

### मोदी का...

जो भी कट्टरपंथी को हराएगा, उनको हमारा समर्थन रहेगा। फवाद यही पर नहीं रुके, उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार तो भारत से मुसलमानों में नफरत पैदा कर रही है, पाकिस्तान के लिए भी उसने नफरत पैदा कर दी है। ऐसे में अब समय आ गया है जब इस प्रकार की विचारधारा को हराया जाए, इसे शिकस्त दी जाए।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

# पीएम मोदी और मेरी ताकत है जनता: योगी

## सीएम योगी ने कुशीनगर के हाटा में की जनसभा

**हाटा (कुशीनगर), 29 मई (एजेंसियां)।** कुशीनगर जनपद साक्षी है कि हम लोग 1985 से 2019 तक नारा लगाते रहे रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन सपा–बसपा और कांग्रेस राम मंदिर के मार्ग में बाधा बनती थी पर जैसे ही कमल को आपका आशीर्वाद मिला। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुझे अवसर मिला तो एक झटके में सारी बाधाएं दूर हुईं और अयोध्या में राम मंदिर बन गया। अब भावी पीढ़ी से कह सकेंगे कि राम मंदिर का निर्माण हमने अपनी आंखों से देखा है। कमल को वोट देने वाले ताल ठोककर कहें कि राम मंदिर का निर्माण हमने किया है। इसका श्रेय पीएम मोदी को जाता है, लेकिन मोदी–योगी की ताकत आप हैं। जब आप कमल के फूल पर सांसद–विधायक चुनते हैं तो यही हमारी ताकत बनते हैं और उसी के बल पर विकास आता है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने सिंचाई विभाग के पास हाटा कुशीनगर में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कुशीनगर से सांसद व भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार दुबे को पुनः सदन में भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार–400 पार का नारा सुन सपा को चक्कर आ रहा है, क्योंकि वह कभी 400 सीटों पर चुनाव लड़ ही नहीं सकती। सपा केवल 60 सीटों पर चुनाव लड़ रही। इसमें से पांच पर सैफई खानदान लड़ रहा है।

भीषण गर्मी में अपार जनसैलाब देख गदगद योगी ने मतदाताओं का आभार

जताया। बोले कि कुशीनगर में अभी एक घंटा और रहने की इच्छा थी, लेकिन आज पांच कार्यक्रम करने हैं। इतनी भीषण गर्मी में आपका उत्साह हमें आनंदित करता है। आज पूरा पडरौना और कुशीनगर हाटा में उमड़ा है। भीड़ के कारण पंडाल छोटा पड़ गया। लग रहा है कि जैसे त्योहार है। दुनिया वालों देखो, यही लोकतंत्र का पर्व है। लोकतंत्र कैसा होता है, हाटा में इसका नजारा दिख रहा है। यह जनसैलाब देख सूर्य देव भी कृपा बरसाकर छाया करने लगे हैं। मैं आश्वस्त करता हूं कि आपके पसीने का रिटर्न कुशीनगर का विकास करके देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ मोदी जी ने कायाकल्प किया तो दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में आपका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पडरौना में डोल मेला लगता था। जब भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आती थी तो सपा सरकार रोक लगा देती थी। यदि कार्यकर्ता डोल मेला निकालने का प्रयास करते थे तो पूरे पडरौना वालों को बंद कर देती थी। हम लोगों को लड़ाई लड़नी पड़ती थी। हाटा में हर बार दंगा होता था, लेकिन सात वर्ष में पूरे यूपी में कोई दंगा नहीं करता। आज कोई गोकशी, बेटी–व्यापारी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगा पाएगा। ऐसा करने की सोचने वाला खामियाजा भी भुगतेगा। बेटी–व्यापारी की सुरक्षा की कीमत अब जेल नहीं, जहन्नुम है।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में रामलला विराजमान हुए तो सुरक्षा में खतरा पैदा करने वालों की राम नाम सत्य की भी यात्रा निकली। अब कोई सुरक्षा में सेंध नहीं लगा पाएगा। अब पर्व–त्योहार सकुशल संपन्न हो रहे हैं। पडरौना फोरलेन की सड़कों से जुड़ चुका है। इस जनपद में मेडिकल कॉलेज कभी सपना था पर यह सपना अब अपना है। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का नया केंद्र बना है। यहां के गन्ने की मिठास कुशीनगर को नई पहचान दिला रही है। भगवान बुद्ध के नाम पर कृषि विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गई है। बहुत कम ऐसे जनपद हैं, जहां विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट और मेडिकल कॉलेज एक साथ है। उसमें से आपका भी जनपद है। यह नए उत्तर प्रदेश का नया कुशीनगर है। आपने अच्छे जनप्रतिनिधि चुने हैं, इसलिए वे प्रभावी पैरवी करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ विकास के लिए समर्पित भाजपा है तो कांग्रेस–सपा गठबंधन बांटो और राज करो की नीति पर काम कर रहे हैं। पहले देश, फिर भाषा–क्षेत्र और अब जाति के नाम पर बांटने का प्रयास कर रहे हैं। यह लोग पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण को मुसलमानों को बांट देंगे। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने कहा कि धर्म कभी आरक्षण का आधार नहीं हो सकता। कांग्रेस–सपा वाले मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर देश के विभाजन का आधार तैयार कर रहे हैं। यह पर्सनल लॉ लागू करना चाहते हैं। भाजपा भारत के अंदर तालिबानी शासन लागू नहीं होने देगी। भारत संविधान से चलेगा, शरियत कानून से नहीं। कांग्रेस का घोषणा पत्र कहता है कि सत्ता में आने पर अल्पसंख्यकों को खानपान की स्वतंत्रता देंगे। मुसलमान गोहत्या करके गोमांस खाना चाहते हैं, लेकिन हिंदू यह बर्दाश्त नहीं करेगा।

# बृजभूषण के बेटे करण भूषण के काफिले से टकराई बाइक, दो मरे

**गोंडा, 29 मई (एजेंसियां)।** कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के तेज रफ्तार गाड़ियों के काफिले से एक बाइक के टकराने के से तीन लोग इसकी चपेट में आ गए। जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य महिला की हालत नाजुक है, प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

हादसा करनैलगंज–हुजूरपुर मार्ग पर छतईपुरवा स्थित बैकुंठ डिग्री कालेज के करीब बुधवार की सुबह हुआ। दुर्घटना के बाद स्कॉर्ट में चल रही फॉर्च्यूनर गाड़ी छोड़कर मौके से बाकी लोग भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही मौके पर गांववालों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर विरोध के साथ–साथ आक्रोशित लोगों ने गाड़ी फूंकने की कोशिश भी की। हादसे के बाद कटराबाजार, परसपुर, कौड़िया व करनैलगंज थाने की पुलिस फोर्स ने मोर्चा संभाल लिया। करनैलगंज–हुजूरपुर मार्ग पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। एसडीएम, अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ करनैलगंज व सीओ सिटी के सामूहिक प्रयास और मुकदमे के आश्वासन के बाद आक्रोशितों ने जाम हटाया।

कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह के पुत्र और भाजपा उम्मीदवार करणभूषण सिंह के भारी भरकम काफिले में चल रही पुलिस स्पोर्ट फॉर्च्यूनर गाड़ी ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। निंदूरा निवासी रेहान खान (21) और शहजाद खान (20) ने मौके पर दम तोड़ दिया। वहीं सड़क के किनारे जा रही छतईपुरवा निवासी सीता देवी (60) को भी टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और महिला गंभीर रूप से घायल है, उसे मेडिकल कॉलेज गोंडा रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काफिला करनैलगंज से हुजूरपुर की तरफ जा रहा था जबकि बाइक सवार युवक करनैलगंज आ रहे थे। वाहनों के काफिले में सबसे आगे कैसरगंज के भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह की गाड़ी चल रही थी। काफिले में सुरक्षाकर्मियों को लेकर चल रही फॉर्च्यूनर यूपी–32 एचडब्ल्यू–1800 भी हादसे के बाद क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के भीतर सभी एयरबैग खुल गये। यह वाहन नंदिनी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के नाम पंजीकृत है।

घटना के बाद मौके पर तनाव के हालात हो गये। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी, चक्का जाम और युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए न ले जाने की जिद पर अड़े लोगों से पुलिस की तीखी नोकझोंक हुई। काफी जद्दोजहद और मान–मनौवल के बीच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। उसके बाद मौके पर खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी को फूंकने का प्रयास किया गया। गाड़ी पर पुलिस स्कॉर्ट लिखा है और काफिले में यह साथ चल रही थी। भारी संख्या में पुलिस ने पहुंचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया।

लोगों के उग्र होने की स्थिति को देखते हुए आसपास के थानों की पुलिस, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस क्षेत्राधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे और उग्र लोगों को किसी तरह शांत कराया। घटना की तहरीर मृतक युवकों के परिजन महिला चंदा बेगम की तरफ से कोतवाली में दी गई है।

# रियल इस्टेट कारोबारी बने सौ किसानों ने 25 करोड़ का टैक्स चुराया

**कानपुर, 29 मई (एजेंसियां)।** कानपुर में खेतिहर जमीन को आवासीय में बदलवाकर किसान छोटे–छोटे प्लॉट बनाकर बेच रहे हैं। इससे करोड़ों रुपए की कमाई तो कर रहे हैं, लेकिन सरकार को कर नहीं दे रहे हैं। कानपुर रीजन के आगरा में ऐसा मामला पकड़ में आने के बाद विभाग ने कानपुर शहर में भी जांच कराई, तो बड़ा खेल पकड़ में आया। आयकर विभाग ने शहर के 100 किसानों को चिह्नित कर नोटिस भेजे हैं। इन पर करीब 25 करोड़ रुपए की देनदारी निकली है। ये नोटिस वित्तीय वर्ष 2020–21 में प्लॉटिंग के जरिये की गई कमाई के आधार पर दिए गए हैं। दरअसल, आयकर विभाग कर चोरी और काले धन को रोकने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

इस मामले में विभाग को सालाना सूचना विवरण (एआईएस) और 18 स्रोतों से जानकारी मिली की रियल इस्टेट कारोबारी बने किसान बड़े पैमाने पर आयकर की चोरी कर रहे हैं। इसके लिए प्लॉट इतने छोटे काट रहे थे कि उनकी कीमत 30 लाख रुपए से कम रहे, ताकि आयकर की नजर से बचे रहें। आयकर विभाग के मुताबिक आसूचना एवं आपराधिक अन्वेषण शाखा ने वित्तीय वर्ष 2020–2021 में प्लॉटिंग कर करोड़ों रुपए कमाने वाले 100 किसानों को नोटिस भेजा है। इन मामलों में या तो रिटर्न ही नहीं दाखिल किए गए या आय को पूरी तरह से छिपाया गया।

कानपुर रीजन (पश्चिमी उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड) के आगरा शहर में एक किसान ने अपनी पुश्तैनी जमीन बेचने के लिए एक व्यक्ति से करार किया। इसकी जानकारी आयकर विभाग को लगी। विभाग ने जब उपनिबंधक कार्यालय से जानकारी जुटाई तो पता चला कि करार रद्द हो चुका है। इसके बाद विभाग ने किसान के बारे में जांच–पड़ताल की तो मालूम हुआ कि उसने पुश्तैनी जमीन पर 50 से अधिक प्लॉट काटे और बेचकर रजिस्ट्री की। इससे उसने करोड़ों रुपए कमाए, लेकिन टैक्स नहीं अदा किया।

अब किसान पर साढ़े पांच करोड़ रुपए कर की देनदारी निकली है। विभाग ने किसान के साथ–साथ उससे जमीन खरीदने वालों को भी नोटिस जारी कर टैक्स अदा करने का आदेश जारी किया है।

दरअसल, 30 लाख या इससे अधिक के प्लॉट की रजिस्ट्री होने पर रजिस्ट्रार कार्यालय आयकर विभाग को सूचना भेजता है। इन किसानों ने जो प्लॉट बेचे हैं, उनकी कीमत 30 लाख से कम दिखाई गई है। इस वजह से आयकर विभाग को जानकारी नहीं हो पाई, लेकिन जब आगरा रीजन में ऐसा मामला पकड़ में आया, तो अन्य शहरों में भी जांच शुरू कराई गई। इस जांच में ही कानपुर के 100 किसानों की गर्दन फंस गई।

# माफिया की तरह ही हमने इन्सेफलाइटिस भी समाप्त किया : योगी

### सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए हुई चुनावी जनसभा

**देवरिया, 29 मई (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जैसे प्रदेश से माफिया का सफाया किया गया है, वैसे ही पूर्वांचल से इन्सेफलाइटिस को भी समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने सपा और कांग्रेस को भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाली पार्टी बताया। कहा कि सपा माफिया परस्त है और अपराधियों को अपने गले का हार बनाती है। वहीं कांग्रेस अमेरिका की तरह देश में विरासत टैक्स लगाना चाहती है, जो औरंगजेब का जजिया कर है। सीएम योगी ने कहा कि आज कोई भी शरीफ मुसलमान अपने बेटों का नाम औरंगजेब नहीं रखता, क्योंकि उसने अपने भाई की हत्या और पिता को कैद करके पानी–पानी के लिए तरसा दिया था। योगी आदित्यनाथ बुधवार को भाटपार रानी के बीआरडी इंटर कॉलेज मैदान में सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी रविन्द्र कुशवाहा के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने देवरहा बाबा और बाबा राघव दास की पावन धरा को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में 48 डिग्री तक गर्मी पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि भाटपार रानी वासियों के लिए इस बात का आश्वासन देने आया हूं कि आप जो पसीना बहा रहे हैं, इसके लिए भाजपा सरकार इस पूरे क्षेत्र का विकास करके आपका कर्ज चुकाने का काम करेगी। सीएम योगी ने कहा कि देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। इस नारे से ही सपा, कांग्रेस और बसपा को चक्कर आने लगता है। उनके पास इतनी सीटों पर लड़ने के लिए प्रत्याशी ही नहीं मिले। अब तो जनता कहती है कि ''जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और 2024 में फिर से कमल खिलाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में विकास के बड़े बड़े कार्य हो या गरीब कल्याण के माध्यम से गरीबों के चेहरे पर खुशहाली लाने का कार्य हो, मोदी जी ने देश के लिए 10 साल अहर्निश प्रयास और तपस्या की है। कहा कि देश में पहले आतंकी घटनाएं होती थीं। आज आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो चुका है। अब पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। ये परिवर्तन आपके एक वोट के कारण हुआ है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि यहां मेडिकल कॉलेज कभी सपना था, मगर आज बाबा देवरहा के नाम पर मेडिकल कॉलेज है। पहले पानी के लिए तरसना होता था, आज हर घर नल की योजना है।विकास के बड़े बड़े कार्य नये भारत की पहचान बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार में गरीब भूख से मरता था। आज 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन, 60 करोड़ को 5 लाख तक का मुफ्त उपचार, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, 12 करोड़ घरों में शौचालय, 10 करोड़ घरों को उज्ज्वला योजना देने का कार्य हुआ है। इसके साथ ही 4 करोड़ गरीबों के घर बन चुके हैं। 4 जून के बाद 3 करोड़ गरीबों के लिए और घर बनेंगे। आज अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है। उन्होंने कहा कि सपा के समय भाटपार में दंगा करके हिन्दुओं की झोपड़ियों को जलाकर उन्हें बंद कर दिया गया था, तब मैं यहां आया था और उन्हें छुड़ाने का काम किया था। मगर आज यूपी में दंगा नहीं होता है। आज तो कर्फ्यू नो दंगा यूपी में सब चंगा है। पर्व त्योहार शांतिपूर्वक मनाए जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस पर्सनल लॉ के जरिए देश में तालीबानी शासन लागू करना चाहती है। इसका मतलब बेटियां स्कूल और महिलाएं बाजार और ऑफिस नहीं जा पाएंगी। मगर हम घोषणा करते हैं कि देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा। ये कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे, ये अमेरिका में लगता है, जहां संयुक्त परिवार ना के बराबर है। सपा और कांग्रेस कहती है कि सत्ता में आने के बाद हमारे पूर्वजों की आधी प्रॉपर्टी ये लोग ले लेंगे। फिर उसपर किसी पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और अफगानिस्तानी मुसलमान को बसा देंगे। ये औरंगजेब का जजिया कर है। हमें औरंगजेब को फिर से जिंदा नहीं होने देना है। कांग्रेस और सपा के लोग भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, विधायक सभा कुंवर कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी, विनोद शंकर दुबे, राजकुमार शाही, अजय उपाध्याय, कुंजबिहारी सिंह, जयनाथ कुशवाहा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

## जब भी मौका मिला तो देश से गद्दारी करेंगी कांग्रेस-सपा

# जब भी मिली दो लड़कों की जोड़ी, तब हुआ अनर्थ : योगी

### गोरखपुर के प्रत्याशी रवि किशन के पक्ष में सहजनवा में हुई जनसभा

**गोरखपुर, 29 मई (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस, सपा समेत इंडी गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी जहां मोदी जी के नेतृत्व में विकास, गरीब कल्याण, देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए कार्य कर रही है वहीं सपा और कांग्रेस भारत के विभाजन के लिए कुत्सित षड्यंत्र कर रही हैं। इनका घोषणा पत्र कहता है कि इन्हें अवसर मिला तो ये पार्टियां देश के साथ गद्दारी करेंगी, देश को धोखा देंगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि देश ने देखा है कि दो लड़कों की जोड़ी जब भी मिली, अनर्थ ही हुआ।

सीएम योगी बुधवार को गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद व प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में सहजनवा में आयोजित जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा की वर्तमान सरकार और केंद्र में पूर्व की कांग्रेस और यूपी में पूर्व की सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार और यूपी में सपा की सरकार थी तो अयोध्या में राम मंदिर और काशी में संकटमोचन मंदिर में आतंकी हमला हुआ था। आज ये लोग फिर उसी मंशा के साथ

आकर देश के सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करना चाहते हैं। कांग्रेस–सपा की मंशा पर्सनल लॉ लागू करने की है। सीएम योगी ने कहा कि पर्सनल लॉ लागू करने का मतलब तालीबानी शासन है। ये लोग मोदी सरकार में खत्म की गई तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से लागू करना चाहते हैं। पर्सनल लॉ लागू हुआ तो बेटी स्कूल नहीं जा सकेगी, महिला बाजार या ऑफिस नहीं जा सकेगी। घर में बुर्का पहनकर दबाकर रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा यह घोषणा कर रही है कि यह देश बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से ही चलेगा। हम देश को शरीयत से नहीं चलने देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन यानी कांग्रेस और सपा की मंशा वरासत टैक्स लगाने की है। यह एक प्रकार से वही जजिया कर है जिसे क्रूर मुगल बादशाह औरंगजेब ने हिंदुओं पर लगाया था। औरंगजेब इतना क्रूर शासक था कि उसने अपने भाई की हत्या कर दी थी, अपने बाप को जेल में डालकर एक–एक बूंद पानी के लिए तरसा दिया था। औरंगजेब की क्रूरता की दास्तान के दस्ता–वेज कोई भी पटना लाइब्रेरी में जाकर देख सकता है। सीएम ने कहा कि औरंगजेब के बाप शाहजहां ने कहा था कि औरंगजेब जैसा पुत्र किसी के घर न पैदा हो। इसने अपने बाप को जीते जी पानी के लिए तरसा दिया।

इससे अच्छे तो हिंदू हैं जो जीते जी अपने माता–पिता का ख्याल तो रखते ही हैं, मरने के बाद भी श्राद्ध और तर्पण से भी उन्हें सम्मान देते हैं। इसी क्रूर औरंगजेब ने जजिया कर लगाया था। जो हिंदू, मुस्लिम धर्म कबूल नहीं करता था उसे जजिया कर देना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में फिर से किसी औरंगजेब को पैदा नहीं होने देना है। देश के लोगों को मिलकर कांग्रेस और सपा की साजिश को विफल करना है।

सीएम योगी ने कहा कि देश की जनता ने जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना तो बड़े–बड़े विकास कार्य हुए। सबको सुरक्षा मिली। सबको सम्मान मिला। देश का दुनिया में सम्मान बढ़ा। गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सबको मिला। विरासत के संरक्षण के साथ आस्था का सम्मान करते हुए अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण भी हुआ। यह सब जनता जनार्दन के वोट के कारण ही हुआ।

### डूंगरपुर बस्ती खाली कराने और लूटपाट के मामले में

# आजम खान और बरकत अली दोषी करार

**रामपुर, 29 मई (एजेंसियां)।** डूंगरपुर बस्ती केस के एक और मामले में सपा नेता आजम खान को कोर्ट ने दोषी करार दे दिया है। आजम खान इन दिनों जेल में बंद हैं। डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के मामले में 12 लोगों ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें आजम खां को आरोपी बनाया गया है। सजा कल बृहस्पतिवार को सुनाई जाएगी। सपा नेता आजम खान के खिलाफ 2019 में डूंगरपुर में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में गंज थाने में अलग–अलग 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। इसमें से तीन मुकदमों में फैसला आ चुका है। दो मामलों में सपा नेता बरी हो चुके हैं, जबकि एक मामले में सपा नेता को सात साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। सपा नेता फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं। इस मामले में बुधवार को कोर्ट ने आजम खां व ठेकेदार को दोषी करार दिया है। कोर्ट इस मामले में सपा नेता आजम खां व ठेकेदार बरकत अली को कल सजा सुनाएगा।

उल्लेखनीय है कि डूंगरपुर निवासी अबरार हुसैन ने गंज थाने में 13 अगस्त 2019 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी,जिसमें आरोप लगाया था कि तत्कालीन सीओ आले हसन, दरोगा फिरोज खान, ठेकेदार बरकत अली, सीएंडडीएस के जेई परवेज आलम ने छह दिसंबर 16 की सुबह बस्ती में पहुंचे और उनसे मकान खाली करने को कहा। आरोप है कि दरोगा फिरोज ने फायर भी किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345



शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हैदराबाद की छमाही बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद की वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही बैठक 28 मई 2024 को सम्पन्न हुई। राजेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित उक्त बैठक में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंगलुरु से अनिर्बान कुमार बिश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजेश महाना, महाप्रबंधक - भारतीय रिज़र्व बैंक, डॉ. के.वी.एस. प्रसाद, महाप्रबंधक - नाबार्ड (आंध्र प्रदेश) एवं ओम नारायण शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक -भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, अमरावती विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक का शुभारंभ नराकास सदस्य सचिव एवं सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) अजय कुमार तिवारी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने मुख्य अतिथि, सभी गणमान्यों एवं सदस्यों का स्वागत किया और बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत की। उन्होंने पिछली छमाही बैठक से अब तक आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा दिया।

इसी क्रम में सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई। राजेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एवं नराकास अध्यक्ष ने सभी सदस्य कार्यालयों का मार्गदर्शन किया और राजभाषा कार्यान्वयन की गति बनाए रखने और निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य हिंदी करती है।

राजभाषा को लागू करने के लिए हमें अपने विचार और मानसिकता को बदलना नितांत आवश्यक है। आगामी छमाही की कार्ययोजना पर चर्चा के बाद विगत छमाही में सदस्य कार्यालयों में नराकास के तत्वावधान में आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में उत्कृष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाले सदस्य कार्यालयों को राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके तहत हिंदी में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (अमरावती), भारतीय जीवन बीमा निगम, राष्ट्रीय आवास बैंक, सिडबी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज़ बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, नाबार्ड-तेलंगाना को पुरस्कृत किया गया।उप निदेशक बिश्वास ने अपने संबोधन में सदस्य कार्यालयों को राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित रिकॉर्ड कीपिंग के प्रति सजग रहने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि हमें राजभाषा से संबंधित आंकड़ों को लेकर गंभीर होना चाहिए।कार्यक्रम के समापन पर श्री जितेंद्र कुमार शर्मा, उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया और बैठक संपन्न हुई।

## नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में होमगार्ड गिरफ्तार

**हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना में कोदुर कानून एवं व्यवस्था पुलिस स्टेशन के एक होमगार्ड जवान को मंगलवार को वेंकटाद्रि एक्सप्रेस ट्रेन में एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद वेंकटरेड्डी नगर, रामनाथपुर, हैदराबाद के टी प्रताप (43) और रेलवे कोदुर, पगडपल्ले (एम), कडप्पा जिला, आंध्र प्रदेश के मूल निवासी को गिरफ्तार किया।

प.पू. शासन प्रभावीका प्रवर्तनी पद विभूषिता श्री वाच्यामा महाराज साहब के 75वीं दीक्षा जयंती के अवसर पर श्री राजस्थानी जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में श्री आदिनाथ प्रभू की भव्य आगी रचाई गई और 108 दिये की आरती उतारी गई। इसके लाभार्थी अनराज मदनराज राई सोनी परिवार के विनयराज वर्धमान राय सोनी थे। इस अवसर पर दिक्षा जयंती के संयोजक मानिकचंद समदरीय , भाग्यश्री गोलेच्छा, प्रेमचंद मर्लेचा, सज्ञनराज गुगलिया, अभय कोठारी, देवेंद्र समदरीया, भरतभाइ शाह, सुरेश जैन, पण्डित शुक्ला आदि उपस्थित थे।

## एनएमडीसी में मासिक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन

**हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** एनएमडीसी लिमिटेड में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को त्वरित गति देने के उद्देश्य से लागू मासिक हिंदी प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत बुधवार दि. 29 मई, 2024 को हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता हिंदीभाषी तथा हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए पृथक रूप से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रूचि के साथ प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम के प्रारंभ मेंरूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के विषय में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि आज की हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एक लिखित प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्न दैनिक कार्यालयीन कामकाज से संबंधित है तथा इनके अभ्यास से प्रतिभागियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज को राजभाषा हिंदी में करने में में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि एनएमडीसी मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक) के निर्देशानुसार यह प्रतियोगिता निरंतर आयोजित की जा रही है तथा यह प्रयास किया जा रहा है कि इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक कार्मिक भाग लें ताकि उनमें राजभाषा हिंदी के प्रति रूचि में वृद्धि हो।

इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एच.एस. प्रभु, महाप्रबंधक (कम्प्यूटर एवं सूचना सेवाएं) ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि एनएमडीसी राजभाषा के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है तथा इसे हाल ही में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से प्रथम पुरस्कार के रूप में राजभाषा शील्ड प्राप्त हुई है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय एनएमडीसी कार्मिकों को देते हुए सभी उपस्थित प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन में देबाशीष घोष, प्रबंधक (राजभाषा); एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री फौजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

## अग्रवाल समाज एसआर नगर शाखा की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

**हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज एस आर नगर शाखा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें सावन की सैर आगामी अगस्त माह में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा की बैठक अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता के कार्यालय में संपन्न हुई। मानद मंत्री राकेश अग्रवाल ने सावन की सैर अगस्त माह में मनाने का प्रस्ताव रखा। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। शाखा

में वर्ष भर की गतिविधियों की जानकारी दी गई। आने वाले 8 जून को मृगशिरा कार्यक्रम में सभी को उपस्थित होने की अपील की गई। अग्रवाल समाज एसआर नगर शाखा की वार्षिक साधारण सभा आगामी दि. 9 जून को बुलाने का निर्णय भी लिया गया।उक्त बैठक में अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता, उपाध्यक्ष रविंद्र खेतान, मानद मंत्री राकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सोनू अग्रवाल, सदस्य मनोज अग्रवाल, हरीश अग्रवाल एवं राजेश अग्रवाल ने भाग लिया।

डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा प्रकाशित और संपादित मासिक हिन्दी अग्रमंच के मई अंक का लोकार्पण करते हुए वरिष्ठ फिजिशियन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, उस्मानीया मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिन्सिपल डॉ. बी. प्रभाकर, कंसलटेंट फिजिशियन डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल, वरिष्ठ आयुर्वेदिक फिजिशियन और लेखक डॉ. महेश शर्मा और आरोग्य अस्पताल के निदेशक तथा Consultant जनरल सर्जन डॉ. मोहन गुप्ता आदि उपस्थित थे।

## उस्मानिया विश्वविद्यालय ने पांच पीजी कार्यक्रमों को बंद करने की खबरों को खारिज किया

**हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** उस्मानिया विश्वविद्यालय ने बुधवार को मीडिया के एक वर्ग द्वारा पांच स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को बंद करने के बारे में किए गए दावों का जोरदार खंडन किया। रिपोर्टों में फ़ारसी, मराठी, कन्नड़, अरबी और थिएटर कला के पाठ्यक्रमों को बंद करने का संकेत दिया गया था। विश्वविद्यालय ने जोर देकर कहा कि किसी भी कार्यक्रम को बंद करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।कम

आवेदन दर वाले पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वे एक सख्त प्रवेश प्रोटोकॉल का पालन करते हैं। ऐसे मामलों में जहां किसी विशिष्ट कार्यक्रम के लिए आवेदकों की संख्या उपलब्ध सीटों से कम है, यह प्रवेश परीक्षाओं को खत्म करते हुए सीधे प्रवेश का विकल्प चुन सकता है।छात्रों और अभिभावकों से अटकलों पर भरोसा न करने का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि आधिकारिक घोषणाएं नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.osmania.ac.in/ पर प्रकाशित की जाती हैं।

## श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर मूसापेट में सुंदरकांड पाठ अयोजित

**मूसापेट, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्री राम भक्त मंडली हैदराबाद के पाँच युवा बंधू आनंद उपध्याय, रवि उपाध्याय, रोहित व्यास, गिरिराज तिवाड़ी और नितेश व्यास द्वारा पिछले तीन वर्ष से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सुंदरकांड पाठ व भव्य प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम को जारी रखते हुए श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर रेलवे गुड्स शेड, मूसापेट में 1008 श्री

महामंडलेश्वर मदन मोहन दास महाराज के सान्निध्य में सुंदरकांड पाठ सम्पन्न हुआ। सुंदरकांड पाठ में पुरुष एवं महिलाओं ने भाग लिया और भोले शंकर एवं हनुमान जी के भव्य श्रृंगार को निहारते रहे। इस आयोजन में सिखवाल समाज के बंधु एवं अन्य भक्तगण उपस्थित थे। आरती के पश्चत भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया व भव्य आयोजन के तहत युवाओं को सभी भक्तों ने शुभकामनाएं प्रदान की।

# एनएमडीसी का वित्त वर्ष 24 में इस्पाती प्रदर्शन

**हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**
भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने सोमवार को वित्त वर्ष 24 के परिणाम घोषित किए । वित्त वर्ष 24 में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज करते हुए कंपनी ने लौह अयस्क का 45.02 मिलियन टन उत्पादन किया और 44.48 मिलियन टन बिक्री की । वित्त वर्ष 23 की तुलना में उत्पादन में 10% की वृद्धि और बिक्री में 16% की वृद्धि दर्ज करते हुए एनएमडीसी अब भारत की पहली खनन कंपनी है जो लौह अयस्क उत्पादन में 45 मिलियन टन को पार कर गई है । कंपनी का वित्त वर्ष 24 का वित्तीय निष्पादन इसके ऐतिहासिक उत्पादन के अनुरूप रहा । एनएमडीसी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के टर्नओवर रू.17,667 की तुलना में रू.21,294 का टर्नओवर दर्ज किया, जो कि 21% की वृद्धि है ।

आंकड़ों के शीर्ष स्थान पर एनएमडीसी का वित्त वर्ष 24 में असाधारण मदों से पहले कर पूर्व लाभ (पीबीटी) रू.8,294 करोड़ है, जो कि वित्त वर्ष 23 के रू.6,399 करोड़ पर 30% की वृद्धि है । हालांकि वर्तमान वर्ष में रू.282 करोड़ का असाधारण व्यय हुआ, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में रू.1,237 करोड़ (निगरानी समिति तथा एनआईएनएल में निवेश की बिक्री से प्राप्त राशि) की असाधारण आय हुई थी । इसके परिणामस्वरूप असाधारण मदों के बाद पीबीटी में मात्र 5% की वृद्धि हुई है । कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) वित्त वर्ष 24 में रू.5,632 करोड़ रहा, जो कि वित्त वर्ष 23 के रू.5,529 करोड़ पर 2% की वृद्धि है । सार्वजनिक

क्षेत्र की नवरत्न कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में अपने शेयर धारको को रू.1.50 का दूसरा एवं अंतिम लाभांश घोषित किया, जो कि आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयर धारकों के अनुमोदन के अधीन है । इस वित्त वर्ष के लिए पहले अंतरिम लाभांश रू. 5.75 सहित कुल लाभांश रू.7.25 प्रति शेयर होता है ।

वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही के दौरान एनएमडीसी ने लौह अयस्क का 13.24 मिलियन टन उत्पादन किया और 12.54 मिलियन टन की बिक्री की है । कंपनी ने रू.6,475 करोड़ का टर्नओवर दर्ज किया, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11% अधिक है, कर पूर्व लाभ (पीबीटी) असाधारण मदों के पहले रू.2,435 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 19% अधिक है । हालांकि वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में रू.30 करोड़ का असाधारण व्यय हुआ, जबकि वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में रू.1,237 करोड़ की असाधारण आय हुई थी (निगरानी समिति तथा एनआईएनएल में निवेश की बिक्री से प्राप्त राशि), जिसके परिणामस्वरूप असाधारण मदों के पश्चात पीबीटी में 27% की कमी हुई और यह रू.3,285 करोड़ से घटकर रू.2,405 करोड़ हो गया । कंपनी ने वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में रू.1,462 करोड़ का पीएटी रिपोर्ट किया ।

वर्ष 2023-24 के लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों का अनुमोदन श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी की अध्यक्षता में 27 मई, 2024 को सम्पन्न कंपनी की निदेशक मंडल की बैठक में किया गया ।

प्रभावशाली प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि 45 एमटी का आंकड़ा पार करने की हमारी उपलब्धि भारतीय खनन उद्योग में एक ऐतिहासिक क्षण है । राष्ट्र के विकास को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण उद्योगों को मजबूत करने में हमारी भूमिका को यह उजागर करता है । आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, वस्तुओं की अस्थिर कीमतों और पर्यावरणीय विषयों का सामना कर रही है, एनएमडीसी सुस्थिर कार्यकलापों, प्रौद्योगिक नवाचार और हितधारकों से जुड़ाव के अपने लक्ष्य में दृढ़ संकल्पित होकर शक्ति और सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में उभर रहा है ।

# 3.94 करोड़ रुपए के साथ यदाद्रि हुंडी ने नया रिकॉर्ड बनाया

**यदाद्री, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
यदाद्री श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर ने 35 दिनों के लिए हुंडी आय के रूप में 3,93,88,092-00 शुद्ध नकदी प्राप्त करके एक सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया है।

इसमें 174 ग्राम मिश्रित सोना और 7 किलोग्राम मिश्रित चांदी के साथ-साथ 1359 यूएसए डॉलर, 25 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, इंग्लैंड से 55 पाउंड, यूएई से 65 दिरहम और यूरोप से 20 यूरो, नेपाल से 10 रुपये, 30 कनाडाई डॉलर और अन्य विदेशी मुद्रा शामिल हैं।

गौरतलब है कि पिछला मंदिर हुंडी रिकॉर्ड 35 दिनों के लिए 2.82 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी का था।

# एसीबी ने उमामहेश्वर राव को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लिया

**हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) के सहायक पुलिस आयुक्त उमाहेश्वर राव को बुधवार को आगे की पूछताछ के लिए चंचलगुडा जेल से हिरासत में ले लिया।

राव को आय से अधिक संपत्ति के मामले में 22 मई को गिरफ्तार किया गया था।

एसीबी अधिकारियों ने 10 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने केवल 3 दिन की अनुमति दी। गौरतलब है कि अधिकारियों ने 3.95 करोड़ रुपये की संपत्ति की पहचान की थी। राव को पहले गिरफ्तार किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

# विजयवाड़ा रेलवे डिवीजन ने पहली बार डब्ल्यूसीएमएस क्रॉसिंग का निर्माण किया

**विजयवाड़ा, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के विजयवाड़ा डिवीजन ने पहली बार वेटापलेम यार्ड सेक्शन में वेल्डेबल कास्ट मैंगनीज स्टील (डब्ल्यूसीएमएस) क्रॉसिंग को सफलतापूर्वक बिछाया है।

यह अभिनव तकनीक रेल परिचालन में सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए डिवीजन के चल रहे प्रयासों में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

हाल ही में व्यस्त विजयवाड़ा-गुदुर सेक्शन में वेटापलेम यार्ड में डाउन लाइन पर डब्ल्यूसीएमएस क्रॉसिंग बिछाई गई थी। वेल्डेबल कास्ट मैंगनीज स्टील क्रॉसिंग (डब्ल्यूसीएमएससी) का उपयोग करने का मूल उद्देश्य भारतीय रेलवे ट्रैक को बढ़ी हुई गति और भारी एक्सल लोड (एचएएल) से निपटने के लिए आधुनिक बनाना है।

डब्ल्यूसीएमएस क्रॉसिंग रेलवे ट्रैक में जंक्शनों पर महत्वपूर्ण हैं जहां दो रेल क्रॉस होती हैं। वे आधुनिक रेलवे की बढ़ी हुई गति और एचएएल विशेषता को संभालने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो ट्रेन के पहियों को एक ट्रैक से दूसरे ट्रैक पर

सुचारू रूप से स्थानांतरित करना सुनिश्चित करते हैं।

वर्तमान में, ट्रैक को लॉन्ग वेल्डेड रेल यानी ब्लॉक सेक्शन (स्टेशन से स्टेशन) की लंबाई पर एक सिंगल रेल के साथ बिछाया जाता है।

अब तक जोड़-मुक्त तकनीक की कमी के कारण यार्ड को टर्न-आउट के पीछे फिश-प्लेटेड जोड़ों से अलग किया जा रहा है।

हालांकि, डब्ल्यूसीएमएससी क्रॉसिंग के रूप में प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, सभी मलॉन्ग वेल्डेड रेलफ को यार्ड/टर्नआउट सहित मनिरंतर वेल्डेड रेलफ में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके साथ, हम डिवीजन की अधिकतम लंबाई में जोड़-मुक्त ट्रैक देख सकते हैं, साथ ही सुरक्षा मानकों में भी वृद्धि कर सकते हैं।

इससे सवारी का अनुभव बेहतर होगा, और बिना किसी झटके के गुणवत्ता बढ़ेगी, साथ ही सुरक्षा और गति भी बढ़ेगी, खासकर यार्ड के बिंदुओं पर। खासकर, 130 किमी प्रति घंटे की गति वाले खंडों में, यह ट्रेनों के लिए बिना किसी परेशानी के अपनी यात्रा जारी रखने के लिए प्रमुख मानदंडों में से एक है। यह डब्ल्यूसीएमएससी क्रॉसिंग बेहतर ताकत, स्थायित्व और टूट-फूट के प्रति प्रतिरोध प्रदान करती है। यह अग्रणी तकनीक पारंपरिक फिशप्लेट और जोड़ों की आवश्यकता को समाप्त करती है, जिससे एक निर्बाध और सुचारू रेल यात्रा सुनिश्चित होती है।

इस अवसर पर बोलते हुए, विजयवाड़ा मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल ने कहा, हमें इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को हासिल करने पर गर्व है, जो नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वेल्डेबल कास्ट मैंगनीज स्टील क्रॉसिंग से सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और रखरखाव लागत में कमी आएगी, जिससे यात्रियों और माल ढुलाई ग्राहकों दोनों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि डिवीजन उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेगा, समग्र रेल अनुभव को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करेगा। उन्होंने कहा कि इस तकनीक का सफल कार्यान्वयन आधुनिकीकरण और रेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए डिवीजन के समर्पण का प्रमाण है।

# किसान बीज की कमी के कारण परेशान

**आदिलाबाद/संगारेड्डी, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
करीब 10 साल के अंतराल के बाद, कपास और अन्य बीजों की कमी का सामना कर रहे किसान मंगलवार को आदिलाबाद और अंडोल में कतारों में खड़े देखे गए।

आदिलाबाद में किसान सुबह-सुबह बीज बेचने वाली एजेंसियों पर पहुंचे और कतारों में खड़े हो गए। आदिलाबाद में पुलिस किसानों को नियंत्रित करती दिखी। हालांकि आरोप है कि पुलिस ने किसानों पर लाठियां बरसाईं, लेकिन पुलिस ने इससे इनकार किया है।

किसानों ने आरसीएच 659 कपास के बीजों की कमी की बात कही। भीमपुर मंडल के किसान भुमन्ना और रामू ने बताया कि वे सुबह 7 बजे बीज की दुकान पर पहुंचे और दोपहर तक 43 डिग्री सेल्सियस की तपती धूप में बिना कुछ खाए-पिए कतार में इंतजार किया। उन्होंने यह भी बताया कि कृषि अधिकारियों ने मंडल स्तर पर खाद की दुकानों को लाइसेंस जारी किए हैं, लेकिन इन दुकानों पर बीज का स्टॉक नहीं है।

अगर स्थानीय स्तर पर बीज उपलब्ध होते, तो किसानों को आदिलाबाद आने की जरूरत नहीं पड़ती। भीमपुर, तमसी, तलमादुगु, जयनाथ, बेला और आदिलाबाद ग्रामीण मंडलों के किसान बीज के लिए जिला मुख्यालय पहुंचे।

कई घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद किसानों को जरूरी मात्रा में बीज नहीं मिल पाए। उन्हें सिर्फ दो पैकेट बीज दिए गए और वह भी आधार कार्ड नंबर बताने के बाद। कृषि अधिकारियों ने बताया कि जिले में करीब 11 लाख पैकेट कपास के बीज की जरूरत है, जिसमें से करीब आठ लाख पैकेट उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने आरसीएच 659 बीज के 1.2 लाख पैकेट मांगे थे, जिनमें से 45,000 पैकेट उपलब्ध थे और मंगलवार को 17,000 पैकेट वितरित किए गए।आदिलाबाद जिले में 5.87 लाख एकड़ के अनुमानित फसल क्षेत्र के साथ, कपास की खेती 4.10 लाख एकड़ में होने की उम्मीद है। जिला कृषि अधिकारी पुलैया ने स्टॉक की पुष्टि करते हुए कहा कि बाजार में सभी प्रकार के ब्रांड उपलब्ध हैं और किसानों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है।अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल के विपरीत इस साल छह से सात मंडलों में आरसीएच 659 किस्म की मांग अधिक रही। वे किसानों को पर्याप्त बीज उपलब्ध कराने के लिए बीज कंपनियों से बातचीत कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए चेकपोस्टों की निगरानी कर रहे हैं कि राज्य में उपलब्ध बीज महाराष्ट्र में न भेजे जाएं।

अंडोले के पुलकल मंडल में, किसानों ने कतार में पासबुक और पत्थर रखकर जीलुगा बीज (ढैंचा बीज) प्राप्त करने के लिए अपनी बारी का इंतजार किया, जिसका उपयोग हरी खाद तैयार करने के लिए किया जाता है।सांगारेड्डी जिले के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने पुलकल मंडल को 600 क्विंटल जीलुगा बीज आवंटित किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि इसमें से 380 क्विंटल वर्तमान में उपलब्ध हैं, शेष बीज अगले दो दिनों में उपलब्ध करा दिए जाएंगे।बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने एक बयान में आदिलाबाद में किसानों पर लाठीचार्ज की निंदा की। उन्होंने किसानों पर हमले के लिए सरकार से माफी की मांग की। रामा राव ने किसानों पर लाठीचार्ज में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार और नई दिल्ली के दौरे में व्यस्त हैं, जबकि राज्य में किसानों पर हमले हो रहे हैं। यह निर्विवाद प्रशासनिक विफलता है कि राज्य सिर्फ पांच महीनों में कृषि संकट में फंस गया है।

# कागजनगर माहेश्वरी समाज की बैठक सम्पन्न

**काग़ज़नगर 29 मई (शुभ लाभ ब्युरो)।**
कागजनगर माहेश्वरी समाज की आम बैठक बुधवार को कागजनगर कस्बे के राजस्थान भवन में आयोजित की गई। बैठक में महासचिव द्वारिका झावर ने कहा कि माहेश्वरी समाज की बैठक आगामी रविवार, दि. 2 जून को स्टाणिका संतोष फंक्शन हॉल में आयोजित की जा रही है।उक्त बैठक का मुख्य उद्देश्य युवाओं को पश्चिमी रुझानों का अनुसरण करने से रोकना, पारंपरिक हिंदू धर्म की रक्षा करना, देश की सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करना और युवाओं को सही रास्ते पर ले जाने की जिम्मेदारी देना है।

माहेश्वरी समाज नगर अध्यक्ष शंकर लाल, महासचिव द्वारका झांवर, कोषाध्यक्ष, पंकज असावा, महेश लोया, महावीर सोनी, बंकट असावा, वेणु लोया, श्याम सुंदर झांवर, बृज मोहन असावा, पुनित मूंदड़ा, राम मोहन सोनी, श्याम सोनी, मनोज सोमानी के साथ-साथ अन्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करने अरुण भंगड़िया, भगवती बलदेव, रमेश परथनी आयेंगे।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कैलाश डालिया अध्यक्ष आंध्र तेलंगाना माहेश्वरी सभा, कन्यालाल राठी मंत्री आंध्र प्रदेश तेलंगाना माहेश्वरी महासभा, रजनी राठी अध्यक्ष आंध्र प्रदेश तेलंगाना माहेश्वरी महिला सभा, नारायण मलानी कोषाध्यक्ष अंद्रप्रदेश तेलंगाना माहेश्वरी महासभा, भगवान पंसारी अध्यक्ष हैदराबाद सिकंदराबाद माहेश्वरी सभा, राजेश मालपानी मंत्री हैदराबाद सिकंदराबाद माहेश्वरी सभा के अलावा कई पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।उक्त कार्यक्रम में बेलमपल्ली, मंचेरियल, गोदावरी खनी, चेन्नूर, पेद्दापल्ली, करीमनगर, निजामबाद , आदिलाबाद, राजुरा, बल्लारशाह, चंद्रपुर के अलावा और कई गांव एं शहरों से लगभग 400-500 माहेश्वरी बंधु पधार रहे हैं।उक्त कार्यक्रम की सूचना कागजानगर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष शंकरलाल फोफलिया, मंत्री द्वारका प्रसाद झावर, कोषाध्यक्ष पंकज असावा ने दी।

# मंचेरियल में तापमान 45.7 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

**मंचेरियाल/हैदराबाद, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
राज्य भर में, खासकर आदिलाबाद जिले में, जहां मंचेरियल और कुमुरमभीम आसिफाबाद में क्रमशः 45.7 डिग्री सेल्सियस और 45.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। 40 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच अधिकतम तापमान के साथ, 24 जिले येलो अलर्ट की श्रेणी में आ गए। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा में, मियापुर में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।आईएमडी की सलाह के अनुसार, राज्य भर में अलग-अलग इलाकों में अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

# नशे में धुत व्यक्ति ने पुलिस वाहन चुराया

**गदवाल, 29 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
गदवाल के एरावली में एक अजीबोगरीब घटना में एक शराबी ने पुलिस की गाड़ी चुरा ली। पुलिस के अनुसार, नशे में धुत एक युवक हंगामा कर रहा था। सूचना मिलने के बाद एक पुलिस कांस्टेबल मौके पर पहुंचा और युवक को ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए एक तरफ ले गया। इस बीच, नशे में धुत युवक पेट्रोलिंग वाहन लेकर मौके से भाग गया। तलाशी के बाद पुलिस को कोडांपुर में एक पेट्रोल पंप पर वाहन मिला।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले में बढ़ेगी लालू-राबड़ी की मुश्किलें

# सीबीआई 7 जून तक चार्जशीट दाखिल करे: कोर्ट

**नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)।** नौकबी के बदले जमीन घोटाला मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई को 7 जून तक अंतिम चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सीबीआई द्वारा हर तारीख पर चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय मांगने पर भी नाराजगी जताई। इस मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य आरोपी हैं।

इस मामले में अब लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी और बड़ी बेटी मीसा भारती से भी इस मामले में पूछताछ की जा चुकी है। नौकरी के बदले जमीन घोटाला 2004 से 2009 के बीच का है जब लालू प्रसाद

केंद्रीय रेल मंत्री थे। लालू प्रसाद ने पद पर रहते हुए नौकरी के बदले लोगों से जमीनें लिखवाईं। सीबीआई ने यह भी आरोप लगाया है कि रेलवे में की गई भर्तियां भारतीय रेलवे के मानकों के दिशा निर्देशों के अनुरूप नहीं थीं।

इस मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई होनी थी लेकिन सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल करने का समय मांग लिया, जिससे सुनवाई टल गई। अब कोर्ट ने सीबीआई को आखिरी और सम्पूर्ण चार्जशीट दाखिल करने के लिए 7 जून तक का वक्त दिया है। चार्जशीट की प्रक्रिया आखिरी चरण में है, यह कहने पर कोर्ट ने सीबीआई को आड़े हाथों लिया और कहा कि हर बार सुनवाई के वक्त यही कहा जाता है। कोर्ट ने सख्त लहजे में सीबीआई को निर्देश दिया कि 7 जून तक चार्जशीट दाखिल कर दी जाए। इस मामले में ईडी लालू प्रसाद यादव के अलावा उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, तेजस्वी यादव आदि को भी पूछताछ के लिए बुला चुकी है।

# प्रचार के आखिरी दिन हिमाचल व पंजाब में गरजेंगे योगी

## दोनों राज्यों की चार रैलियों को संबोधित करेंगे सीएम

**लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हिमाचल प्रदेश और पंजाब के चुनावी दौरे पर रहेंगे। सातवें चरण के प्रचार के आखिरी दिन वे चार रैलियों में शिरकत करेंगे। पहली जून को सातवें और अंतिम चरण का मतदान होगा। योगी आदित्यनाथ अब तक कुल 12 राज्यों में चुनाव प्रचार कर चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में प्रचार कर कुल 13 राज्यों में वे कमल खिलाने की अपील करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से चुनावी दौरे पर निकलेंगे। वे पहली जनसभा हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट पर करेंगे। यहां से भारतीय जनता पार्टी ने फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को मैदान में उतारा है। योगी आदित्यनाथ जनसभा कर उनके लिए वोट मांगेंगे। इसके बाद योगी आदित्यनाथ केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के पक्ष में जनसभा करेंगे। हिमाचल प्रदेश के बाद योगी आदित्यनाथ पंजाब आएंगे। यहां की आनंदपुर साहिब लोकसभा सीट के लिए जनसभा करेंगे। यहां से भाजपा उम्मीदवार डॉ. सुभाष शर्मा के लिए वोट की अपील करेंगे। सातवें चरण की आखिरी जनसभा योगी आदित्यनाथ लुधियाना लोकसभा सीट के लिए करेंगे। यहां से भारतीय जनता पार्टी ने इस बार रवनीत सिंह बिट्टू को कमल निशान पर चुनाव में उतारा है।

# 13 लोकसभा सीटों के साथ दुद्धी विधानसभा के लिए 1 जून को मतदान

**लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)।** लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में सातवें चरण के अंतर्गत प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों तथा दुद्धी विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए 1 जून को मतदान होगा। सातवें चरण के इन सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 144 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनमें 134 पुरुष तथा 10 महिला प्रत्याशी हैं। वहीं, सोनभद्र जनपद की 403-दुद्धी (अ0ज0जा0) विधानसभा उप निर्वाचन के लिए 06 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-126 के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने से पूर्व के 48 घंटे की अवधि में अर्थात गुरुवार 30 मई को सायं 6 बजे से सातवें चरण के सभी 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा दुद्धी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए भी चुनाव प्रचार-प्रसार संबंधी समस्त गतिविधियों व अभियानों पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद

इन निर्वाचन क्षेत्रों में सभी राजनीतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की मौजूदगी पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सातवें चरण का चुनाव प्रचार अभियान समाप्ति के बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि राजनीतिक दलों के सभी बाहरी पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस दौरान इन निर्वाचन क्षेत्रों में उपस्थित न रहें। इसके लिए मतदान से पहले चुनाव प्रचार पर रोक संबंधी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश को सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों के संज्ञान में लाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान के दिन मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक लगाई गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में सातवें चरण के अंतर्गत 13 लोकसभा सीटों में से 11 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और 02 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। इस चरण के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अ.जा.), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली, वाराणसी, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज (अ.जा.) शामिल हैं जो 11 जनपदों में स्थित हैं। वहीं दुद्धी विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र जनपद सोनभद्र के अंतर्गत आता है।

अखिलेश को फिर मिला झटका

# सपा छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए नारद राय

**लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)।** पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी के प्रभावशाली नेता पूर्व मंत्री नारद राय ने सपा का साथ छोड़ दिया है। यह खबर मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वाराणसी में संयुक्त रैली से ठीक पहले सामने आई। पार्टी छोड़ने के बाद नारद राय ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान भी किया है। नारद राय का यह कदम अखिलेश यादव की पार्टी के लिए आखिरी चरण के मतदान से पहले एक बड़ा झटका माना जा रहा है। ऐसी चर्चा है कि राय के इस फैसले से बलिया लोकसभा सीट पर स्थानीय समीकरणों तो प्रभावित होंगे ही साथ ही पड़ोसी वाराणसी सीट (जहां भूमिहार मतदाताओं की बड़ी तादाद है) पर भी कांग्रेस को इसका नुकसान हो सकता है। यहां पीएम मोदी के सामने अजय राय चुनाव लड़ रहे हैं।

बलिया विधानसभा सीट से विधायक 63 वर्षीय नारद राय सपा के बड़े नेता माने जाते थे। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि उन्हें इस बार बलिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की पेशकश की गई थी, लेकिन सपा नेतृत्व ने अंसारी बंधुओं के प्रभाव में उनकी जगह सनातन पांडेय को उतारने का फैसला किया। नारद राय कभी दिवंगत सपा संरक्षक और पूर्व

मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे। उन्हें अखिलेश यादव ने समुचित सम्मान नहीं दिया। पूर्व मंत्री को 2017 के विधानसभा चुनावों में सपा का टिकट नहीं दिया गया था। अब यह भी आरोप लगाते हैं कि अखिलेश यादव ने 2022 में उनको हराने के पूरे प्रयास किए थे।

नारद राय 1980 के दशक की शुरुआत में युवा नेता के तौर पर सपा में शामिल हुए थे। राय ने सोमवार को वाराणसी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद भाजपा को अपना समर्थन दिया सपा को हराने की बात तक कही। नारद राय इससे पहले वाराणसी में अजय राय और बलिया में सनातन पांडे के लिए प्रचार कर रहे थे। वह दावे करते रहे हैं कि उन्होंने अपने जीवन के 40 साल सपा को दिए हैं।

इतने हादसों के बाद अब जागा रसद विभाग

# अवैध गैस सिलेंडरों पर की कार्रवाई, 18 सिलेंडर जब्त

**अजमेर,29 मई (एजेंसियां)।** अजमेर में लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं के बाद आखिर जिला रसद विभाग की नींद खुली और उन्होंने अवैध गैस सिलेंडरों पर कार्रवा करते हुए विभिन्न स्थानों से 18 सिलेंडर जब्त किए। जिला रसद अधिकारी ज्योति ककवानी ने बताया कि जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित के निर्देशानुसार मंगलवार को रसद विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा रामगंज, चूड़ी बाजार, नया बाजार क्षेत्र में संचालित विभिन्न रेस्टोरेंटों, ढाबों, स्टॉलों आदि में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग तथा बिना विस्फोटक लाइसेंस के एकमुश्त 100 किलो से ज्यादा एलपीजी गैस का भंडारण करने पर धरपकड़ अभियान चलाया गया। इस धरपकड़ अभियान के अंतर्गत राजश्री स्वीट एंड नमकीन, रामगंज से 8 व्यावसायिक सिलेंडर मय 105 किलो गैस, रमेश साउथ इण्डियन नाश्ता सेन्टर, पुरानी मंडी, अजमेर से एक घरेलू गैस सिलेंडर, दिल्ली के मशहूर छोले कुल्चे सेंटर, नया बाजार से घरेलू गैस सिलेंडर तथा गंगाराम अमरचंद हलवाई, नया बाजार से 6 व्यावसायिक सिलेंडर मय 109 किलो गैस के जब्त किए गए।

# मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान

## 450 ग्राम अवैध गांजे के साथ बदमाश गिरफ्तार

**दौसा,29 मई (एजेंसियां)।** दौसा जिले की सिकंदरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के तहत चलाए जा रहे अभियान में कार्रवाई करते हुए सिकंदरा चौराहे पर स्थित पुलिया के पास से उमाशंकर सोनी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 450 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिकंदरा चौराहे के पास स्थित पुलिया पर एक व्यक्ति के कब्जे से कुल 450 ग्राम अवैध गांजा जब्त करते हुए उमाशंकर सोनी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को 26 मई को मुखबिर से इस संबंध में सूचना मिली थी, जिस पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

# यूपी को इस बार मिलेंगे कम से कम 16 नए सांसद

**लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)।** लोकसभा चुनाव में छह चरण हो चुके हैं और अब अंतिम चरण का मतदान बाकी है। देश के सबसे ज्यादा सांसदों वाले प्रदेश यूपी में इस बार लोकसभा की 16 सीटें ऐसी हैं, जहां चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशी ऐसे हैं, जो पहले कभी संसद नहीं पहुंचे।

लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी की जिन सीटों पर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन और सपा-कांग्रेस के विपक्षी गठबंधन ने नए प्रत्याशी (पिछले चुनावों में हार चुके उम्मीदवार भी शामिल) उतारे हैं, उनमें गाजियाबाद, मेरठ, बिजनौर, नगीना, कानपुर, हाथरस, बाराबंकी, बदायूं, घोसी, बागपत, प्रयागराज, कैसरगंज, फूलपुर, बहराइच, जौनपुर और देवरिया लोकसभा सीटें शामिल हैं।

गाजियाबाद से भाजपा ने अतुल गर्ग और कांग्रेस ने डॉली शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। बागपत में एनडीए गठबंधन में शामिल रालोद के राजकुमार सांगवान और सपा के अमरपाल शर्मा चुनाव मैदान में हैं। जौनपुर में भाजपा ने कृपाशंकर सिंह को मैदान में उतारा है तो सपा ने महाभ्रष्ट बाबू सिंह कुशवाहा को अपना प्रत्याशी पसंद किया है। बाराबंकी से भाजपा ने राजरानी रावत को प्रत्याशी बनाया है जबकि कांग्रेस ने तनुज पुनिया को मैदान में उतारा है। कैसरगंज से भाजपा ने करण भूषण सिंह को और सपा ने भगत राम मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है।

देवरिया से भाजपा के प्रत्याशी प्रकाश मणि और कांग्रेस के अखि-लेश प्रताप हैं। बहराइच से भाजपा ने आनंद गोंड और सपा ने रमेश गौतम को अपना प्रत्याशी बनाया है। घोसी में एनडीए के साथी सुभासपा से अरविंद राजभर मैदान में हैं, सपा ने यहां से राजीव राय को मैदान में उतारा है। फूलपुर से भाजपा के प्रत्याशी प्रवीण पटेल और सपा से अमरनाथ मौर्य हैं। प्रयागराज से भाजपा के नीरज त्रिपाठी और सपा से उज्जवल रमण मैदान में हैं। बदायूं से भाजपा के दुर्विजय सिंह और सपा से आदित्य यादव चुनाव मैदान में हैं। कानपुर से भाजपा ने रमेश अवस्थी और कांग्रेस ने आलोक मिश्रा को चुनाव मैदान में उतारा है। बिजनौर से एनडीए सदस्य रालोद ने चंदन चौहान को प्रत्याशी बनाया है। सपा ने यहां से दीपक सैनी को मैदान में उतारा है। मेरठ से भाजपा के प्रत्याशी मशहूर फिल्म अभिनेता अरुण गोविल हैं। सपा ने सुनीता वर्मा को मैदान में उतारा है। नगीना से भाजपा ने ओम कुमार को प्रत्याशी बनाया तो सपा ने मनोज कुमार को अपना उम्मीदवार बनाया है। हाथरस से भाजपा ने अनूप वाल्मीकि को मैदान में उतारा है, जबकि सपा ने जसबीर वाल्मीकि को। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में एक जून को यूपी की कुल 13 लोकसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इन सीटों में पीएम नरेंद्र मोदी की वाराणसी लोकसभा और राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ का गृह क्षेत्र गोरखपुर लोकसभा सीट शामिल है। इसके अलावा यूपी में लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के दौरान कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

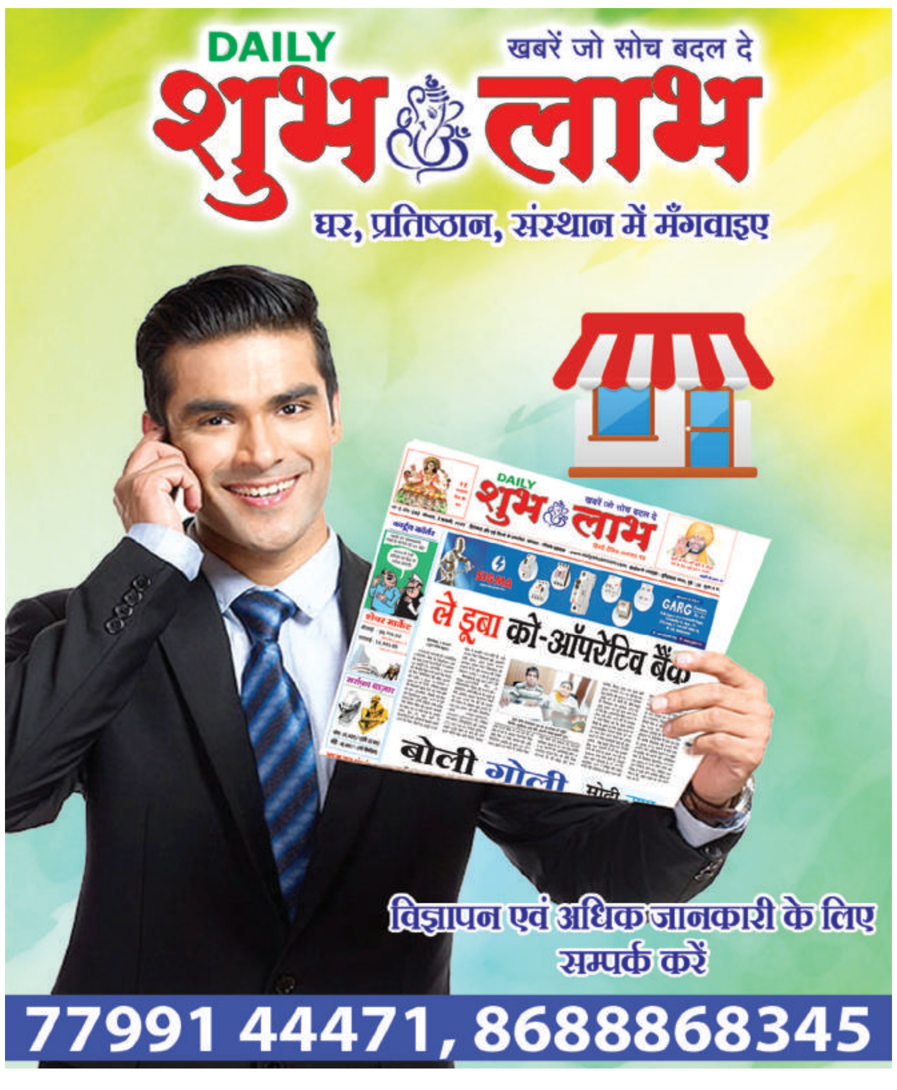


# अनिवार्य सेवानिवृत्त आसान नहीं, सीएस के आदेश के खिलाफ खुलकर सामने आए कर्मचारी

**जयपुर,29 मई (एजेंसियां)।** मुख्य सचिव सुधांश पंत के अनिवार्य सेवानिवृत्ति वाले आदेश ने कर्मचारी संगठनों और सरकार को आमने-सामने ला खड़ा किया है। राजस्थान के कर्मचारी संगठन अब इस आदेश के विरोध में खुलकर आए गए हैं। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि मुख्य सचिव सहित राज्य सरकार के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों ने राज्य कर्मचारियों को डराने धमकाने तथा प्रताड़ित करने और कर्मचारी, सरकारी विभागों, सरकारी विद्यालयों व चिकित्सालयों को बदनाम करने का अभियान चला रखा है। इसी क्रम में 24 मई को कार्मिक विभाग द्वारा जारी मुख्य सचिव के अनिवार्य सेवानिवृत्ति आदेश से कर्मचारियों में आतंक पैदा करने की कोशिश की गई है।

**कर्मचारी बाले सरकार आमजन को कामगारों के खिलाफ भड़का रही**

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा का कहना है कि सरकार कर्मचारियों में आतंक पैदा करना चाहती है और आमजन को कामगारों के खिलाफ भड़काना चाहती है। इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि सरकार के मंत्री ही नहीं बल्कि सत्ताधारी दल के अनेक नेता भी लगातार कर्मचारियों के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। अब तो मुख्यमंत्री ने भी अपने साक्षात्कार में अनिवार्य सेवा निवृत्ति नियम के अनुसार कार्रवाई करने का कहकर कर्मचारियों के डर को बढ़ाने और उन्हें पस्त करने की कोशिश की है। राज्य कर्मचारी सरकार के इस अनुचित व्यवहार से हतप्रभ, आहत और आक्रोशित है।

**सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने की चेतावनी**

महासंघ का कहना है कि सरकार अपनी कर्मचारी विरोधी नीतियों से बाज नहीं आई और कर्मचारियों के खिलाफ जारी

अनुचित अभियान को नहीं रोका गया तो राज्य का कर्मचारी अपनी मान मर्यादा तथा न्याय के लिए न केवल सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर जाएगा बल्कि सरकार के साजिशपूर्ण कदमों की पोल खोलने के लिए आम जन के बीच भी जाएंगे।

**सरकार करना चाहती है निजीकरण**

महासंघ के महामंत्री महावीर सिहाग ने बताया कि सरकार शिक्षा, चिकित्सा तथा जनसेवा की सार्वजनिक संस्थानों का निजीकरण करना चाहती है और सरकारी विभागों का आकार घटाना चाहती है। इन जन विरोधी कार्यो को अंजाम देने के लिए कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है ताकि कर्मचारी संगठित रूप से विरोध नहीं कर सके। कर्मचारी भी आमजन है और बांटो तथा राज करो नीति के तहत सरकार आम जन को आपस में बांट देना चाहती है, आपस में टकराना चाहती है।

यदि सरकार इसमें सफल हो गई तो जन सामान्य एक तरफ इन सेवाओं से वंचित हो जाएंगे, ऊंची कीमत पर निजी क्षेत्र से यह सेवाएं खरीदनी पड़ेगी और दूसरी तरफ राज्य में लाखों पद समाप्त करके रोजगार के अवसर खत्म कर दिए जाएंगे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**

I, SILPA S spouse of Army No.15241271H Nk(Gnr) Sekar V, R/o.5/91A, Moolavalasai, Pallathur Vill, Panamadangi Post, Katpadi Taluk, Vellore, Tamilnadu - 632202 have changed my name from **SILPA S** to **K SILPA** vide affidavit dt:29-5-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, GUNDAMMA SHIVA KUMAR Spouse of Army No.14644440F CHM, M SHIVA KUMAR, R/o.Plot No.4, H.No.42-353/1 Shamika Nagar, Maruthi Nagar, Moula Ali, Teh:Malkajgiri, Dist:Ranga Reddy, Telangana-500040 have changed my name from **GUNDAMMA SHIVA KUMAR** to **SHIVAKUMAR GUNDAMMA** vide affidavit dt:29-5-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, Army No.14644440F CHM M.SHIVA KUMAR, R/o.Plot No.4, H.No.42-353/1, Shamika Nagar, Maruthi Nagar, Moula Ali, Teh:Malkajgiri, Dist:Ranga Reddy, Telangana-500040 that my mother name and DOB is to be changed from **M MUNI MAAL**, DOB:**1-7-1959** to **MUNIAMMAL**, DOB:**1-1-1949** vide affidavit dt:29-5-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

A PROJECT BY
BASAI GROUP

hmda
Growing Global

# PUSHPA RESIDENCY- 1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta<<SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

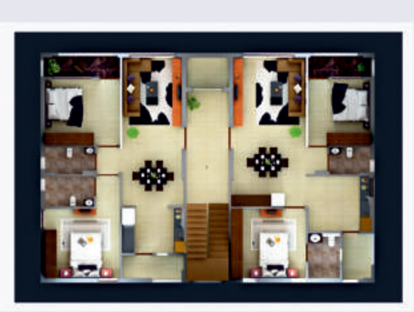

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS
+91 77991 23471
94901 18708
Email : pushparesidency1@gmail.com


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.